10 बुमराह....

झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

12 आलिया भट्ट...

रांची, गुरुवार, 16 जुलाई 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -30 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला, देश के इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास के लिए 2,19,353 करोड़ रुपये मंजूर

एजेंसी

नयी दिल्ली। पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक संपन्न हुई, जिसमें देश के औद्योगिक विकास और विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े सात बड़े नीतिगत और निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि कुल 2,19,353 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन स्वीकृत किया गया है। यह निवेश मुख्य रूप से सेमीकंडक्टर निर्माण, मोबाइल उत्पादन, क्षेत्रीय रेल नेटवर्क के विस्तार, घरेलू यूरिया उत्पादन और उत्तर प्रदेश के वाराणसी क्षेत्र में बड़े सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर केंद्रित है, जिससे आने वाले

समय में देश के औद्योगिक परिदृश्य और परिवहन व्यवस्था में व्यापक प्रशासनिक बदलाव देखने को मिलेंगे।

कृषि और रेलवे के लिए भी बड़े नीतिगत एलान

कैबिनेट ने देश के अन्नदाताओं और औद्योगिक माल ढुलाई को सुचारू बनाने के लिए भी कई महत्वपूर्ण और व्यावहारिक फैसले लिए हैं। कृषि क्षेत्र में खाद की प्रचुर उपलब्धता सुनिश्चित करने और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए बहुप्रतीक्षित 'राष्ट्रीय निवेश नीति-2026' को मंजूरी दे दी गई है, जिससे देश में घरेलू यूरिया उत्पादन को भारी बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, रेलवे नेटवर्क को दुरुस्त करने के तहत ओडिशा के पारादीप-हरिदासपुर रेल मार्ग के दोहरीकरण के लिए 2,542 करोड़ रुपये और डांगोआपोसी-राजखरसावां व्यस्त रेल मार्ग पर मालगाड़ियों की रफ्तार बढ़ाने के लिए चौथी लाइन बिछाने के काम को 1,365 करोड़ रुपये की बजटीय सहायता के साथ हरी झंडी दी गई है, जिससे व्यापारिक माल ढुलाई में समय की भारी बचत होगी।

गंगा और वरुणा नदियों के किनारे बनेंगे रु 25,445 करोड़ के दो शानदार एलिवेटेड कॉरिडोर

यूपी के वाराणसी क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने और स्थानीय यातायात को पूरी तरह सुगम व जाम मुक्त करने के लिए कैबिनेट ने दो बेहद महत्वाकांक्षी एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजनाओं पर मुहर लगी हैः-

गंगा नदी के किनारे छह लेन का कॉरिडोरः एनएच-19 (एनएच-19) और वाराणसी रिंग रोड के बीच की दूरी और यात्रा के समय को बेहद कम करने के लिए 14,447.64 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से बनने वाले '6-लेन ग्रीनफील्ड एलिवेटेड कॉरिडोर' को प्रशासनिक मंजूरी दे दी गई है।

वरुणा नदी के किनारे कॉरिडोरः स्थानीय कनेक्टिविटी को विश्वस्तरीय बनाने के लिए वरुणा नदी के किनारे 6 और 4 लेन का एक अन्य भव्य एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जाएगा, जिसके लिए अलग से 10,998 करोड़ रुपये का भारी बजट आवंटित किया गया है।

सेमीकंडक्टर 2.0 और मोबाइल विनिर्माण के लिए रु 1.90 लाख करोड़ स्वीकृत; भारत बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा टेक हब

इस कैबिनेट बैठक का सबसे बड़ा और भारी-भरकम हिस्सा देश को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर और डिजिटल महाशक्ति बनाने के लिए समर्पित किया गया हैः-

सेमीकंडक्टर 2.0: भारत को वैश्विक चिप डिजाइन, सेमीकंडक्टर विनिर्माण और सप्लाई चेन का सबसे बड़ा केंद्र बनाने के उद्देश्य से कैबिनेट ने 1,27,500 करोड़ रुपये के अभूतपूर्व और ऐतिहासिक बजट के साथ 'सेमीकंडक्टर 2.0' योजना को मंजूरी प्रदान की है।

मोबाइल फोन निर्माण योजना (एमपीएमएस): देश के भीतर घरेलू स्तर पर स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स के उत्पादन को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे ले जाने के लिए सरकार ने 62,500 करोड़ रुपये की बड़ी धनराशि स्वीकृत की है।

रांची के हाईटेक बिल्डर्स पानस रियल्टर्स और दयानंद मोदी ग्रुप के ठिकानों पर आयकर की रेड

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में बुधवार को आयकर विभाग ने रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े दो बड़े समूहों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी की. आयकर विभाग की जांच टीम ने पानस रियल्टर्स और दयानंद मोदी ग्रुप से जुड़े आवासीय एवं व्यावसायिक परिसरों में पहुंचकर दस्तावेजों की गहन जांच शुरू की. कार्रवाई के दौरान संबंधित परिसरों में आने-जाने पर निगरानी रखी गई और बाहरी लोगों के प्रवेश पर भी रोक लगाई गई.

कंप्यूटर, लैपटॉप और हार्ड डिस्क की हो रही जांच

सूत्रों के अनुसार, आयकर विभाग की टीम वित्तीय लेनदेन, आयकर रिटर्न, निवेश, संपत्ति खरीद-बिक्री और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच कर रही है. कई स्थानों से कंप्यूटर, लैपटॉप, हार्ड डिस्क और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को खंगाला गया. बैंक खातों और अन्य वित्तीय दस्तावेजों का भी मिलान किया जा रहा है. फिलहाल जांच जारी है और विभाग ने आधिकारिक रूप से किसी बरामदगी या कथित कर चोरी की राशि का खुलासा नहीं किया है. इसलिए कार्रवाई के अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएंगे.

दस्तावेजों का किया जा रहा मिलान

बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई आयकर अधिनियम के तहत प्राप्त सूचनाओं और प्रारंभिक जांच के आधार पर की जा रही है. विभाग यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि कारोबार से संबंधित सभी आय और निवेश का सही विवरण कर विभाग को उपलब्ध कराया गया था या नहीं. जांच के दौरान कई दस्तावेजों का मिलान किया जा रहा है तथा संबंधित लोगों से पूछताछ भी की जा रही है. आयकर विभाग की इस कार्रवाई से रियल एस्टेट क्षेत्र में पूरे दिन हलचल बनी रही. संबंधित परिसरों के बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही और विभागीय अधिकारी देर शाम तक जांच में जुटे रहे. अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही किसी प्रकार की आधिकारिक जानकारी साझा की जाएगी. फिलहाल विभाग ने इस मामले में कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया है.

मुख्यमंत्री ने पथ निर्माण विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की समीक्षा की

मीडिया व सोशल मीडिया से मिल रही शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करें : हेमंत

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। झारखंड मंत्रालय में बुधवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में पथ निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में विभागीय अधिकारियों द्वारा पिछले पाँच वर्षों की कार्य योजनाओं, निमार्णाधीन एवं पूर्ण हो चुके कार्यों की विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिसमें सड़कों, फ्लाईओवर, ओवरब्रिज एवं पुल-पुलियों से संबंधित परियोजनाओं के स्थिति प्रतिवेदन से अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री ने प्रस्तुति का गहन अवलोकन करते हुए अधिकारियों को कार्यों में विलंब एवं लापरवाही पर कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी कार्य योजनाओं की समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित की जाए तथा उन्हें निर्धारित अवधि में पूर्ण किया जाए। लंबित कार्यों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अनावश्यक देरी होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। किसी भी परियोजना में निर्धारित मानकों के अनुसार गुणवत्ता से किसी प्रकार के समझौते को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सभी परियोजनाओं का डेटाबेस व जियो-टैगिंग अनिवार्य, पारदर्शिता के साथ समयबद्ध त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पथ निर्माण विभाग को सभी परियोजनाओं का अद्यतन एवं सुव्यवस्थित डेटाबेस तैयार करने तथा जियो-टैगिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परियोजना की स्थिति, लागत, समय-सीमा और प्रगति का स्पष्ट विवरण उपलब्ध हो, ताकि कार्यों की सटीक निगरानी की जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि जियो-टैगिंग से पारदर्शिता बढ़ेगी और निगरानी प्रणाली मजबूत होगी। साथ ही, अधिकारियों को निर्देश दिया कि समस्याओं की समय पर पहचान कर शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी निमार्णाधीन एवं पूर्ण परियोजनाओं का अद्यतन विवरण नियमित रूप से उपलब्ध कराने पर जोर देते हुए कहा कि इससे जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित होगी तथा आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

गड्ढे, जलजमाव और खराब सड़कों पर तुरंत कार्रवाई करें

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि उन्हें सोशल मीडिया, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से सड़कों की खराब स्थिति, गड्ढों, जलजमाव एवं निर्माण कार्यों में अनियमितताओं की लगातार जानकारी मिल रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए त्वरित समाधान सुनिश्चित करें तथा उनका अद्यतन रिकॉर्ड रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा ऋतु में सड़कों की स्थिति बिगड़ने से दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है, इसलिए गड्ढों की मरम्मत, जल निकासी की समुचित व्यवस्था एवं सड़कों की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही, संकीर्ण मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कर यातायात को सुरक्षित और सुगम बनाया जाए।

लंबित परियोजनाओं में तेजी लाएं, दो माह में पूर्ण करें प्रमुख कार्य, अन्यथा होगी कार्रवाई

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने निमार्णाधीन परियोजनाओं में धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित कार्यों में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में कई सड़क, फ्लाईओवर एवं पुल-पुलिया परियोजनाएं वर्षों से लंबित हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी हो रही है। मुख्यमंत्री ने राजधानी रांची सहित अन्य क्षेत्रों की लंबित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ प्रमुख परियोजनाओं को आगामी दो माह के भीतर पूरा किया जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों के विरुद्ध कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

अनुज कुमार सिंह
लापुंग संवाददाता, रांची।

पत्रकारिता सिर्फ आपके किरदार को नहीं निखरती है वह आपकी नियत को भी निकलती है। एक सच्चा पत्रकार अपने आसपास होते किसी भी प्रकार के अन्याय को बर्दाश्त नहीं कर सकता है। और उसके खिलाफ आवाज उठाना एक सच्चे पत्रकार की पहचान होती है।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,49,560**
चांदी (प्रति किलो) : **2,55,000**
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **77,185.43**
निफ्टी :- **24,078.50**

मौसम

अधिकतम तापमान : **30** °
न्यूनतम तापमान : **23** °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:12**
संध्या :- **18:38**

आज का इतिहास

आज ही के दिन 1856 को समाज सुधारकों के प्रयासों से भारत में ऊंची जाति की हिंदू विधवाओं को पुनर्विवाह करने की अनुमति मिली?

संक्षिप्त समाचार

झारखंड के 288 पीएम श्री स्कूल स्मार्ट क्लासरूम से होंगे लैस

रांची। झारखंड के सभी पीएम श्री स्कूलों को आधुनिक डिजिटल सुविधाओं से लैस करने की तैयारी तेज हो गई है. झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) ने राज्य के 288 पीएम श्री स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना और अगले 3 वर्षों तक उनके रखरखाव के लिए इच्छुक एजेंसियों से प्रस्ताव (आरएफपी) आमंत्रित किए हैं. राज्य में वर्तमान में कुल 363 सरकारी पीएम श्री स्कूल हैं, जिनमें से 75 स्कूलों में पहले से ही स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध है. शेष 288 स्कूलों में इस कमी को पूरा करने के लिए नई निविदाएं जारी की गई हैं. इस योजना का मुख्य उद्देश्य दैनिक कक्षाओं में डिजिटल सामग्री के उपयोग को बढ़ावा देना और शिक्षकों को इंटरैक्टिव टूल्स के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए सक्षम बनाना है. आधुनिक डिजिटल संसाधनों से पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धति को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा, जिससे सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए पढ़ाई रोचक होगी. केंद्र सरकार की 'पीएम श्री' योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत मॉडल स्कूल विकसित करने के लिए शुरू की गई है.

रांची के जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति का बैंक अकाउंट फ्रीज

रांची। केनरा बैंक ने जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति का बैंक अकाउंट फ्रीज कर दिया है. बैंक ने यह मंदिर पुनर्निर्माण समिति के ढअठ का इस्तेमाल मंदिर न्यास समिति द्वारा किये जाने की शिकायतों की जांच के बाद की है. पैन के गलत इस्तेमाल के सिलसिले में हाईकोर्ट के अधिवक्ता हर्ष कुमार ने रांची के उपायुक्त, केनरा बैंक, प्रत्यक्ष कर बोर्ड और वित्त मंत्रालय को की थी. इसमें यह कहा गया था कि मंदिर पुनर्निर्माण समिति का गठन मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए किया गया था. जीर्णोद्धार का काम समाप्त होने के बाद समिति भंग कर दी गयी है.

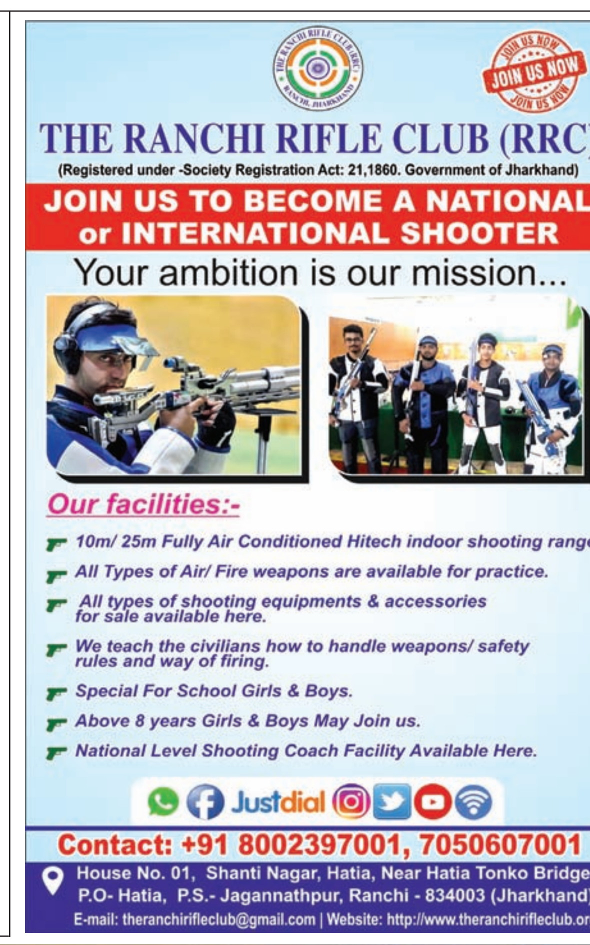

शहरी क्षेत्र के समग्र विकास, नागरिक सुविधाओं एवं जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों के साथ उपायुक्त ने की बैठक

रामगढ़। उपायुक्त, रामगढ़ ऋतुराज की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभाकक्ष में नगर परिषद रामगढ़ की अध्यक्ष कुसमलता कुमारी, उपाध्यक्ष रणधीर गुप्ता एवं सभी वार्ड पार्षदों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर परिषद क्षेत्र के समग्र विकास, नागरिक सुविधाओं में सुधार, स्वच्छता व्यवस्था, जलापूर्ति, सड़क एवं नाली निर्माण, स्ट्रीट लाइट, यातायात व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि शहरी क्षेत्र में विकास कार्यों का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को बेहतर एवं सुगम नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना होना चाहिए। उन्होंने नगर परिषद के जनप्रतिनिधियों से कहा कि वे अपने-अपने वार्डों की प्रमुख समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर चिह्नित करते हुए उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करें। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी को अपने-अपने क्षेत्र में खाली पड़े सरकारी भूमि की पहचान कर उन्हें पार्किंग एरिया के रूप में विकसित करने से संबंधित प्रतिवेदन तैयार कर उपलब्ध कराने की बात कही साथ ही उपायुक्त ने सभी वार्ड पार्षदों को उनके उनके क्षेत्र में वैसे सरकारी भवन जिनका वर्तमान में उपयोग नहीं हो रहा है से संबंधित प्रतिवेदन भी उपलब्ध कराने की बात कही। उपायुक्त ने कहा कि नगर परिषद एवं जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय से ही शहरी क्षेत्र में विकास कार्यों को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा जा सकता है। उन्होंने सभी वार्ड पार्षदों से अपने-अपने वार्डों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं से संबंधित प्रस्ताव नगर परिषद के माध्यम से उपलब्ध कराने को कहा, ताकि आवश्यकतानुसार कार्यों की प्राथमिकता तय करते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कराया जा सके।

स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने का निर्देश

बैठक में शहरी क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने नियमित कचरा उठाव, सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई, नालियों की सफाई एवं कचरे के उचित निस्तारण पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नगर परिषद के पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को आपसी समन्वय के साथ स्वच्छ एवं सुंदर शहर बनाने की दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया गया।

जलापूर्ति एवं पेयजल व्यवस्था पर विशेष जोर

गर्मी एवं बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए शहरी क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में जलापूर्ति से संबंधित समस्याएं हैं, उनका त्वरित समाधान किया जाए। खराब चापाकल, पाइपलाइन एवं अन्य जलापूर्ति संरचनाओं की मरम्मत कराने तथा आवश्यकता के अनुसार वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

सड़क, नाली एवं स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की समीक्षा

बैठक के दौरान वार्ड पार्षदों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में सड़क, नाली, जलजमाव एवं स्ट्रीट लाइट से संबंधित समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा गया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के प्राथमिकता के आधार पर निराकरण का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में जलजमाव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नालियों की नियमित सफाई एवं आवश्यकतानुसार नाली निर्माण का कार्य किया जाए। साथ ही, खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत एवं आवश्यक स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

विकास योजनाओं में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने का निर्देश

उपायुक्त ने नगर परिषद क्षेत्र में संचालित एवं प्रस्तावित विकास योजनाओं की समीक्षा करते हुए योजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं का लाभ वास्तविक रूप से आम नागरिकों तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नगर परिषद के पदाधिकारियों को योजनाओं की नियमित निगरानी करने तथा जनप्रतिनिधियों के सुझावों को भी गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

जनप्रतिनिधियों ने रखीं अपने-अपने वार्ड की समस्याएं

बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इनमें सड़क एवं नाली निर्माण, पेयजल आपूर्ति, साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट, जलजमाव, यातायात एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित मुद्दे प्रमुख रहे। उपायुक्त ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए जनहित के मुद्दों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभी वार्ड पार्षद, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद के संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रांतिय मारवाड़ी महिला सम्मेलन कि प्रथम कार्यकारणी बैठक आज दो सौ बहने होगी शामिल

रामगढ़ः झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा आयोजित प्रथम कार्यकारिणी बैठक आज रामगढ़ शाखा के आतिथ्य में मिस्का बैंक्विट हॉल रामगढ़ में होना निश्चित हुआ है। प्रांतीय कार्यकारिणी कि इस बैठक में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती रेखा राठी जी व विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सचिव श्रीमती बबिता बगड़िया जी सहित तीन पुर्व राष्ट्रीय अधयक्षा, दस पुर्व प्रांतीय अधयक्षा सहित सभी जिला व शाखाओं कि अध्यक्षा व मंत्री सहित 150-200 बहनें उपस्थित रहेंगी।कार्यकारणी कि बैठक कि अध्यक्षता श्रीमती प्रभा पाड़िया जी व सचिव प्रतिवेदन श्रीमती मनीषा मित्तल जी द्वारा किया जाएगा।कार्यक्रम को रामगढ़ मारवाड़ी महिला समाज कि घड़कन पुर्व राष्ट्रीय अधयक्षा श्रीमती अरुणा जैन जी के निर्देशन तथा रामगढ़ जिला मारवाड़ी महिला सम्मेलन के आतिथ्य में आयोजित किया जा रहा है। जिसकी तैयारियां जिला शाखा की सभी बहनें सफलता पूर्वक आयोजन में लगी है।

आग से झुलसे युवक की इलाज के दौरान मौत, पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा गया शवआग से झुलसे युवक की इलाज के दौरान मौत, पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा गया शव

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र के बक्शीडीपा गांव निवासी 35 वर्षीय मुनीम उरांव की सदर अस्पताल लोहरदगा में इलाज के दौरान मंगलवार देर रात मौत हो गई। परिजनों के अनुसार मुनीम उरांव आग से गंभीर रूप से झुलस गए थे। साथ ही उन्हें मिर्गी (दौरा पड़ने) की भी बीमारी थी। गंभीर स्थिति में मंगलवार सुबह उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार चल रहा था। काफी प्रयास के बावजूद देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। आज बुधवार को सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। लोहरदगा सदर थाना के एसआई मनोज कुमार ने पंचनामा की प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम की कार्रवाई कराई। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस दौरान झारखंड राज्य दफादार-चौकीदार पंचायत लोहरदगा के जिला अध्यक्ष समसुल अंसारी, उपाध्यक्ष दुर्गा महली सहित मृतक के परिजन अस्पताल में मौजूद रहे। पुलिस ने मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

162 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक परंपरा का साक्षी बनेगा भंडरा का रथ मेला

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

आज निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

लोहरदगाः जिले के भंडरा प्रखंड में गुरुवार को भगवान श्री जगन्नाथ की ऐतिहासिक रथ यात्रा पूरे धार्मिक उल्लास, श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ निकलेगी। लगभग 162 वर्ष पुरानी इस ऐतिहासिक परंपरा को देखने और रथ खींचने के लिए क्षेत्र सहित आसपास के जिलों से हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।रथयात्रा के दौरान भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा की आकर्षक झांकी सुसज्जित रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण करेगी। श्रद्धालु ₹जय जगन्नाथ₹ के जयघोष के बीच रथ की रस्सी खींचकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। मंदिर परिसर, रथ मार्ग एवं मेला स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है तथा सभी धार्मिक अनुष्ठानों की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

रथ मेले के अवसर पर क्षेत्र में विशेष उत्साह का माहौल है। मेले में पूजा-अर्चना के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की दुकानें, झूले एवं खान-पान की व्यवस्था श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए स्थानीय प्रशासन एवं मेला समिति ने व्यापक तैयारियां की हैं।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। रथयात्रा एवं मेले को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए रथ मार्ग, मंदिर परिसर, मेला मैदान तथा प्रमुख चौक-चौराहों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं से शांति, अनुशासन एवं आपसी भाईचारा बनाए रखते हुए रथयात्रा में भाग लेने की अपील की है।भंडरा का ऐतिहासिक रथ मेला केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालु इस पावन अवसर पर भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर रथ खींचने का सौभाग्य प्राप्त करते हैं।

रामगढ़ समाज को प्राप्त हुआ आचार्यश्री का मंगल आशीर्वाद

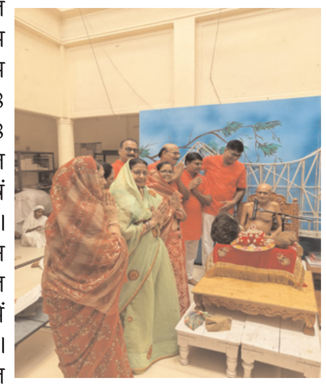

रामगढ़ ।शहर के मेन रोड स्थित दिगंबर जैन मंदिर, रामगढ़ में परम पूज्य आचार्य वसुनंदी जी के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री 108 पुण्यानंद जी एवं मुनिश्री 108 शुभानंद जी (ससंघ) का मंगल प्रवास अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ चल रहा है। मुनिसंघ के सानिध्य में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक क्रियाएं आयोजित हो रही हैं, जिससे समाज में नवचेतना का संचार हो रहा है। इसी से प्रेरित होकर रामगढ़ समाज इस संघ का चातुर्मास कराने को तत्पर है।?इसी संदर्भ में, आज रामगढ़ समाज का एक प्रतिनिधिमंडल सचिव श्री योगेश सेठी के नेतृत्व में कोलकाता में विराजमान पूज्य आचार्य भगवंत वसुनंदी जी के समक्ष जाकर उक्त संघस्थ गुरुदेवों का चातुर्मास करने का निवेदन किया। रामगढ़ समाज की आकांक्षाओं का सम्मान करते हुए आचार्यश्री ने दोनों हाथ उठाकर समाज के सदस्यों को अपना मंगल आशीर्वाद प्रदान किया।कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए समाज के सचिव योगेश सेठी ने बताया कि मुनिसंघ का चातुर्मास कराने को लेकर समस्त रामगढ़ समाज लालायित है और आचार्यश्री के आशीर्वाद के बाद रामगढ़ की पावन धरा पर प्रथम बार किसी मुनिसंघ का चातुर्मास संपन्न होने जा रहा है। यह हम सब के लिए गर्व का विषय है और समाज का प्रत्येक सदस्य इस चातुर्मास को आयोजित करने हेतु अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने हेतु तत्पर है।?प्रतिनिधिमंडल में सचिव के अलावा संजय सेठी, देवेंद्र गंगवाल,सह सचिव विकास रपरिया, जैन महिला समाज की अध्यक्षा अरुणा जैन, ममता गंगवाल, तथा निशा सेठी शामिल थीं।उपरोक्त जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी श्रवण जैन ने दी।

ट्रक मालिकों के हितों से कोई समझौता नहीं, समस्याओं के समाधान के लिए कंपनी प्रबंधन से बनी सहमति : आरिफ हुसैन बब्लू

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगाः पाखर-लोहरदगा ट्रक ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष आरिफ हुसैन बब्लू के नेतृत्व में बुधवार को एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने पाखर माइंस पहुंचकर हिंडालको एवं माइंस प्रबंधन के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में ट्रांसपोर्टिंग व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान सड़क सुरक्षा, चलान की समय-सीमा, किलोमीटर निर्धारण, ट्रिप व्यवस्था, फोर्टनाइट भुगतान, टोकन सिस्टम तथा परिवहन कार्य के दौरान ट्रक मालिकों और चालकों को आने वाली व्यावहारिक समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। बैठक में एसोसिएशन ने कहा कि लंबे समय से लंबित कई समस्याओं के कारण ट्रक मालिकों और चालकों को आर्थिक नुकसान एवं परिचालन संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने की मांग की, ताकि सभी ट्रक मालिकों को समान अवसर और समय पर भुगतान सुनिश्चित हो सके। एसोसिएशन अध्यक्ष आरिफ हुसैन बब्लू ने कहा कि ट्रक मालिकों के हितों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन हमेशा संवाद और आपसी समन्वय के माध्यम से समस्याओं के समाधान में विश्वास रखता है। हमारी प्राथमिकता किसी प्रकार का टकराव नहीं, बल्कि ट्रक मालिकों के हितों की रक्षा करते हुए सुचारु और पारदर्शी परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि कंपनी प्रबंधन ने सभी मांगों को गंभीरता से सुना है और चरणबद्ध तरीके से उनके समाधान का भरोसा दिया है। बैठक में यह भी तय हुआ कि भविष्य में समय-समय पर एसोसिएशन और कंपनी प्रबंधन के बीच समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि उत्पन्न होने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके और परिवहन व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित होती रहे।बैठक में कंपनी की ओर से लॉजिस्टिक हेड अभिषेक कुमार, कॉरपोरेट सेक्टर से पिंटू दास, माइंस मैनेजर संजय सिंह, जितेंद्र कुमार तथा ट्रांसपोर्टर सत्यजीत सिंह उपस्थित रहे। वहीं एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष आरिफ हुसैन बब्लू, सचिव मुस्तफा अंसारी, एहसान कुरैशी, फिरोज अंसारी, शाकिर अंसारी, सरवर आलम पाले, इकरामुल अंसारी, ज़ियाउल अंसारी, मो. आलम, उमर अंसारी, आसिफ अंसारी, मो. सैफ अंसारी सहित बड़ी संख्या में ट्रक मालिक एवं सदस्य मौजूद रहे।

10.850 लीटर अवैध विदेशी शराब एवं 7.80 लीटर अवैध बीयर जब्त, एक अभियुक्त गिरफ्तार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

अवैध शराब के विरुद्ध उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई

रामगढ़। उपायुक्त, रामगढ़ ऋतुराज के निदेर्शानुसार जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं भंडारण के विरुद्ध उत्पाद विभाग द्वारा लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 15 जुलाई 2026 को उत्पाद विभाग, रामगढ़ की टीम द्वारा रजरप्पा थाना अंतर्गत सिकनी गांव में अवैध शराब के विरुद्ध छापामारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान टीम ने कार्रवाई करते हुए करीब 10.850 लीटर अवैध विदेशी शराब एवं 7.80 लीटर अवैध बीयर बरामद कर जब्त किया। कार्रवाई के दौरान अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार प्राथमिकी दर्ज करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

उत्पाद विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील की है कि अवैध शराब से संबंधित किसी भी गतिविधि की सूचना संबंधित विभाग एवं प्रशासन को दें, ताकि ऐसी गतिविधियों पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाया जा सके।

जेएलकेएम रामगढ़ एवं रांची टीम के प्रयास से पीड़ित परिवार को मिली बड़ी राहत

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (JLKM) की रामगढ़ एवं रांची टीम के अथक प्रयास और शांतिपूर्ण वार्ता के परिणामस्वरूप संजीवनी नर्सिंग होम, रांची (सेंटर ऑफ न्यूरो साइंसेज) में इलाजरत रामगढ़ जिला के मांडू प्रखंड अंतर्गत उतरी लइयो निवासी द्वारिका महतो की सुपुत्री एवं दिवाकर पटेल उर्फ निखिल की बहन मनीषा कुमारी के अस्पताल बिल में बड़ी राहत दिलाई गई। अस्पताल द्वारा उपचार के उपरांत कुल ?8,16,660 का बिल बनाया गया था। आर्थिक रूप से परेशान पीड़ित परिवार की स्थिति को देखते हुए JLKM की टीम ने अस्पताल प्रबंधन से शांतिपूर्ण एवं सकारात्मक वार्ता की। वार्ता के पश्चात अस्पताल प्रबंधन ने अंतिम बिल 1,70,000 पर सहमति जताई, जिससे पीड़ित परिवार को लगभग 6.46 लाख की राहत मिली। इस मानवीय पहल से परिवार ने JLKM टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से JLKM के केंद्रीय उपाध्यक्ष रवि कुमार महतो, केंद्रीय महासचिव मार्शल महतो, मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल वरीय उपाध्यक्ष सूरज नारायण महतो, रांची जिला अध्यक्ष गुणा भगत, रांची जिला पूर्व सचिव दीपक महतो, अनगड़ा प्रखंड अध्यक्ष सुधांशु महतो, प्रखंड सचिव जीतवहन महतो, रामगढ़ जिला मीडिया प्रभारी पवन प्रकाश, गोलू सिंह, दिवाकर पटेल, उतरी लइयो पंचायत सचिव प्रशांत कुमार एवं सचिन कुमार महतो सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। खछ्ङ्ट ने कहा कि संगठन हमेशा आम जनता, गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के हित में कार्य करता रहेगा तथा हर संभव मानवीय सहायता के लिए प्रतिबद्ध है।

खिदमते खल्क हाजी कमेटी ने जिला परिषद सदस्य सुखदेव उरांव का किया स्वागत, क्षेत्र के विकास से जुड़े कई मुद्दे उठाए

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

मार्केट कॉम्प्लेक्स निर्माण, लोहरदगा– धुर्वा मोड़ सड़क एवं ओयना टंगरा के सौंदर्यीकरण की रखी मांग

खिदमते खल्क हाजी कमेटी किस्को द्वारा जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उरांव का किस्को प्रखंड दौरे के दौरान बाजार टांड़ के समीप फूल-माला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के विकास, जनसुविधाओं के विस्तार तथा गरीब एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कमेटी के सरपरस्त एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व केंद्रीय सदस्य हाजी शमसुद्दीन अंसारी ने सुखदेव उरांव का स्वागत करते हुए कहा कि किस्को बाजार टांड़ में लगभग 80 दुकानदार वर्षों से अपनी जीविका चला रहे हैं। यदि यहां आधुनिक मार्केट कॉम्प्लेक्स का निर्माण कर संबंधित दुकानदारों को व्यवस्थित रूप से दुकान आवंटित कर दिया जाए तो व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी और बाजार का भी समुचित विकास होगा। उन्होंने किस्को मोड़ से नारी-नवाडीह धुर्वा मोड़ तक सड़क के सौंदर्यीकरण तथा ओयना टंगरा को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की भी मांग रखी। हाजी शमसुद्दीन अंसारी ने कहा कि खिदमते खल्क हाजी कमेटी का गठन समाज के गरीब, लाचार, बेसहारा एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं समाज के लोगों से कमेटी को सहयोग देने की अपील करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास से सामाजिक सेवा के कार्यों को और प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में हाल ही में लोहरदगा जिले की एक गरीब बेटी की शादी के लिए आर्थिक सहयोग भी उपलब्ध कराया गया। उन्होंने समाज में बढ़ रही दहेज प्रथा, शादी-विवाह में होने वाली फिजूलखर्ची और दिखावे पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस्लाम सादगी से निकाह करने की शिक्षा देता है, इसलिए दहेज, अनावश्यक खर्च और दिखावे की परंपरा को समाप्त करने की जरूरत है। उन्होंने लोगों से अपील की कि विवाह समारोह को सादा बनाया जाए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों और गरीब बेटियों की शादी बिना किसी आर्थिक बोझ के सम्मानपूर्वक हो सके। उन्होंने कहा कि यदि समाज इस दिशा में सामूहिक पहल करे तो गरीब परिवारों की बेटियों का घर बसाना आसान होगा और दहेज जैसी सामाजिक कुरीति पर भी प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा।कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उरांव ने कमेटी की सामाजिक एवं जनसेवा की पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाजहित में कार्य करने वाले संगठनों का सहयोग करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने क्षेत्र के विकास से जुड़े प्रस्तावों पर सकारात्मक पहल करने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर हाजी मोहम्मद आलम, हाजी कयामुद्दीन, हाजी यूसुफ, हाजी कलीम अंसारी, हाजी नबीउल हसन सहित कमेटी के अन्य सदस्य एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बिजली चोरी के विरुद्ध कार्रवाई, पांच पर प्राथमिकी दर्ज

96,898 रुपये का लगाया गया जुमार्ना

लोहरदगाः झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) के निर्देश पर बुधवार को लोहरदगा शहर में बिजली चोरी के विरुद्ध विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पांच उपभोक्ताओं को अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए पकड़ा गया। सभी के खिलाफ भारतीय विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 135 एवं 137 के तहत लोहरदगा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया गया है। यह अभियान सहायक विद्युत अभियंता, विद्युत कार्यपालक अभियंता एवं विभागीय कर्मियों की संयुक्त टीम द्वारा चलाया गया। जांच के दौरान कुछ उपभोक्ता मीटर बाईपास कर तो कुछ मुख्य एलटी लाइन में टोका लगाकर बिजली का अवैध उपयोग करते पाए गए। विभाग ने मौके पर बिजली चोरी में प्रयुक्त तारों को जब्त कर काट दिया।छापेमारी के दौरान कॉलेज रोड निवासी खालिद अंसारी पर 25,580, नदिया क्षेत्र निवासी हरिशचन्द्र साहू पर 16,206, बाबा मठ क्षेत्र निवासी सुमित्रा देवी पर 16,206, चेक पोस्ट साइडिंग निवासी विनोद कुमार पर 17,053 तथा अजय प्रसाद पर 17,053 की क्षतिपूर्ति राशि निर्धारित की गई। इस प्रकार कुल 96,898 की क्षतिपूर्ति राशि लगाई गई है।बिजली विभाग ने कहा है कि बिजली चोरी के विरुद्ध विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा। अवैध रूप से बिजली का उपयोग करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ क्षतिपूर्ति राशि की वसूली भी की जाएगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से वैध कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली का उपयोग करने तथा बिजली चोरी से बचने की अपील की है।

नयी दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत टेक्स 2026 का दूसरा दिन

जीआई टैग प्राप्त पारंपरिक हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प उत्पाद झारखंड पवेलियन का आकर्षण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

नयी दिल्ली/रांची। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 14-17 जुलाई तक आयोजित भारत टेक्स 2026 में झारखंड पवेलियन देश-विदेश से आए आगंतुकों, उद्योग प्रतिनिधियों, डिजाइनरों, निर्यातकों एवं खरीदारों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। राज्य की समृद्ध हस्तकरघा परंपरा, जनजातीय कला, जीआई टैग प्राप्त उत्पादों तथा स्थानीय शिल्प कौशल को प्रदर्शित करता यह पवेलियन बड़ी संख्या में आगंतुकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। आगंतुक झारखंड के विशिष्ट हस्तशिल्प एवं हस्तकरघा उत्पादों में गहरी रुचि दिखाते हुए उनकी गुणवत्ता, पारंपरिक निर्माण तकनीक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना कर रहे हैं। जीआई टैग प्राप्त उत्पाद ने झारखंड की पारंपरिक बुनाई और शिल्पकला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के साथ-साथ स्थानीय बुनकरों और कारीगरों के लिए नए बाजार एवं आर्थिक अवसरों के द्वार भी खोले हैं। झारखंड पवेलियन की सबसे बड़ी विशेषता राज्य के हाल ही में जीआई टैग प्राप्त पारंपरिक उत्पादों का प्रदर्शन है। पवेलियन में तसर सिल्क, कुचाई सिल्क, भगैया साड़ी एवं फैब्रिक, दुमका चादर, भोया साड़ी एवं फैब्रिक तथा पांची साड़ी एवं फैब्रिक को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। इन उत्पादों को मिले जीआई टैग ने न केवल झारखंड की पारंपरिक बुनाई और शिल्पकला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है, बल्कि स्थानीय बुनकरों और कारीगरों के लिए नए बाजार एवं आर्थिक अवसरों के द्वार भी खोले हैं। झारखंड पवेलियन में प्रदर्शित जीआई टैग प्राप्त उत्पाद राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक बुनाई कला की विशिष्ट पहचान हैं।

तसर सिल्क –अपनी प्राकृतिक चमक, मजबूती और उत्कृष्ट बनावट के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध है। झारखंड भारत के प्रमुख तसर उत्पादक राज्यों में से एक है और यहां का तसर सिल्क अपनी गुणवत्ता एवं पर्यावरण-अनुकूल उत्पादन प्रक्रिया के कारण विशेष पहचान रखता है।

कुचाई सिल्क –सरायकेला-खरसावां जिले के कुचाई क्षेत्र की विशिष्ट रेशम परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है। इसकी महीन बुनाई, आकर्षक बनावट और प्राकृतिक रंग इसे अन्य रेशमी वस्त्रों से अलग पहचान देते हैं।

भगैया साड़ी –एवं फैब्रिक साहिबगंज जिले के भगैया गांव के कारीगरों द्वारा तैयार की जाती है। प्राकृतिक रंगों, पारंपरिक डिजाइनों और हस्तनिर्मित बुनाई के कारण यह उत्पाद झारखंड की ग्रामीण शिल्प परंपरा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

दुमका चादर -संताल परगना क्षेत्र की पारंपरिक हस्तकरघा कला का प्रतीक है। सूती धागों से बनी यह चादर अपनी मजबूती, आरामदायक बनावट और पारंपरिक बॉर्डर डिजाइनों के लिए जानी जाती है तथा घरेलू उपयोग के साथ-साथ सजावटी वस्तु के रूप में भी लोकप्रिय है।

भोया साड़ी –एवं फैब्रिक अपनी विशिष्ट पारंपरिक बुनाई, आकर्षक रंग संयोजन और जनजातीय कलात्मकता के लिए प्रसिद्ध है। यह उत्पाद झारखंड की सांस्कृतिक विविधता और स्थानीय कारीगरों की उत्कृष्ट शिल्पकला को दशार्ता है। पांची साड़ी एवं फैब्रिक झारखंड की पारंपरिक आदिवासी संस्कृति से प्रेरित है। इसकी पहचान आकर्षक ज्यामितीय आकृतियों, पारंपरिक डिजाइनों और हस्तनिर्मित बुनाई से होती है। यह स्थानीय शिल्प कौशल और सांस्कृतिक विरासत का सशक्त प्रतीक है।

इन सभी जीआई टैग प्राप्त उत्पादों को भारत टेक्स 2026 में देश-विदेश से आए खरीदारों, फैशन डिजाइनरों, निर्यातकों और उद्योग प्रतिनिधियों द्वारा विशेष सराहना मिल रही है।

झारखंड में अवैध अफीम पर ब्रेक की कवायद, दो सालों में करोड़ों का नुकसान उठा चुके हैं तस्कर, मास्टरप्लान तैयार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड पुलिस द्वारा अवैध अफीम की खेती के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में लगातार सफलता हासिल हो रही है. साल 2024 से लेकर 2026 तक 65,000 एकड़ से ज्यादा में लगी अफीम की फसल नष्ट की गई थी. अब नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और सीआईडी की टीम आने वाले नए अफीम वर्ष में किसी भी तरह से अफीम की खेती ना हो, इसके लिए मास्टर प्लान पर काम कर रहे हैं.

अफीम की खेती रोकने को लेकर मास्टर प्लान लागू

झारखंड में अफीम की खेती रोकने के लिए सीआईडी की तरफ से एक्शन प्लान तैयार किया गया है. इसके तहत अफीम प्रभावित जिलों में प्री कल्टीवेशन अभियान को लॉन्च किया गया है. इसके अंतर्गत जिन इलाकों में अफीम की खेती पूर्व में की जाती थी और जिन खेतों में लगे अफीम की फसल को नष्ट किया गया था, वैसे तमाम जगहों का सत्यापन किया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन क्षेत्रों में अफीम की खेती के लिए कोई तैयारी नहीं की जा रही है. सीआईडी के पत्र के अनुसार, रांची, खूंटी, हजारीबाग, चतरा, पलामू, लातेहार और पश्चिम सिंहभूम, चाईबासा के साथ-साथ सरायकेला खरसावां जिले को इस अभियान में शामिल किया गया है. सीआईडी के पत्र में यह बताया गया है कि अभियान के दौरान पिछले वर्ष अफीम की खेती के खिलाफ दर्ज केसों की समीक्षा करना है, साथ ही साथ वांटेड आरोपियों की गिरफ्तारी भी सुनिश्चित करना है. अफीम कांड में फरार व्यक्तियों के खिलाफ कुर्की-जब्ती की कार्रवाई को भी सुनिश्चित करना है. पत्र में प्रभावित जिलों के एसपी को अपने-अपने क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाने का भी निर्देश दिया गया है. इस दौरान विशेष रूप से यह प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया गया है कि अवैध रूप से अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. नशे के तस्करों, खासकर अफीम तस्करों के खिलाफ जोरदार कार्रवाई के लिए हाल में ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी महत्वपूर्ण बैठक दिल्ली में की थी.

चाय दुकान में ई-सिगरेट और हुक्का फ्लेवर की बिक्री, स्वास्थ्य विभाग ने छापेमारी कर लगाया जुर्माना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी में चाय की दुकानों पर ई-सिगरेट, हुक्का फ्लेवर सहित विदेशी सिगरेट की बिक्री की जा रही है. मंगलवार रात मामले में कार्रवाई करते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भारी मात्रा में ई-सिगरेट और अन्य नशे के समान बरामद किए हैं.

एसडीओ के आदेश पर कार्रवाई

रांची सदर एसडीओ के निर्देश पर जिला स्वास्थ्य समिति की टीम ने अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री के खिलाफ मंगलवार की रात विशेष अभियान चलाया. छापेमारी के दौरान छह से अधिक दुकानों की जांच की गई, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट (ई-सिगरेट), हुक्का फ्लेवर सहित अन्य प्रतिबंधित एवं नशीले पदार्थ जब्त किए गए. जांच के दौरान टीम ने पाया कि कुछ दुकानों में पैकेटबंद सिगरेट के साथ खाद्य सामग्री भी बेची जा रही थी, जो निर्धारित नियमों का उल्लंघन है. ऐसे दुकानदारों पर कार्रवाई करते हुए सभी पर जुमार्ना भी लगाया गया. स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अपर बाजार क्षेत्र में अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री की लगातार शिकायतें मिल रही थी. शिकायतों के आधार पर एसडीओ ने छापेमारी के निर्देश दिए, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई. अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा. दुकानदारों के विरुद्ध कानूनी प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किया रेड

मंगलवार की रात हुई रेड में मेडिकल ऑफिसर डॉ तबा रिजवी, खाद सुरक्षा पदाधिकारी डॉ चंद्रशेखर सिंह, डीपीएम सदर हॉस्पिटल रांची प्रवीण कुमार सिंह, तंबाकु कन्ट्रोल सेल के सुशांत कुमार सहित कोतवाली पुलिस के अधिकारी भी मौजूद थे. मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर तबा रिजवी ने बताया कि प्रतिबंधित एवं नशीले पदार्थों को लेकर बड़ी कार्रवाई की जा रही है. अपर बाजार के कई चाय दुकानदार इस तरह के कृत्य में शामिल थे. सभी के प्रतिबंधित एवं नशीले समान जब्त करते हुए जुमार्ना लगाया गया है.

राजमहल सांसद विजय हांसदा ने सुप्रिया मुर्मू संग रचाई शादी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के राजमहल लोकसभा क्षेत्र से सांसद विजय हांसदा बुधवार को विवाह बंधन में बंध गए. उनका विवाह सुप्रिया मुर्मू के साथ रांची के बहुबाजार स्थित संत पॉल कैथेड्रल चर्च में ईसाई रीति-रिवाज से संपन्न हुआ. विवाह समारोह में दोनों परिवारों के सदस्य, करीबी रिश्तेदार, मित्र और बड़ी संख्या में साहिबगंज एवं पाकुड़ से पहुंचे समर्थक और कार्यकर्ता मौजूद रहे. पारंपरिक आदिवासी नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को उत्सवी माहौल में बदल दिया. समारोह में राज्य सरकार की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, जेएमएम विधायक मथुरा महतो सहित कई जनप्रतिनिधियों ने नवदंपती को शुभकामनाएं दीं. वहीं, बुधवार शाम रांची के बीएनआर चाणक्य होटल में आयोजित स्वागत समारोह (रिसेप्शन) में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन समेत राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियों के शामिल होने की संभावना है. विवाह से पूर्व मंगलवार को बीएनआर चाणक्य होटल में हल्दी एवं अन्य पारंपरिक वैवाहिक रस्में संपन्न हुई थीं, जिनमें दोनों परिवारों के सदस्य और करीबी लोग शामिल हुए. यह सांसद विजय हांसदा का दूसरा विवाह है. उनकी पहली पत्नी का वर्ष 2025 में लंबी बीमारी के बाद दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया था. सुप्रिया मुर्मू इंजीनियरिंग स्नातक हैं. उनका पैतृक गांव पाकुड़ जिले का कचआ है, जबकि उनका पालन-पोषण और शिक्षा हजारीबाग में हुई. उनके पिता भवेश मुर्मू बैंक अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं.

रिम्स में एमबीबीएस की 250 सीटों को एनएमसी की मंजूरी, राज्य में डॉक्टरों की कमी दूर करने की दिशा में बड़ा कदम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड के मेडिकल शिक्षा क्षेत्र के लिए बड़ी खुशखबरी है. राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान, रांची में एमबीबीएस की सीटों की संख्या 180 से बढ़ाकर 250 करने के प्रस्ताव को नेशनल मेडिकल कमिशन यानी एनएमसी ने मंजूरी दे दी है. इसके साथ ही चालू शैक्षणिक सत्र से रिम्स में 250 विद्यार्थियों का दाखिला लिया जाएगा. इस फैसले से राज्य के छात्रों को मेडिकल शिक्षा के अधिक अवसर मिलेंगे.

लगातार प्रयासों के बाद मिली मंजूरी

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने सीटें बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार और एनएमसी के समक्ष आवश्यक प्रस्ताव, अनुपालन रिपोर्ट और अन्य जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत किए थे. विभागीय स्तर पर बढ़ी हुई सीटों के अनुरूप फैकल्टी, हॉस्टल, क्लासरूम, प्रयोगशालाओं और अन्य आधारभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की गई. इसी प्रक्रिया के तहत पहले एमजीएम मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर में एमबीबीएस सीटें 100 से बढ़ाकर 150 की गई और अब रिम्स में सीटों की संख्या 250 कर दी गई है.

स्वास्थ्य क्षेत्र में नई क्रांति की शुरूआत- मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने इसे झारखंड के स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया. उन्होंने कहा कि सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने और चिकित्सा शिक्षा का विस्तार करने की दिशा में लगातार काम कर रही है. उनके मुताबिक रिम्स की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए तेजी से कदम उठाए गए हैं और आने वाले समय में संस्थान नए स्वरूप में नजर आएगा.

सरकार का फोकस गुणवत्ता और संसाधनों पर

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि सरकार का उद्देश्य झारखंड के विद्यार्थियों को राज्य में ही गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराना है. उन्होंने कहा कि सीटों में वृद्धि के साथ-साथ राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी, आधुनिक उपकरण, प्रयोगशालाएं और छात्रावास जैसी सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है. उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में राज्य के अन्य मेडिकल कॉलेजों में भी एमबीबीएस और पीजी सीटें बढ़ाई जाएंगी. रिम्स के प्रभारी निदेशक डॉ. डीके सिन्हा ने एनएमसी की मंजूरी को संस्थान और पूरे झारखंड के लिए गर्व का विषय बताया. उन्होंने कहा कि यह राज्य सरकार, स्वास्थ्य विभाग और रिम्स प्रशासन के समन्वित प्रयासों का परिणाम है.

रिम्स में बढ़ी कैंसर इलाज की क्षमता, एक साल में 495 जटिल कैंसर सर्जरी सफल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) का सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग अब कई तरह के जटिल कैंसर का इलाज और सर्जरी नियमित रूप से कर रहा है. विभाग का कहना है कि विशेषज्ञ डॉक्टरों और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की बदौलत रिम्स पूर्वी भारत में कैंसर उपचार के एक प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है. विभाग के अनुसार, रिम्स में सिर एवं गर्दन, फेफड़े एवं वक्ष (थोरेसिक), लिवर एवं पित्त नली (हेपेटोबिलियरी), गैस्ट्रो, स्त्री रोग, स्तन और यूरो-ऑन्कोलॉजी से जुड़े जटिल कैंसर की सर्जरी नियमित रूप से की जा रही है. पिछले एक वर्ष के दौरान रिम्स में कुल 495 जटिल कैंसर सर्जरी सफलतापूर्वक की गई हैं. इनमें सिर और गर्दन के कैंसर की 180 सर्जरी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर की 87, हेपेटोबिलियरी कैंसर की 33, स्त्री रोग संबंधी कैंसर की 102, स्तन कैंसर की 66 और यूरो-ऑन्कोलॉजिकल कैंसर की 27 सर्जरी शामिल हैं. सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग का कहना है कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम, आधुनिक तकनीक और समर्पित टीमवर्क की मदद से मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है. इसी कारण रिम्स कैंसर उपचार के क्षेत्र में लगातार अपनी सेवाओं का विस्तार कर रहा है और पूर्वी भारत के प्रमुख कैंसर उपचार केंद्रों में अपनी पहचान मजबूत बना रहा है.

17 जुलाई को पिस्का और मुरी रेलवे स्टेशन का होगा उद्घाटन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

डीआरएम ने सीएम को उद्घाटन समारोह में शामिल होने का दिया निमंत्रण

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को झारखंड मंत्रालय में दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची मंडल के डीआरएम के.एन. सिंह ने मुलाकात की. इस दौरान डीआरएम ने मुख्यमंत्री को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित मुरी और पिस्का रेलवे स्टेशन के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक आमंत्रण पत्र सौंपा. बताया गया कि पुनर्विकसित दोनों रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन 17 जुलाई 2026 को किया जाएगा. इस अवसर पर रेलवे अधिकारियों ने परियोजना से जुड़ी तैयारियों की भी जानकारी मुख्यमंत्री को दी.

रांची। रांची रेल मंडल के पिस्का और मुरी रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के बाद अब इन दोनों स्टेशनों के लोकार्पण की तैयारियां अंतिम चरण में है. दोनों स्टेशनों का उद्घाटन 17 जुलाई को प्रस्तावित है. रेलवे प्रशासन ने इस अवसर को यादगार बनाने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं.

ऑनलाइन जुड़ेंगे पीएम मोदी

उद्घाटन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे. इधर, मुख्यमंत्री और राज्यपाल को भी आमंत्रित किया गया है. दोनों स्टेशनों पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्कूली बच्चों और आम लोगों की भागीदारी के साथ कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है. अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए गए पिस्का और मुरी रेलवे स्टेशन अब आधुनिक सुविधाओं से लैस हो गया है. यात्रियों को बेहतर अनुभव देने के लिए स्टेशन भवन का नया स्वरूप तैयार किया गया है. स्टेशन परिसर में आधुनिक प्रतीक्षालय, पेयजल, स्वच्छ शौचालय, दिव्यांग यात्रियों के लिए अनुकूल सुविधाएं, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, आकर्षक प्रवेश द्वार, यात्री सूचना प्रणाली और अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित की गई हैं. रेलवे का कहना है कि इन स्टेशनों के विकसित होने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को भी सीधा लाभ मिलेगा. रांची रेल मंडल ने उद्घाटन समारोह को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं. स्टेशन परिसर की साफ-सफाई, रंग-रोगन, सजावट और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं.

17 जुलाई को दोनों स्टेशनों का होगा लोकार्पणः डीसीएम

इस संबंध में रांची रेल मंडल की डीसीएम श्रेया सिंह ने बताया कि 17 जुलाई को पिस्का और मुरी रेलवे स्टेशन का लोकार्पण प्रस्तावित है. उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं. दोनों स्टेशनों को आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है. कार्यक्रम में मुख्यमंत्री और राज्यपाल को भी आमंत्रित किया गया है. हमारा प्रयास है कि यह समारोह स्थानीय लोगों के लिए भी यादगार बने और यात्रियों को बेहतर सुविधाओं का लाभ मिले. रेलवे अधिकारियों का मानना है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित ये स्टेशन क्षेत्र के रेल बुनियादी ढांचे को नई पहचान देंगे. आधुनिक सुविधाओं से यात्रियों की यात्रा अधिक सुविधाजनक होगी. वहीं स्थानीय विकास और कनेक्टिविटी को भी नई गति मिलेगी.

बुंडू नगर पंचायत में अव्यवस्था के खिलाफ 18 जुलाई को घेराव, पहले सौंपा ज्ञापन

18 जुलाई के आंदोलन में निष्पक्षता के लिए दंडाधिकारी व वीडियोग्राफी की मांग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बुंडू। पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष प्रत्याशी एवं आजसू नेता राजकिशोर कुशवाहा ने नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड राज्य मानवाधिकार आयोग, उपायुक्त, एसएसपी समेत अन्य अधिकारियों को ज्ञापन भेजकर बुंडू नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी पर शासकीय शक्तियों के दुरुपयोग, जनसमस्याओं की अनदेखी तथा आंदोलनकारियों को फर्जी मुकदमों में फंसाने की कथित साजिश की उच्चस्तरीय विभागीय जांच की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि नगर क्षेत्र में पिछले 15झ20 दिनों से जलापूर्ति ठप है, करीब एक वर्ष से डोर-टू-डोर कचरा उठाव बंद है तथा खराब स्ट्रीट लाइटों के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। इन समस्याओं को लेकर 18 जुलाई को नगर पंचायत कार्यालय के समक्ष शांतिपूर्ण घेराव का कार्यक्रम तय है। आरोप लगाया गया है कि जनप्रतिनिधियों के शिष्टमंडल से मिलने के बजाय कार्यपालक पदाधिकारी ने भ्रामक जानकारी देकर कार्यालय छोड़ दिया। साथ ही वर्ष 2023 में आंदोलनकारियों पर दर्ज मामले का उल्लेख करते हुए इस बार भी फर्जी मुकदमे की आशंका जताई गई है। ज्ञापन में 18 जुलाई के आंदोलन के दौरान स्वतंत्र दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति, संपूर्ण वीडियोग्राफी, निष्पक्ष जांच के बिना किसी एफआईआर पर कार्रवाई नहीं करने तथा आंदोलन में शामिल नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

रांची में जल्द दौड़ेंगी छोटी इलेक्ट्रिक बसें, जर्जर सिटी बसों की जगह मिलेगी आधुनिक सुविधा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है. शहर की सड़कों की चौड़ाई, संकरे मार्ग और व्यस्त टर्निंग प्वाइंट को ध्यान में रखते हुए रांची नगर निगम और नगर विकास विभाग ने छोटी इलेक्ट्रिक बसों के परिचालन की दिशा में तैयारी शुरू कर दी है. दोनों विभाग के बीच हुई मंथन बैठक में इस प्रस्ताव पर सहमति बनी है. योजना का उद्देश्य शहर में यातायात को सुगम बनाना, प्रदूषण कम करना और लोगों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराना है. नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने बताया कि रांची के कई मुख्य और संपर्क सड़कों पर बड़ी बसों के संचालन में परेशानी आती है. कई स्थानों पर सड़कें संकरी हैं और मोड़ छोटे होने के कारण ट्रैफिक जाम की स्थिति बन जाती है. ऐसे में छोटी इलेक्ट्रिक बसें इन मार्गों पर आसानी से संचालित हो सकेंगी. उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों के परिचालन से वायु और ध्वनि प्रदूषण में कमी आएगी. साथ ही यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और किफायती यात्रा का विकल्प मिलेगा.

निगम में ढाई दर्जन सिटी बसों का हो रहा है संचालन

वर्तमान में रांची नगर निगम करीब ढाई दर्जन सिटी बसों का संचालन कर रहा है. हालांकि इनमें से कई बसें काफी पुरानी और जर्जर हो चुकी हैं. बसों के रखरखाव को लेकर लगातार शिकायतें सामने आती रही हैं. कई बसों में तकनीकी खराबी, सीटों की जर्जर स्थिति, साफ-सफाई की कमी और बीच रास्ते में खराब हो जाने जैसी समस्याओं से यात्रियों को रोजाना जूझना पड़ता है. बढ़ती आबादी और शहर के विस्तार को देखते हुए मौजूदा बसों की संख्या भी पर्याप्त नहीं मानी जा रही है. बसों की मांग को ध्यान में रखते हुए नगर विकास विभाग ने रांची नगर निगम को छोटी इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की दिशा में आगे बढ़ने का निर्देश दिया है. फिलहाल बसों के संभावित रूट, चार्जिंग स्टेशन की व्यवस्था, डिपो और टेंडर प्रक्रिया को अंतिम रूप देने की तैयारी चल रही है. शहर की जरूरत के अनुसार ऐसे रूट चिन्हित किए जा रहे हैं, जहां बड़ी बसों का संचालन कठिन है, लेकिन छोटी ई-बसें आसानी से चल सकेंगी.

सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था होगी मजबूत

नगर निगम का मानना है कि नई इलेक्ट्रिक बसों के शामिल होने से न केवल सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि जर्जर सिटी बसों पर निर्भरता भी कम होगी. इससे यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी, ट्रैफिक का दबाव घटेगा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित होगा. आने वाले समय में रांची की सड़कों पर आधुनिक, प्रदूषण मुक्त और सुविधाजनक इलेक्ट्रिक बसें लोगों के सफर को अधिक आसान और सुरक्षित बनाएंगी.

जर्जर सड़क और टूटी मेड़ से परेशान ग्रामीण, बीडीओ से जल्द कार्रवाई की मांग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तमाड़ः बुधवार को तमाड़ प्रखंड के विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकताओं ने प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) अनिल कुमार मिंज को दो सूत्री मांगपत्र सौंपकर रायडीह चौक से ब्लॉक मोड़ तक जर्जर सड़क की मरम्मत तथा तमाड़ बड़ा तालाब (राजा बांध) के टूटे मेड़ पर आरसीसी पुलिया निर्माण की मांग की। मांगपत्र में बताया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-33 स्थित रायडीह चौक से प्रखंड मुख्यालय तक जाने वाले मार्ग पर कई स्थानों पर पीसीसी सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन जाने तथा बरसात के दौरान जलजमाव होने से राहगीरों और वाहन चालकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी मार्ग पर प्रखंड एवं अंचल कार्यालय, थाना, वन विभाग कार्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (तमाड़ अस्पताल), कई विद्यालय, तमाड़ बाजार सहित विभिन्न सरकारी एवं सार्वजनिक संस्थान स्थित हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है। कार्यकर्ताओं ने यह भी बताया कि वर्ष 2025 में हुई भारी बारिश के कारण तमाड़ बड़ा तालाब (राजा बांध) का मेड़ टूट गया था। फिलहाल मिट्टी भरकर अस्थायी रूप से आवागमन जारी है, लेकिन बरसात के मौसम में दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ऐसे में वहां शीघ्र आरसीसी पुलिया का निर्माण कराया जाना आवश्यक है, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। मांगपत्र सौंपने के बाद कार्यकर्ताओं ने बीडीओ से दोनों मांगों पर अविलंब कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं की गई तो जनहित में आंदोलन एवं धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता जगदीश गुप्ता, लक्ष्मण सिंह मुण्डा, महावीर सोनी, युवराज सिंह, भारती कुमारी, काजल देवी, तुलसी मुण्डा सहित कई राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

17 से 19 जुलाई तक गुवाहाटी के कॉटन विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में साहिबगंज कॉलेज का होगा प्रतिनिधित्व

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। गुवाहाटी स्थित कॉटन विश्वविद्यालय में 17 से 19 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी में साहिबगंज कॉलेज का प्रतिनिधित्व प्रो. कमल कुमार महावर एवं डॉ. दिनेश कुमार यादव करेंगे। यह प्रतिष्ठित संगोष्ठी भारतीय इतिहास संकलन समिति, असम के तत्वावधान में कॉटन विश्वविद्यालय, नॉर्थ लखीमपुर विश्वविद्यालय तथा नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी के संयुक्त सहयोग से आयोजित की जा रही है।

संगोष्ठी का मुख्य विषय ₹परंपरा से परिवर्तन की ओरः आधुनिक शासन व्यवस्था में भारतीय इतिहास एवं भारतीय ज्ञान परंपरा का समन्वय₹ रखा गया है। इसका उद्देश्य वैश्वीकरण और तीव्र तकनीकी विकास के दौर में भारतीय सांस्कृतिक विरासत, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप आधुनिक शासन व्यवस्था एवं सामाजिक जीवन में इनके समन्वय पर गंभीर विमर्श करना है।
इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के एकेडमिक काउंसलर (साहिबगंज कॉलेज अध्ययन केंद्र) एवं इतिहास संकलन समिति, झारखंड प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो. कमल कुमार महावर तथा साहिबगंज कॉलेज के इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. दिनेश कुमार यादव भाग लेंगे। प्रो. महावर ने बताया कि वे 15 जुलाई की रात्रि को गुवाहाटी के लिए रवाना होंगे और संगोष्ठी में ₹पर्यावरण संरक्षण₹ विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि शोध प्रस्तुति के उपरांत उसके निष्कर्षों एवं विस्तृत जानकारी को साझा किया जाएगा। प्रो. महावर का शैक्षणिक एवं शोध क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान रहा है। वे अब तक देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में लगभग 20 शोध पत्र प्रस्तुत कर चुके हैं तथा 30 वर्षों से अधिक समय से इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस से जुड़े हुए हैं। वर्तमान में वे इतिहास संकलन समिति, झारखंड प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं और अनेक राष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध पत्र प्रस्तुत कर अपनी अकादमिक पहचान स्थापित कर चुके हैं। साहिबगंज कॉलेज के शिक्षकों की इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी को जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

घर में घुसकर नाबालिग बेटियों से मारपीट का आरोप, पीड़िता ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

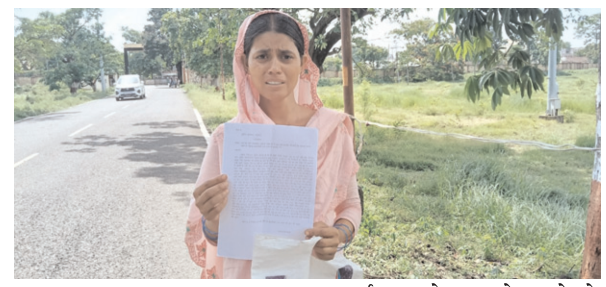

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

थाने में कार्रवाई नहीं होने पर पीड़िता ने एसपी को सौंपा आवेदन

साहिबगंज। मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटी कोदरजन्ना निवासी पीड़िता महिला बीबी सिटी खातून पति मो. तौसीफ ने घर में अकेली मौजूद नाबालिग पुत्री के साथ मारपीट किए जाने के मामले में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह को लिखित आवेदन देते हुए दोषी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। जहां दिए गए आवेदन पत्र में पीड़िता महिला ने जिक्र किया है कि बीते दिनों 10 जुलाई 26 को जब वो अपने दो नाबालिग पुत्रियों को घर पर अकेला छोड़कर बहियार से घास लाने के लिए गई हुई थी तो उसी समय गांव के ही 3 लोगों ने उसके घर में घुसकर उसकी दोनों नाबालिग बेटियों के साथ बुरी तरह से मारपीट किया। वही पीड़िता महिला ने बताया कि इस मारपीट मामले को लेकर मुफस्सिल थाना एवं महिला थाना में भी आरोपियों के खिलाफ लिखित आवेदन दिया गया है मगर अब तक कोई भी कार्यवाही पुलिस के द्वारा नहीं की गई है। जहां पीड़िता महिला ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देते हुए दोषी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की गुहार लगाई है।

उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय गड़ल्ली में गुरु गोष्ठी का हुआ आयोजित

उधवा/साहिबगंज। उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय गड़ल्ली में बुधवार को बीईओ रोबिन मंडल की अध्यक्षता में सभी सचिवों की गुरु गोष्ठी आयोजित की गई। इस दौरान बीईओ रोबिन मंडल ने उपस्थित सभी सचिवों के साथ मासिक समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी हाल में मध्याह्न भोजन बंद नहीं होना चाहिए। उन्होंने बैठक में छात्र-छात्राओं व शिक्षकों की उपस्थिति,लेशन प्लान फॉर ऑल टीचर,अपार आईडी,टेस्ट बुक डिस्ट्रीब्यूशन, रेल एसए-1 व एसए-2, विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन,उल्लास एप पर नवसाक्षर डाटा एंट्री,एमडीएम अद्यतन स्थिति एवं मासिक उपयोगिता,एमडीएम एसएमएस तिथि भोजन आदि की बारी-बारी से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मौके पर बीपीओ अटल बिहारी भगत,बीआरपी मोहनलाल साहा,इंतखाब आलम,सीआरपी बाबूलाल मंडल,अशोक पाल,शिक्षक मो. साईम शेख, जिब्राईल अली, मनोवर हुसैन सहित अन्य मौजूद थे।

उधवा के दियारा क्षेत्रों में कच्ची सड़कों में घुसा वर्षा का पानी,राहगीरों को आवागमन करने में काफी परेशानियों का सामना

उधवा/साहिबगंज। उधवा प्रखंड क्षेत्र के दियारा में कच्ची सड़कों में घुसा वर्षा का पानी । इससे स्थानीय लोगों व राहगीरों को आवागमन करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रखंड के उत्तर पलासगाछी पंचायत अंतर्गत बरकत मोड़ से मध्य विद्यालय पातू टोला के बीच मुख्य सड़क जलमग्न हो गया है.इसके अलावा पंचायत के सीमा शुरू क्षेत्र मध्य विद्यालय पलासगाछी से हाजी खुशरुद्दीन टोला से पातू टोला मध्य विद्यालय तक कच्ची सड़क पर बारिश की पानी से जर्जर व कीचड़मय हो गया है।दरअसल यहां हल्की बारिश होते ही पानी जमा हो जाता है।इससे आवागमन करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।लोगों को पैदल यात्रा करना काफी मुश्किल हो गया है.छात्रों को विद्यालय आने - जाने एवं अन्य लोगों को रोजमर्रा कार्य के लिए आवागमन करने में काफी दिक्कत हो रही है.दरअसल पातू टोला मध्य विद्यालय से बरकत मोड़ तक मुख्य सड़क किनारे जल निकासी के लिए नाला नहीं होने से घरों का बहता पानी एवं बारिश का पानी सड़क पर जम जाता है।स्थानीय ग्रामीण ग्राम पंचायत उत्तर पलाशगाछी पातु टोला में कम से कम 3 किलो मीटर है।ग्रामीण मोबारक शेख,मो आसराफ अली, मेरजुल हक,रफीक शेख,बरकत शेख,मोफाजुल शेख,हुकमत शेख,सुलतान शेख,साबिर अहमद,जियाउल शेख सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि जब भी हल्की बारिश होती है तो यहां पानी जमा हो जाती है।यहां पर्याप्त जलनिकासी नहीं होने से कई दिनों तक पानी जमा रहता है.इससे लोगों को काफी पैदल यात्रा परेशानियों का सामना करना पड़ता है।साथ ही छोटे बच्चों को विद्यालय आने - जाने में दिक्कतें आती है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से स्थाई समाधान की मांग किया है।

जेएलकेएम की जिलास्तरीय बैठक संपन्न, बूथ स्तर तक संगठन विस्तार पर जोर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। शहर के कॉलेज रोड स्थित मछुआ सोसाइटी परिसर में बुधवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) की जिलास्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अर्जुन महतो ने की। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, सदस्यता अभियान में तेजी लाने तथा आगामी जिला सम्मेलन की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अर्जुन महतो ने केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें दोबारा मिली जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी का संगठन प्रखंड, पंचायत और बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा तथा अधिक से अधिक युवाओं और आम लोगों को संगठन से जोड़ने का अभियान चलाया जाएगा।उन्होंने कहा कि जेएलकेएम वर्ष 2029 के विधानसभा चुनाव की तैयारी अभी से शुरू कर रही है और साहिबगंज जिले की दो से तीन विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने की रणनीति पर कार्य किया जा रहा है।बैठक में जिला उपाध्यक्ष भोला महतो, विपिन कुमार मंडल, रविंद्र प्रसाद साह, प्रीतम कुमार पीयूष, प्रकाश कुमार महतो, जियाउल हक, मो. अब्दुल कय्यूम, जीतू दास, जिला सचिव सूदन रविदास सहित पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

तीनपहाड़ क्षेत्र में लगातार हो रहे बारिश से खेतों में भरा पानी, किसान खेती करने में हुए व्यस्त

शशि कांत यादव

तीनपहाड़/साहिबगंज।
तीनपहाड़ क्षेत्र में लगातार हो रही तेज बारिश से किसानों की उदासी दूर हो गई है और अच्छी फसल की उम्मीद से अन्नदाताओं में खुशी की लहर दौर गई है। बीते कई दिनों से क्षेत्र में रुक रुक कर हो रही लगातार वर्षा ने अब तेज बारिश का रूप ले लिया है। ऐसी बारिश होने से तीनपहाड़ एवं आसपास के गांव के किसानों के चेहरे खिले हुए है। बारिश का पानी खेतों में भर गए हैं, खेतों में पानी जमा होते ही धान की रोपाई के कार्य ने रफ्तार पकड़ ली है।सूत्रों के मुताबिक कुछ किसान पटवन करके भी धान रोपनी का काम किए हैं। इस साल वर्षा के उम्दा आगमन से किसानों सहित आम आदमी ने राहत की सांस ली है। मिली जानकारी के

अनुसार अधिकतर किसान 25 जून के बाद से ही अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे थे। लेकिन देर आए दुरुस्त आए वाली कहावत इस साल की वर्षा ऋतु पर सटीक बैठती नजर आ रही है। जिस वजह से किसानों के चेहरे पर रौनक एक बार फिर लौट आई है। किसानों ने धान रोपाई के लिए खेतों को तैयार कर दिया है। कुछ किसान बारिश में ही खेतों को तैयार करने उतर गए है। मौसम विशेषज्ञों की माने तो आने वाले दिनों में और भी अच्छी खासी वर्षा होने की उम्मीद है। इसी तरह मौसम बना रहा तो एक से दो सप्ताह में करीब 70 प्रतिशत क्षेत्र में धान रोपाई का कार्य पूरा हो जाएगा। वहीं अच्छी बारिश से क्षेत्र के तापमान में भी काफी गिरवाट आई है। और मौसम खुशनुमा हो चुका है।

क्या कहते हैं क्षेत्र के अन्नदाता :

किसान राजेंद्र भारती, सनोज यादव, अनिल मंडल,मदन यादव का कहना है कि भगवान ने हमलोगों की सुन ली और पिछले कुछ दिनों से अच्छी बारिश हो रही है। हम किसान भाइयों के लिए ये बारिश जीवनदान जैसा अनुभव हो रहा है। अब धान की रोपनी का काम प्रारंभ हो जाएगा। कहा कि इस समय की बारिश धान की खेती के लिए अतिउत्तम है। ये वर्षा धान रोपाई के लिए संजीवनी का काम करेगी।

क्या कहते है तीनपहाड़ के खाद दुकानदार:

इस बाबत तीनपहाड़ के खाद दुकानदार मो आतिफ अंसारी उर्फ राजा ने बताया कि क्षेत्र में इन दिनों अच्छी वर्षा हो रही है, जिस वजह से धान रोपाई के लिए किसान खाद की खरीदारी करने हमारी दुकान आने लगे है। अगर इसी तरह वर्षा हुई तो आने वाले दिनों में धान रोपाई के कार्य में और भी तेजी दिखनी शुरू हो जाएगी।

नाली निर्माण में क्षतिग्रस्त हुई पेयजल पाइपलाइन, जलापूर्ति प्रभावित

सिंदरी/ धनबाद। सिंदरी के लायंस स्कूल एवं डी ए वी जूनियर स्कूल के समीप आर एम के/4 मोड पर नली निर्माण कार्य के दौरान पेय जल आपूर्ति की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से प्रतिदिन हजारों लीटर शुद्ध पेयजल सड़क पर बह रहा है, जिससे एक ओर पानी की बबार्दी हो रही है ,तो दूसरी ओर क्षेत्र के लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतिदिन सुबह केवल 1 घंटे ही पानी की आपूर्ति होती है ।ऐसे में पाइपलाइन टूटने और कम दबाव के कारण लोगों को पर्याप्त पेयजल नहीं मिल पा रहा है, जिससे दैनिक कार्यों में परेशानी हो रही है। वहीं सड़क पर लगातार पानी बहने से डीएवी जूनियर स्कूल और लायंस स्कूल आने-जाने वाले स्कूली बच्चों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जल भराव के कारण बच्चों को दूसरे मार्गो से स्कूल जाना पड़ रहा है। लोगों का आरोप है की नाली निर्माण के दौरान जेसीबी मशीन से खुदाई किए जाने के कारण पेयजल पाइप बार-बार क्षतिग्रस्त हो रही है ।उनका कहना है की पाइपलाइन के आसपास मशीन की बजाय मैनुअल तरीके से खुदाई की जानी चाहिए थी ताकि जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित न होती। स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग और अधिकारियों से क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की शीघ्र मरम्मत करवाने तथा शुद्ध पेयजल की हो रही बबार्दी को रोकने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते मरम्मत नहीं होने से एक ओर हजारों लीटर पेयजल बर्बाद हो रहा है, वहीं दूसरी ओर क्षेत्र के लोगों को पानी की किल्लत झेलनी पड़ रही है। लोगों ने जल की बबार्दी रोकने और नियमित जलापूर्ति बहाल करने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

इंटर कॉलेज बंजार में नवप्रवेशी छात्रों का हुआ भव्य स्वागत, अनुशासन, नियमित अध्ययन और स्काउट-गाइड से जुड़ने का दिया संदेश

फर्स्ट ईयर वेलकम कार्यक्रम में शिक्षकों ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए किया प्रेरित, व्यक्तित्व विकास पर दिया विशेष जोर

लोहरदगाः किस्को प्रखंड स्थित इंटर कॉलेज बंजार में बुधवार को प्रथम वर्ष के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत के लिए भव्य वेलकम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों एवं शिक्षकों के स्वागत के साथ हुई। इस दौरान कॉलेज परिवार ने नए विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्हें महाविद्यालय की शैक्षणिक परंपराओं, अनुशासन एवं अध्ययन के वातावरण से परिचित कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक ओबैदुल्लाह परवेज ने कहा कि इंटरमीडिएट का समय विद्यार्थियों के भविष्य की मजबूत

नींव तैयार करता है। यदि छात्र-छात्राएं नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित होकर मन लगाकर पढ़ाई करें और अनुशासन का पालन करें तो वे न केवल परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करेंगे, बल्कि अपने जीवन में भी सफलता हासिल करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से मोबाइल और अन्य अनावश्यक गतिविधियों से दूरी बनाकर शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की। कार्यक्रम में शिक्षकों ने स्काउट एवं गाइड की उपयोगिता पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। बताया गया कि स्काउट-गाइड के माध्यम से कॉलेज के कई छात्र कर्नाटक, राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेकर कॉलेज और जिले का नाम रोशन कर चुके हैं। स्काउट-गाइड विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, अनुशासन, सेवा भावना और टीम भावना का विकास करता है। शिक्षकों ने अधिक से अधिक विद्यार्थियों से इस गतिविधि से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को कॉलेज की शैक्षणिक गतिविधियों, परीक्षा प्रणाली, सह-पाठ्यक्रम कार्यक्रमों तथा अनुशासन संबंधी नियमों की भी जानकारी दी गई। शिक्षकों ने विश्वास जताया कि नए विद्यार्थी कॉलेज की गरिमा बनाए रखते हुए शिक्षा के साथ-साथ अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक ओबैदुल्लाह परवेज, समीमा खातून, गुलनाज परवीन, अरुण कुमार, फरहतुल्लाह अंसारी, लाल बहादुर भगत, सकील अंसारी सहित कॉलेज के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में नवप्रवेशी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

लगातार बारिश से लहलहाने लगे खेत, बरहरवा में धान की रोपनी ने पकड़ी रफ्तार

बरहरवा/साहिबगंज। प्रखंड क्षेत्र में पिछले कई दिनों से हो रही लगातार बारिश किसानों के लिए राहत और खुशहाली लेकर आई है। समय पर हुई अच्छी वर्षा से खेतों में पर्याप्त पानी भर गया है, जिससे धान की खेती को नई गति मिली है। बारिश के कारण किसानों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही है और इस वर्ष अच्छी फसल की उम्मीद मजबूत हुई है। कोटालपोखर, गुमानी, बरहरवा सहित आसपास के कई गांवों में धान की रोपनी अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। किसानों ने खेतों की तैयारी पूरी कर ली है और बड़े पैमाने पर रोपनी का कार्य तेजी से चल रहा है। खेतों में किसानों की बढ़ी गतिविधियों से ग्रामीण इलाकों में कृषि कार्यों की रौनक लौट आई है। स्थानीय किसानों का कहना है कि समय पर हुई बारिश धान की खेती के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यदि आने वाले दिनों में भी मौसम अनुकूल बना रहा, तो इस वर्ष धान की बंपर पैदावार होने की पूरी संभावना है। किसानों को उम्मीद है कि अच्छी फसल से उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी और पूरे क्षेत्र में खुशहाली आएगी।

एफसीआईएल प्रबंधन ने बढ़ाया सिंदरी के 432 आवासों का किराया, 1 अगस्त से लागू होगी नई दरें

सिंदरी/ धनबाद। सिंदरी स्थित एफसीआईएल प्रबंधन ने अपने आवासों के किराए में करीब साढे तीन गुना तक वृद्धि करते हुए नई किराया नीति लागू करने की घोषणा की है।यह नई व्यवस्था 1 अगस्त से प्रभावी होंगी। नई नीति के तहत एलआईसी, बैंक ,पुलिस,स्कूल ,कॉलेज,डाकघर ,बीसीसीएल ,एच यू आर एल और सेल सहित विभिन्न संस्थाओं के कर्मचारियों द्वारा उपयोग किया जा रहे कुल 432 आवासों का नया किराया निर्धारित किया गया है। एफसीआईएल ने आवासों का किराया 6.50 रुपया प्रति वर्ग फुट प्लिंथ एरिया के आधार पर तय किया है। नई दरों के अनुसार एफ टाइप आवास का मासिक किराया 9,750 रुपए, जे टाइप श्रेणी का 7800 रुपए, के /1 श्रेणी का 5850 रुपए, आर एम के/4 श्रेणी का 4550 रुपए एवं एल टाइप आवास का मासिक किराया 3250 रुपए निर्धारित किया गया है। इसके अलावा आवास धारकों को निगम शुल्क और जल शुल्क का भी अलग से भुगतान करना होगा। एफसीआईएल के इस फैसले से प्रभावित संस्थाओं के कर्मचारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ने की संभावना है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि इस निर्णय पर संबंधित संस्थाओं और आवास धारकों की क्या प्रतिक्रिया सामने आती है।

भगवान जगन्नाथ के दरबार में युवा कांग्रेस नेता रोहित उरांव ने टेका माथा, जिले की खुशहाली और देश की समृद्धि की कामना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगाः विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की पावन परंपरा और आस्था के बीच लोहरदगा के युवा कांग्रेस नेता रोहित उरांव ने भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दरबार में पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा जिले सहित पूरे देश की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने भगवान जगन्नाथ के समक्ष माथा टेकते हुए लोहरदगा जिले में अमन-चैन, भाईचारे और विकास की प्रार्थना की।युवा नेता रोहित उरांव ने कहा कि भगवान जगन्नाथ केवल ओडिशा या किसी एक क्षेत्र के आराध्य देव नहीं हैं, बल्कि वे समस्त मानव समाज के कल्याण और एकता के

प्रतीक हैं। उनकी कृपा से समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की भावना मजबूत होती है तथा लोगों के जीवन में सुख और समृद्धि का संचार होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को आपसी सौहार्द, एकजुटता और सकारात्मक सोच की सबसे अधिक आवश्यकता है। भगवान जगन्नाथ से उनकी यही प्रार्थना है कि लोहरदगा जिला विकास के नए आयाम स्थापित करे, यहां के युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हों, किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो तथा हर परिवार खुशहाल और सुरक्षित जीवन व्यतीत कर सके।रोहित उरांव ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा और उनसे जुड़ी धार्मिक परंपराएं लोगों को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती हैं। इन आयोजनों में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता देखने को मिलती है, जो हमारी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने का कार्य करते हैं। उन्होंने भगवान जगन्नाथ से देश में शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि भारत निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहे तथा देश के सभी नागरिक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध जीवन व्यतीत करें। उन्होंने देश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य, किसानों की उन्नति, मजदूरों के कल्याण और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए भी विशेष प्रार्थना की। इस अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे थे तथा पूजा-अर्चना में शामिल होकर धार्मिक वातावरण का आनंद ले रहे थे। पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से सराबोर दिखाई दे रहा था और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा था। रोहित उरांव ने कहा कि लोहरदगा हमेशा से सामाजिक सद्भाव और भाईचारे की मिसाल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में जिला शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगा तथा विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। अंत में उन्होंने भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना करते हुए कहा कि जिले में सदैव शांति और भाईचारा बना रहे, सभी लोग आपसी प्रेम और सहयोग की भावना के साथ जीवन यापन करें तथा देश और समाज निरंतर प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ता रहे।इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशिथ जायसवाल,निश्चय वर्मा, अमित वर्मा,विशाल डुंगडुंग, मौजूद थे।

शिल्पोत्सव-2026 का भव्य समापन, उपायुक्त ने किया कारीगरों का उत्साहवर्धन 34 स्टॉलों में लगभग 5.60 लाख की बिक्री, उद्योग विभाग के स्टॉल पर 100 उद्यम पंजीकरण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हजारीबाग। जिला प्रशासन, हजारीबाग एवं जिला उद्योग केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय शिल्पोत्सव-2026 का समापन समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समापन अवसर पर उपायुक्त श्री हेमन्त सती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री लघु कुटीर बोर्ड द्वारा लगाए गए सभी 34 स्टॉलों का अवलोकन करते हुए हस्तशिल्प एवं स्थानीय उत्पादों का बारीकी से निरीक्षण किया तथा कारीगरों से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की।

उपायुक्त ने शिल्पोत्सव की सफलता पर सभी आर्टिजन एवं शिल्पकारों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन स्थानीय कारीगरों को अपनी कला प्रदर्शित करने के साथ-साथ बाजार उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन जिले के आर्टिजन के आर्थिक उत्थान एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। शिल्पोत्सव भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे स्थानीय उत्पादों को पहचान और बाजार दोनों मिल रहे हैं। शिल्पोत्सव में मुख्यमंत्री लघु कुटीर बोर्ड से जुड़े विभिन्न आर्टिजन ने अपने अनुभव साझा किए। इनमें जैनुल (जूटक्राफ्ट), यासीन अंसारी (हैंडीक्राफ्ट गारमेंट्स), नीशा कुमारी (डिजाइनर कैंडल मेकर), दिनेश्वर राणा (काष्ठ कला) एवं अल्का इमाम (सोहराय पेंटिंग) सहित अन्य शिल्पकारों ने आयोजन को उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताते हुए जिला प्रशासन और उद्योग विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।समापन समारोह के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को उपायुक्त द्वारा सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार शिव देव कुमार (पेंटिंग, बड़कागांव), द्वितीय पुरस्कार नीशा कुमारी तथा तृतीय पुरस्कार धलेश्वर साव को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में हस्तशिल्प क्षेत्र के अनुभवी वक्ताओं गुस्ताफ इमाम (INTACH), संजय कुमार सिंह (जन जागरण केंद्र) एवं सौरव कुमार (प्रदान संस्था) को हस्तशिल्प संवर्धन में उनके योगदान के लिए महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र द्वारा सम्मानित किया गया।शिल्पोत्सव-2026 के दौरान लगे 33 हस्तशिल्प स्टॉलों से लगभग ?5.60 लाख की बिक्री दर्ज की गई, जो स्थानीय उत्पादों के प्रति लोगों के बढ़ते आकर्षण और बाजार की संभावनाओं को दशार्ता है। वहीं उद्योग विभाग के स्टॉल पर 100 नए उद्यमों का पंजीकरण भी किया गया।उपायुक्त ने मुख्यमंत्री लघु कुटीर बोर्ड के सफल आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से किए जाएंगे, ताकि जिले के शिल्पकारों एवं उद्यमियों को व्यापक बाजार, नई पहचान और बेहतर आजीविका के अवसर प्राप्त हो सकें।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्रीमती रिया सिंह, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र, मुख्यमंत्री लघु कुटीर बोर्ड के जिला समन्वयक श्रीश सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कारीगर एवं तरंग ग्रुप के कलाकार एवं आगंतुक उपस्थित थे।

SIR प्रक्रिया की प्रगति की उपायुक्त ने की समीक्षा,29 जुलाई तक अनिवार्य रूप से गणना प्रपत्र भरने की अपील

हजारीबाग: जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री हेमंत सती ने समाहरणालय सभाकक्ष में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) कार्यक्रम की अद्यतन प्रगति की समीक्षा को लेकर बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों के साथ बैठक की। बैठक में विभिन्न क्षेत्रों में चल रही गणना प्रपत्र भरने एवं डिजिटाइजेशन कार्य की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।उपायुक्त ने सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों को निर्देश दिया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि गणना प्रपत्र भरने के साथ-साथ उसके डिजिटाइजेशन का कार्य भी निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए। अंतिम समय तक कार्य लंबित रखने से त्रुटियों एवं अव्यवस्था की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए सभी कर्मी समयबद्ध कार्ययोजना एवं रणनीति बनाकर कार्य करें।बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि कोई भी पात्र मतदाता इस प्रक्रिया से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र भरवाने का कार्य कर रहे हैं। सभी मतदाता इस प्रक्रिया को गंभीरता से लें तथा आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराते हुए अपना गणना प्रपत्र समय पर भरकर बीएलओ को उपलब्ध कराएं।उपायुक्त ने बताया कि प्रत्येक क्षेत्र के बीएलओ अधिकतम तीन बार ही मतदाताओं के घर जाकर संपर्क करेंगे। इसके उपरांत प्राप्त गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया जाएगा। इसलिए सभी मतदाता यह सुनिश्चित करें कि वे समय रहते अपना गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को सौंप दें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रह जाए।उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को पूरी पारदर्शिता, गंभीरता एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न कराना सुनिश्चित करें।उल्लेखनीय है कि गणना प्रपत्र भरने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2026 निर्धारित है। जिला प्रशासन ने सभी मतदाताओं से निर्धारित तिथि से पूर्व अपना गणना प्रपत्र भरने का आग्रह किया है।

पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक को श्रद्धांजलि, पूर्व विधायक आनंद महतो ने परिजनों से मिल जताया शोक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बलियापुर/ धनबाद। सिंदरी के पूर्व विधायक आनंद महतो उर्फ आनंद बाबू ने पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मन्नान मल्लिक के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। निधन की सूचना मिलते ही वे अपने सहयोगी अशरफ अली खान के साथ दिवंगत नेता के आवास पहुंचे। इस दौरान आनंद महतो ने मन्नान मल्लिक को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मन्नान मल्लिक का निधन सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है ।उनका संघर्ष पूर्ण सार्वजनिक जीवन और जन सेवा के प्रति समर्पण सदैव लोगों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बना रहेगा। पूर्व विधायक ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

रेलवे स्टेशन पर लगा स्वास्थ्य शिविर, महिला कर्मचारियों व परिजनों की हुई स्वास्थ्य जांच

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़: पूर्व रेलवे के पाकुड़ रेलवे स्टेशन स्थित डॉरमेट्री हॉल में मंगलवार को महिला रेल कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के लिए विशेष चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिला कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवार की महिलाओं और बच्चियों के स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था की गई थी।इस चिकित्सा शिविर में करीब 40 महिला कर्मचारियों और परिजनों ने हिस्सा लिया तथा अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। शिविर में डॉक्टर दीपा, डॉक्टर अरुण तथा रामपुरहाट हेल्थ यूनिट से पहुंचे डॉक्टर अब्दुल समीम ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। वहीं, जांच दल के अन्य कर्मचारी भी पूरे कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहे।

ईस्टर्न रेलवे मेंस कांग्रेस, पाकुड़ शाखा की ओर से पिछले कई वर्षों से रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर और सुलभ बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। संगठन की पहल पर रेलवे चिकित्सकों की साप्ताहिक उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे कर्मचारियों और उनके परिजनों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि चिकित्सा सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से ईस्टर्न रेलवे मेंस कांग्रेस, पाकुड़ शाखा लगातार मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) हावड़ा और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक हावड़ा के संपर्क में बनी हुई है।शिविर के सफल आयोजन में ईस्टर्न रेलवे मेंस कांग्रेस, पाकुड़ शाखा के संतोष कुमार, भोपाली कुमार यादव, गौरव यादव, शिवम कुमार, विष्णु कुमार, टीआई कोयला, नितेश कुमार राय तथा टीआई चेजर प्रवीण कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 41 सरकारी विद्यालयों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर किया जाएगा सम्मानित

धनबाद।उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित विभिन्न मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सरकारी विद्यालयों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। उपायुक्त ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य जिले के स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार, गतिविधि आधारित शिक्षण, छात्र केंद्रित वातावरण तथा सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना है। इसके तहत जिले के कुल 41 चयनित विद्यालयों को पुरस्कृत किया जाएगा।उन्होंने बताया कि जिले के सभी सरकारी प्राथमिक, मध्य, उच्च, उच्च माध्यमिक एवं आवासीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक/प्रधानाध्यापिका से ऑनलाइन माध्यम से नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। निर्धारित मूल्यांकन मानकों के आधार पर चयनित विद्यालयों की विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) को विद्यालय के समग्र विकास एवं शैक्षणिक गुणवत्ता में सतत सुधार हेतु प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।उन्होंने बताया कि उच्च विद्यालय को प्रथम पुरस्कार के रूप में 1,00,000, द्वितीय 50,000 व तृतीय -25,000 की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। मध्य विद्यालय को प्रथम पुरस्कार 50,000, द्वितीय 25,000 व तृतीय 10,000, प्राथमिक विद्यालय को प्रथम पुरस्कार 50,000, द्वितीय 25,000 व तृतीय 10,000 जबकि आवासीय विद्यालय को प्रथम पुरस्कार 1,00,000 दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा प्रत्येक प्रखण्ड के प्राथमिक, मध्य एवं उच्च विद्यालय को भी प्रथम पुरस्कार ?50,000, द्वितीय 25,000 व तृतीय 10,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।इसके नामांकन की प्रक्रिया ऑनलाइन है। ऑनलाइन लिंक 20 जुलाई, 2026 को सभी विद्यालयों को आधिकारिक वॉट्सऐप ग्रुप के माध्यम से साझा की जाएगी। सभी प्रधानाध्यापक निर्धारित प्रारूप में आवश्यक विवरण एवं साक्ष्य (फोटो, वीडियो एवं अन्य प्रमाण) सहित ऑनलाइन आवेदन भरना सुनिश्चित करेंगे। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 05 अगस्त, 2026 निर्धारित की गई है। इसके बाद प्राप्त किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।उपायुक्त ने इसके मूल्यांकन के मुख्य बिंदु पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विद्यालयों का चयन छात्र उपस्थिति, आधार सीडिंग, अपार आईडी जनरेशन, उच्च प्रतिधारण दर, कम ड्रॉपआउट दर, मध्याह्न भोजन कवरेज, इको क्लब गठन, पोषण वाटिका, कम लागत-शून्य लागत गतिविधियों का क्रियान्वयन, रेल मूल्यांकन, जिला स्तरीय निरीक्षण दल के विद्यालय भ्रमण तथा विद्यालय प्रबंधन समिति की सक्रियता के आधार पर किया जाएगा।

पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत एक बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर एवं एईआरओ से मांगा गया स्पष्टीकरण

मतदाता सूची की शुद्धता से कोई समझौता नहीं: रक्क्ष कार्य में त्रुटियों पर जिला प्रशासन की सख्ती

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता सूची को पूर्णतः त्रुटिरहित, अद्यतन एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन लगातार निगरानी एवं समीक्षा कर रहा है। इसी क्रम में पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-213 पर कार्य में पाई गई त्रुटियों को गंभीरता से लेते हुए एक बीएलओ, संबंधित बीएलओ सुपरवाइजर एवं सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी से उप निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा स्पष्टीकरण मांगा गया है।14 जुलाई 2026 को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर आयोजित बीएलओ-बीएलए-2 बैठक का निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्रीमती मेघा भारद्वाज द्वारा किया गया। निरीक्षण एवं समीक्षा के दौरान बूथ संख्या-213 से संबंधित अरउ‌ऊ (Absent, Shifted, Dead, Duplicate) सूची में कुछ मतदाताओं के संबंध में त्रुटिपूर्ण अंकन का मामला सामने आया।समीक्षा में पाया गया कि कुछ मतदाताओं को अब्सेंट तथा कुछ को परमानेंटली शिफ्टेड की श्रेणी में दर्ज कर दिया गया था, जबकि सत्यापन के दौरान उक्त प्रविष्टियां तथ्यात्मक रूप से सही नहीं पाई गईं। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर एवं एईआरओ से कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है।साथ ही सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, बीएलओ, बीएलए-2 एवं बीएलओ सुपरवाइजर को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि अरउ‌ऊ सूची का शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने के उपरांत ही उसे अंतिम रूप दिया जाए। बिना पर्याप्त आधार एवं स्थल सत्यापन के किसी भी मतदाता को अरउ‌ऊश्रेणी में अंकित नहीं किया जाएगा।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है और इसकी शुद्धता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। रक्क्ष अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही, त्रुटि अथवा नियमों की अनदेखी पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सही एवं प्रमाणिक रूप से मतदाता सूची में सुनिश्चित करते हुए संपूर्ण पुनरीक्षण प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनाना है।

बिना निकासी किए खाते से गायब हुए 10,250 रुपये, आदिवासी महिला ने दर्ज कराई शिकायत

अमर भगत @झारखंड उजाला संवाददाता

अमड़ापाड़ा:- थाना क्षेत्र के आलूबेड़ा गांव की एक आदिवासी महिला संजली मरांडी के बैंक खाते से दो किस्तों में कुल 10 हजार 02 सौ 50 रुपये अवैध निकासी का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित महिला ने मामले को लेकर अमड़ापाड़ा थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय की मांग की गुहार लगाई है।

सीएसपी गई थी पैसा निकासी के लिए तब से है गड़बड़ी:- पीड़िता ने अपने आवेदन में बताया कि वह अपने बैंक खाते (संख्या 37031691066) से राशि निकालने के लिए एक सीएसपी ग्राहक सेवा केंद्र) गई थी। वहां संचालक ने मोरफॉ फिंगर लगवाने के बाद उसे बताया कि उनके खाते में निकासी के लायक पैसे नहीं हैं। इसके बाद संजली मरांडी बैंक शाखा पहुंचीं और खाते का स्टेटमेंट निकलवाया। स्टेटमेंट की जांच करने पर पता चला कि उनके खाते से दो अलग-अलग दिनों में कुल 10 हजार 02 सौ 50 रुपए की निकासी हो चुकी है। जिसमें 03 जुलाई 09 हजार 09 सौ और 09 जुलाई को 350 रुपए की निकासी कर ली गई है। जबकि यह राशि उसने स्वयं नहीं निकाला है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़िता ने अमड़ापाड़ा थाना पहुंचकर लिखित आवेदन दिया और मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

प्राथमिकी दर्ज जाँच शुरू:- मामले पर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अनूप रौशन भेंगरा ने बताया कि पीड़िता के लिखित शिकायत पर थाना कांड संख्या 54/26 दर्ज कर जाँच की जा रही है। इस तरह के अपराध को अंजाम देने वाले को बख्शा नहीं जाएगा।

रक्षा बंधन पर भाईयों के पास 70 रूपए में पहूंचेगा बहनों का रक्षा सूत्र

डाक विभाग की अनोखी पहल ₹रक्षा सूत्र अभियान₹ का शुभारंभ

बरही (हजारीबाग) : भाई बहनों का अटूट प्रेम , प्यार रक्षा बंधन के त्योहार के अवसर पर डाक विभाग द्वारा आगामी रक्षाबंधन पर्व अनोखी पहल की शुरूआत की।डाक विभाग ने भाईयों के पास बहनों द्वारा डाक विभाग द्वारा भेजे जाने वाले रक्षा सूत्र को मात्र 70 रूपए में घर तक पहुंच कर भाई के कलाई पर बहनों का प्यार और प्रेम का रक्षा सूत्र बंधेगा।इस अभियान के तहत बरही उप डाकघर में मंगलवार से डाक विभाग के विशेष 'रक्षा सूत्र अभियान' का शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्देश्य बहनों की राखी को सुरक्षित और समय पर भाइयों तक पहुंचाना है।इसके लिए विशेष वाटरप्रूफ लिफाफे उपलब्ध कराए गए हैं तथा डाकघर में विशेष काउंटर की व्यवस्था भी की गई है। बरही अनुमंडल डाक क्षेत्र के डाक निरीक्षक अभिषेक कुमार ने बताया कि इस सुविधा के लिए 70 रुपए शुल्क निर्धारित है। इसमें 10 रुपए वाटरप्रूफ लिफाफा, 55 रुपए स्पीड पोस्ट शुल्क और 5 रुपए विविध शुल्क शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य केवल राखी पहुंचाना नहीं, बल्कि भाई-बहन के स्नेह और भारतीय पारिवारिक मूल्यों को भी सशक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि विभिन्न विद्यालयों में 'राखी बनाओ और भेजो' प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रत्येक स्कूल के बच्चियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।रक्षा सूत्र अभियान के तहत यह सुविधा बरही, चौपारण, तिलैया डैम, बरकट्ठा, केटीपीएस उप डाकघरों सहित बरही अनुमंडल के सभी 60 शाखा डाकघरों में उपलब्ध रहेगी।साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि बरही उप डाकघर में आधार संबंधी कार्य प्रत्येक कार्य दिवस को किया जा रहा है और उप डाकघर बरही स्कूली बच्चों का निशुल्क बचत खाता भी खोला जा रहा है ।डाक विभाग द्वारा कई तरह के जन कल्याणकारी बचत योजनाओं को भी संचालित किया जा रहा है जिसका लाभ आमजनों को लेने की अपील भी किया गया है।

पेटो पंचायत का 8 घंटे चला अनिश्चितकालीन धरना, कोयला परिवहन ठप होने पर एनटीपीसी झुकी - 15 दिन में 8 सूत्री मांगों पर लिखित आश्वासन,गरजे विधायक रोशन लाल चौधरी

जागेशवर कुमार @ झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो।

केरेड़ारी/हजारीबाग: एनटीपीसी की वादा खिलाफी के खिलाफ पेटो पंचायत के लावण्या मोड 2.2 रोड के समक्ष बुधवार को विस्थापित प्रभावित किसान मजदूर बेरोजगार संघ के बैनर तले सैकड़ों ग्रामीणों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। धरना शुरू होते ही आंदोलनकारियों ने एनएमएल, एनटीपीसी चट्टी, बारियातू और केरेड़ारी कोल परियोजना का कोयला परिवहन पूरी तरह ठप करा दिया। पहिया थमते ही एनटीपीसी में हड़कंप मच गया।

धरना में उमड़ा जनसैलाब

धरना की अध्यक्षता पूर्व मुखिया राजकिशोर यादव और संचालन संघ अध्यक्ष प्रीतम साहू ने किया। धरना में पंचायत के 12 वार्डों से महिला-पुरुष भारी संख्या में शामिल हुए। धरना स्थल पर पहुंचे बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा - ₹8 सूत्री मांगों पर सहमति नहीं बनी तो विधानसभा में आवाज उठाऊंगा। पीडब्ल्यूडी सड़क चौड़ीकरण, नो एंट्री, शिक्षा, नल-जल और बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिला तो एनटीपीसी का संपूर्ण खन कार्य बंद करवा देंगे। जिप सदस्य अनीता सिंह ने भी आंदोलनकारियों की मांगों को जायज बताते हुए एनटीपीसी पर मूलभूत सुविधा के नाम पर ठगने का आरोप लगाया।

8 घंटे में सफल हुई वार्ता

कोयला परिवहन बंद होने से दबाव में आए एनटीपीसी के अधिकारी दोपहर 3 बजे धरना स्थल पहुंचे। सीबी माइंस के उच्च संप्रेषण पदाधिकारी दिवाकर मिश्रा और केडी माइंस के पदाधिकारी सुधीर कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विधायक के नेतृत्व में करीब 3 घंटे तक त्रिपक्षीय वार्ता चली।

वार्ता के दौरान एनटीपीसी के जीएम से फोन पर भी बात हुई। अंत में एनटीपीसी ने 8 सूत्री मांगों को 15 दिनों के अंदर पूरा करने का लिखित आश्वासन दिया। समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद संघ ने धरना समाप्त करने की घोषणा की। इसके बाद एनटीपीसी की दोनों तरफ से लगी लंबी जाम को खोल दिया गया।

वार्ता में विधायक का सख्त रुख चर्चा में

वार्ता के दौरान विधायक रोशन लाल चौधरी ने एनटीपीसी अधिकारियों को साफ कहा कि ₹जनता के साथ छलावा बर्दाश्त नहीं होगा। आपसे नहीं होगा तो सीएमडी को आना पड़ेगा।₹ उनके सख्त तेवरों की पूरे क्षेत्र में चर्चा हो रही है।

ये रहीं 8 सूत्री मांगें

पेटो पंचायत के लिए पीडब्ल्यूडी सड़क का चौड़ीकरण, नो एंट्री का पालन, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार प्रमुख मांगों में शामिल हैं। उपस्थितः उप मुखिया लक्ष्मण साहू, गजेंद्र यादव, सिकंदर यादव, राजू साहू, महावीर साहू, राजेश ठाकुर, मनोहर साहू, चरित्र राम, रामेश्वर साहू, प्रवील यादव, उत्तम राम, जितेंद्र साव, जितेंद्र यादव, कुलेश्वर यादव, रविंद्र कुमार, शंकर शाहा, धर्म सिंह, यूसुफ मियां, उपेंद्र राम, आरती देवी, लीलावती देवी, नीलम देवी, सबिता देवी, मैनावती देवी, मालती, राधा, सुनीता, अनीता, पम्मी, सुलेखा सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

स्टार्टअप शुरू करने में थोड़ी इनवेस्टमेंट की जरूरत होती है जो कई लोगों के लिए मुश्किल काम होता है। ऐसे में अगर कोई ऐसा बिजनेस हो जिसे कम लागत में शुरू किया जा सके तो आप जरूर करना चाहेंगे। यहां हम आपको कुछ ऐसे बिजनेस आइडिया के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक लाख रुपए से कम लागत में भी शुरू किए जा सकते हैं।

कम लागत से शुरू कर सकते हैं ये बिजनेस होगी लाखों में इनकम

आजकल स्टार्टअप का जमाना है। हर कोई नौकरी की बजाए अपना खुद का कोई बिजनेस करना चाहता है। स्टार्टअप शुरू करने में थोड़ी इनवेस्टमेंट की जरूरत होती है जो कई लोगों के लिए मुश्किल काम होता है। ऐसे में अगर कोई ऐसा बिजनेस हो जिसे कम लागत में शुरू किया जा सके तो आप जरूर करना चाहेंगे। यहां हम आपको कुछ ऐसे बिजनेस आइडिया के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक लाख रुपए से कम लागत में भी शुरू किए जा सकते हैं। हम यहां जिन कामों के बारे में बताने जा रहे हैं उनमें से कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें महज 50,000 रुपए की लागत से शुरू किया जा सकता है। इनवेस्टमेंट के हिसाब से इन कामों को बढ़ाया भी जा सकता है।

इवेंट फोटोग्राफर

फोटोग्राफर बनने के लिए बस आपको एक कैमरे की जरूरत होती है जो कि 50 हजार से कम कीमत में कहीं से भी ले सकते हैं। इस काम के लिए आपके भीतर जुनून और किसी भी चीज की खूबसूरती देखने और उसे कैमरे में कैद करने का हुनर होना जरूरी है। लोगों के फैमिली फंक्शन, शादी, बर्थडे पार्टी, सोसाइटी के कार्यक्रमों आदि में फोटोग्राफर की डिमांड होती है। किसी भी इवेंट को यादगार बनाने के लिए फोटोग्राफी जरुरत बन गई है। ऐसे में आप फोटोग्राफी के जरिए अच्छा पैसा कमा सकते हैं।

पुरानी कारों की डीलरशिप

भारत में कारों का बिजनेस खूब बढ़ रहा है ऐसे में नई कारों की डीलरशिप के साथ-साथ सेकंड हैंड कारों का बाजार भी डिमांड में है। आप पुरानी कारों की डीलरशिप का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। डीलरशिप के अलावा इसमें आप कमिशन भी कुछ कमा सकते हैं। बशर्ते आप को क्लांइट को ढूंढ़ना होगा और उनको डील करानी होगी।

ड्राइविंग स्कूल

ड्राइविंग स्कूल शुरू करना एक बेहतरीन आयडिया है और देश में गाड़ियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ये बिजनेस कभी भी घाटे में नहीं रहने वाला। शहरों में तो आजकल एक भी ऐसा शख्स नहीं मिलेगा जो ड्राइविंग नहीं सीखना चाहता हो। इसके लिए आपको सिर्फ एक गाड़ी की जरुरत पड़ती है जो कि आप सेकेण्ड हैंड भी खरीद सकते हैं। एक अनुमान के मुताबिक कुछ ड्राइविंग स्कूल चलाने वाले लोग एक दिन में 8 से 10 हजार रुपए तक कम लेते हैं। इसके लिए आपके पास ड्राइविंग लाइसेंस और अनुभव होना जरूरी है या फिर आप किसी दूसरे आदमी से भी क्लासेज दिलवा सकते हैं।

आइस क्रीम पार्लर

आइस क्रीम पार्लर भी एक बढ़िया निवेश है। सर्दियों के मौसम को छोड़ दें तो ये हमेशा मांग में रहता है। इसके लिए आपको बस एक फ्रीजर खरीदना होता है या फिर आप आइसक्रीम कंपनियों की फ्रेंचाइजी भी ले सकते हैं। इनमें क्वालिटी वडीलाल जैसी बड़ी आइसक्रीम कंपनियां शामिल हैं और ये कंपनियां आइसक्रीम बिक्री का 10-20 फीसदी तक कमीशन के रूप में देती हैं।

मोबाइल गैरेज

शहरों के साथ ही ग्रामीण इलाकों में भी कारों की संख्या में तेजी से बढ़ात्तरी हो रही है। आम वाहनों की तरह कार में भी खराबी आना आम समस्या है। ऐसे में कार के मालिक को जरूरत होती कि कार जहां खड़ी है वहीं पर कोई मैकेनिक आकर कार रिपेयर कर जाए। ऐसे में यदि आप कार- ऑटो रिपेरिंग का थोड़ा बहुत अनुभव रखते हैं तो लोगों को मोबाइल गैरेज की सर्विस दे सकते हैं। इसके लिए आपको जरूरी है एक सेकंड हैंड बाइक और एक टूल बॉक्स जोकि दोनों में 50 हजार तक में आ जाएंगे। अपने साथ आप एक हेल्पर या मैकेनिक रखें तो बेहतर होगा। मोबाइल गैरेज के जरिए आप 2 से 5 हजार रुपए तक रोज कमा सकते हैं।

नौकरी चाहिए तो ऐसे बनाएं सोशल मीडिया प्रोफाइल

आजकल नौकरी पाने के लिए सिर्फ आपका ज्ञान और स्किल्स ही काफी नहीं है, सोशल मीडिया पर आपकी पोस्ट भी इसमें अहम भूमिका निभा सकती है। आपने अपने फेसबुक पर क्या लिखा या ट्विटर पर कैसे ट्वीट किए या आपकी लिंक्डइन प्रोफाइल आपके बारे में क्या कहती है। आप सोशल मीडिया पर कैसे लोगों के संपर्क में हैं, लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं, अब कंपनियां ये सब भी नौकरी देने से पहले देख रही हैं। आज सोशल मीडिया के जरिए किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व और उसके नजरिये के बारे में पता लगाना बहुत आसान हो गया है। यही वजह है कि मल्टीनेशनल और स्टार्टअप कंपनियां नौकरी पर रखने से पहले आवेदक के प्रोफाइल को परखती हैं। इससे उन्हें अंदाजा लग जाता है कि आवेदक उनकी कंपनी में फिट बैठता है या नहीं।

सोशल मीडिया पर सकारात्मक छवि होना जरूरी

इन सोशल मीडिया प्रोफाइल से कंपनियों को आवेदकों की रूचि, उसकी प्राथमिकताएं और विश्वसनीयता के बारे में पता चलता है, जिस आधार पर उनके लिए आवेदकों को शॉर्टलिस्ट करना आसान होता है। इसलिए अगर आप चाहते हैं कि आपको बेहतर नौकरी मिले, तो ज्ञान के साथ-साथ सोशल मीडिया पर आपकी सकारात्मक छवि भी होनी चाहिए। करीब 30 फीसदी कंपनियां आवेदकों की सोशल मीडिया प्रोफाइल पर यह देखती हैं कि अन्य लोग आवेदकों के बारे में क्या राय रखते हैं। सोशल मीडिया पर किए गए एक सर्वे में शामिल 60 फीसदी नियोक्ताओं ने उम्मीदवारों की ऑनलाइन मौजूदगी को परखने के बाद उन्हें खारिज कर दिया। इसका बड़ा कारण था उम्मीदवार के ऑनलाइन प्रोफाइल और रेज्यूमे में दी गई शैक्षिक योग्यता में अंतर। आवेदन के खारिज होने का बड़ा कारण था, पिछली कंपनी या अपने स्कूल-कॉलेज को बुरा बताने वाले पोस्ट डालना। इसके अलावा यह ध्यान रखें कि आप जिस कंपनी में काम करने जा रहे हैं, उसके बारे में कहीं भी बुरा न कह रहे हों।

सोच-समझकर सोशल मीडिया पर करें पोस्ट

वैसे तो सोशल मीडिया साइटों पर आम तौर पर लोग अपनी फोटो और अपने अनुभव शेयर करते है। लेकिन, सोशल मीडिया पर ऐसी फोटो कभी शेयर ना करें जिसके कारण आपकी नकारात्मक छवि प्रस्तुत हों। आप सोशल साइट पर आपकी हॉबी या पसंदीदा चीजों से जुड़ी फोटो शेयर कर सकते हैं। इसके अलावा इस बात पर भी ध्यान देते रहें कि कोई व्यक्ति किसी अश्लील तस्वीर या पोस्ट से आपको टैग तो नहीं कर रहा। इससे आपकी संगत और माहौल का अंदाजा लगाया जाएगा।

सोशल साइटों पर प्रोफेशनल दिखे

फेसबुक और लिंक्डइन पर आमतौर व्यक्ति की पहचान उसका फोटो देखकर ही की जाती हैं तो आप इसमें वही फोटो डाले जिसमें आप फार्मल लुक में हो। आपकी फुल शॉट तस्वीर से अच्छा है हेड शॉट वाली तस्वीर डालें, वो भी मुस्कराते हुए। आप प्रोफेशनली कैसे दिख रहे हैं, यह पता करने के लिए आप फोटोफीलर नाम की एक साइट पर अपनी फोटो अपलोड करें। इससे फोटो में आप आत्मविश्वासी और प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में नजर आ रहे हैं या नहीं, यह पता लग जाएगा।

इंटरनेट पर आप किस तरह से हो रहे प्रस्तुत नौकरी के लिए आवेदन देने की प्रक्रिया के दौरान या उससे पहले एक बार आप अपने नाम को गूगल पर सर्च करके देखे कि गूगल आपके नाम के बारें में क्या दिखाता है।

नियोक्ता की नजर से आपकी अपने बारे में क्या राय बन रही है और संबंधित नौकरी के लिए आप खुद को हायर करेंगे या नहीं, इन सवालों का जवाब ढूंढें। जवाब 'न' में हो तो कारणों की सूची बनाएं। हो सकता है आपके पोस्ट गलत विचारधारा को प्रकट कर रहे हों या आपके दोस्त आपकी वॉल पर अनुचित तस्वीरें या अनुचित कमेंट डाल रहे हों। इसके लिए अपनी सेटिंग बदलें और दोस्तों से कहें कि वे ऐसी पोस्ट न डालें। नियोक्ता को आपकी प्रोफाइल कैसी दिख रही है, इसके लिए अपने फेसबुक पेज के ऊ पर दाएं कोने पर जाएं और प्रिव्यू माई प्रोफाइल पर जाकर देखें। आप चाहें तो अपने मुताबिक सेटिंग को एडिट भी कर सकते हैं। वैसे तो अधिकतर नियोक्ता उम्मीदवार को परखने के लिए उनके लिंक्डइन प्रोफाइल पर जाते हैं, पर कई बार क्षेत्र के हिसाब से भी दूसरी साइट पर आपकी मौजूदगी को भी परखते हैं। जैसे, अगर कोई डिजाइनर है तो उसकी पिनट्रेस्ट या टम्बलर प्रोफाइल को परखा जाता है, अगर कोई व्यक्ति मॉडल है तो उसके इंस्टाग्राम को परखा जाता है, वहीं निजी पृष्ठभूमि को जानने के लिए कंपनी फेसबुक प्रोफाइल को देखना पसंद करती है।

ऐसा होना चाहिए लिंक्डइन प्रोफाइल

लिंक्डइन अपने करियर क्षेत्र और पेशे से जुड़े पेशेवर लोगों से नेटवर्क बनाने का अच्छा जरिया है। अपने करियर क्षेत्र से संबंधित ग्रुप जॉइन करें। लिंक्डइन के मानदंडों के हिसाब से चलें। यदि आप चाहते हैं कि नियोक्ता, बॉस, या सहकर्मी आपके निजी ब्लॉग या पोस्ट को न देख पाएं तो इसके लिए सेटिंग पर जा कर लिंक्डइन प्रोफाइल में 'फीड' के सिंक ऑप्शन को अनचेक कर दें। लिंक्डइन पर डाले गए रेज्यूमे को बहुत से लोग देखते हैं। इसलिए जो सच है, वही लिखें। हाल की फोटो डालें। फॉर्मल ड्रेस में हेड शॉट डालें। अपने लिंक्डइन यूआरएल को छोटा रखें, जिससे गूगल पर आपके लिंक्डइन प्रोफाइल को ढूंढ़ना आसान हो। इसके लिए आप लॉगिन करें, अकाउंट और सेटिंग्स पर जाकर पब्लिक प्रोफाइल पर क्लिक करें और पेज पर यूआरएल एडिट करने का विकल्प चुने।

यदि आप फेसबुक प्रोफाइल को पेशेवर नेटवर्किंग के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं तो अपने प्रोफाइल में जरूरी बदलाव करने के लिए तैयार रहें। इसका मतलब है आपको कुछ कमेंट के साथ-साथ तस्वीरें हटानी होंगी, जो आपकी पेशेवर जिंदगी के लिहाज से ठीक न हों। अगर आपको पार्टी करना पसंद है और नहीं चाहते कि भावी बॉस आपकी पर्सनल प्रोफाइल देखें तो सारी प्राइवेसी सेटिंग में 'फ्रेंड्स ओनली' का ऑप्शन चुनें और कौन आपके प्रोफाइल को देखेगा, इसके प्रति सेलेक्टिव रहें। फेसबुक पर प्राइवेसी सेटिंग बदलें, ताकि यह तय हो सके कि आपके पेज को कौन देखेगा। इससे नियोक्ता भी आपसे एड हुए बिना आपकी प्रोफाइल को नहीं देख पाएंगे। इसके अलावा सेटिंग में बदलाव करें, ताकि लोग आपकी फेसबुक वॉल पर कोई अनुचित पोस्ट न डाल सकें। अगर आपने कहीं काम किया है और उस संस्था से जुड़े लोग आपकी फ्रेंडलिस्ट में हैं तो कस्टम सेटिंग का विकल्प चुन कर उन्हें अपनी निजी पोस्ट देखने से रोक सकते हैं।

ऐसा होना चाहिए ट्विटर अकाउंट

मार्केटिंग के क्षेत्र में उम्मीदवार के ट्विटर अकाउंट को देखने का चलन है। इससे पता चल जाता है कि उम्मीदवार का नेटवर्क कैसा है। ट्विटर प्रोफाइल को पब्लिक नहीं, प्रोफेशनल बनाएं। अपने करियर क्षेत्र से जुड़े ट्वीट डालें और फॉलो करें। अगर किसी कंपनी में सीनियर पोस्ट के लिए जा रहे हों तो 60 फीसदी ट्वीट आपकी इंडस्ट्री से जुड़े होने चाहिए।

परमाणु संयंत्र का डाटा लीक हो गया, क्या ऐसी साइबर सुरक्षा के भरोसे आगे बढ़ेगा डिजिटल इंडिया?

स्मिता सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में शामिल तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से जुड़े हजारों गोपनीय दस्तावेज कथित रूप से सार्वजनिक होने के बाद भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। हम आपको बता दें कि रैनसमवेयर गिरोह ₹वर्ल्ड लीक्स₹ ने दावा किया है कि उसने संयंत्र से संबंधित 19 हजार से अधिक संवेदनशील फाइलें डार्क वेब पर जारी कर दी हैं। इन दस्तावेजों को लगभग 8 लाख 58 हजार फाइलों के उस बड़े संग्रह का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसे परियोजना से जुड़े ठेकेदार रिलायंस समूह के डाटा से चुराया गया है। हालांकि इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, फिर भी विशेषज्ञ इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर मामला मान रहे हैं।

इस बीच, रिलायंस समूह ने मीडिया को बताया कि तीसरे पक्ष के भारतीय डाटा सेंटर प्रदाता योट्टा के सर्वर पर रखे गए उसके डाटा में आंशिक सेंधमारी हुई है। कंपनी के अनुसार सरकार को इस घटना की जानकारी दे दी गई है, लेकिन किस प्रकार का डाटा प्रभावित हुआ, इसका खुलासा नहीं किया गया। दूसरी ओर योट्टा ने कहा कि उसने 29 मई को सर्वर पर संदिग्ध गतिविधियों का पता लगा लिया था और संदिग्ध रैनसमवेयर को सक्रिय होने से रोक दिया गया था। बाद में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने संभावित डाटा लीक के दावे की जानकारी दी। हम आपको बता दें कि कथित रूप से लीक हुए दस्तावेज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2025 के मध्य तक के बताए जा रहे हैं। इनमें वेंटिलेशन और शीतलन प्रणालियों के इंजीनियरिंग नक्शे, साझा नियंत्रण कक्ष की रूपरेखा, उपकरणों के निरीक्षण प्रतिवेदन, आपूर्तिकताओं की सूची, विक्रेताओं के प्रस्ताव, बैठकों के अभिलेख तथा बीमा संबंधी दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। अधिकांश दस्तावेज कुडनकुलम परियोजना की तीसरी और चौथी इकाई से संबंधित हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है और जिनके वर्ष 2027 तक चालू होने की संभावना है। राहत की बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इनमें परमाणु रिएक्टर के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, क्योंकि वह रूस की सरकारी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

फिर भी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी जानकारी शत्रुतापूर्ण तत्वों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी हमलावर को यह जानकारी मिल जाए कि परियोजना में किन व्यक्तियों, ठेकेदारों और प्रणालियों की पहुंच कहां तक है, तो वह प्रत्यक्ष रूप से परमाणु रिएक्टर पर हमला किए बिना भी उससे जुड़ी सहायक व्यवस्थाओं, आपूर्ति श्रृंखला या तीसरे पक्ष की प्रणालियों को निशाना बना सकता है। इससे परियोजना के संचालन, रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर अप्रत्यक्ष खतरा उत्पन्न हो सकता है। इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। परमाणु ऊर्जा विभाग और प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। उल्लेखनीय है कि संबंधित हैकर गिरोह पहले भी कई प्रमुख औद्योगिक संस्थानों को निशाना बना चुका है।

देखा जाये तो यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना पर साइबर हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। एक साइबर सुरक्षा कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष भारत में लगभग दो करोड़ नवासी लाख खाते किसी न किसी रूप में डाटा समझौते का शिकार हुए, जिससे भारत विश्व के सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा। वहीं हाल के एक औद्योगिक सर्वेक्षण में पाया गया कि 73 प्रतिशत भारतीय संस्थानों को यह तक जानकारी नहीं थी कि वे कभी साइबर हमले का शिकार हुए हैं या नहीं, जबकि 57 प्रतिशत संस्थानों में बुनियादी साइबर उपायों का भी अभाव है। देखा जाये तो कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना केवल बिजली उत्पादन का केंद्र नहीं है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु क्षमता और सामरिक आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार भी है। इस परियोजना पर किसी भी प्रकार का साइबर हमला या गोपनीय सूचनाओं का लीक होना सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। आधुनिक युद्ध में साइबर क्षेत्र को भूमि, जल, वायु और अंतरिक्ष के समान ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में महत्वपूर्ण अवसंरचना से संबंधित सूचनाओं का दुरुपयोग कर शत्रु देश या संगठित साइबर अपराधी बिना प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई के भी रणनीतिक दबाव बना सकते हैं।

बहरहाल, इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल परमाणु संयंत्र की आंतरिक सुरक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि उससे जुडे ठेकेदारों, डाटा सेंटरों, आपूर्ति श्रृंखला और तीसरे पक्ष की डिजिटल प्रणालियों की सुरक्षा भी समान रूप से आवश्यक है। भविष्य में राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचा, नियमित सुरक्षा परीक्षण, आपूर्ति श्रृंखला का कड़ा सत्यापन तथा संवेदनशील सूचनाओं की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना अनिवार्य होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय रक्षा रणनीति का अभिन्न हिस्सा बनाते हुए इस क्षेत्र में निवेश और समन्वय दोनों को और मजबूत करना होगा, ताकि ऐसी घटनाओं से सामरिक हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा की प्रभावी रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि, नई दिल्ली ।

मेष राशि :- दोस्तों और भाइयों से सहयोग मिलेगा. नए काम शुरू होंगे और सोचे हुए काम भी पूरे होंगे. काम भी पूरे हो सकते हैं. संपत्ति के कामकाज पर ध्यान देंगे. आपका पराक्रम बढ़ सकता है. सौदेबाजी में बहुत अच्छी सफलता भी मिलने के योग हैं. आपका दिन परिवार, निजी जीवन और पैसों के मामले में ही बीत सकता है. जरूरी कामों की योजना बन सकती है. अपनी जिम्मेदारियों पर पूरा ध्यान दें. पार्टनर के लिए समय निकालें. सेहत के मामले में सावधानी जरूर रखें.

वृषभ राशि :- आज भागीदारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है. इस कारण आप बेचैन और अनिश्चित हो सकते है. आर्थिक पक्ष अस्थिर हो सकता है. व्यापारी वर्ग को सार्वजनिक समर्थन हासिल करने के लिए अथक प्रयास करने की आवश्यकता हैं. आपके आलोचक और शत्रु आपके लिए समस्याएं पैदा करेंगे, वह आप पर हावी हो सकते हैं. किन्तु आप कूटनीति के प्रयोग से उन्हें चुप करा सकते हैं.

मिथुन राशि :- आज अचल संपत्ति में लाभ के योग आपकी राशि में दिखाई देते हैं. आज का दिन प्यार मामलों के मामले में बहुत खास होगा. भाई-बहनों के साथ तर्क आपको काफी उदास कर सकता है और आप असहाय महसूस कर सकते हैं. परिवार में किसी को सुधारने का जिम्मा आप खुद उठा सकते हैं. रिश्तों के बीच आपसी समझ बढ़ाने के लिये भी दिन अच्छा है. आपको किसी प्रॉपर्टी से मुनाफा हो सकता है. आज आपको विवाह प्रस्ताव भी मिल सकते हैं?.

कर्क राशि :- नए काम और नई बिजनेस डील सामने आ सकती है.परेशानियों से निपटने के लिए दिन अच्छा रहेगा. कोई नया ऑफर भी मिल सकता है. सोचे हुए काम शुरू कर दें, आपके काम जल्दी ही पूरे हो जाएंगे.रोजमर्रा के काम पूरे होने में कोई रुकावट नहीं आएगी. आप आगे भीबढ़ेंगे. महत्वपूर्ण मीटिंग और काम करने के लिए दिन शुभ है. समस्याएं भी जल्दी ही खत्म हो जाएंगी.

सिंह राशि :- यह आपके लिए बाधाओं और मुश्किल से निपटने के लिए एक कठिन समय है. आज कार्यस्थल पर दूसरों की आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने से बचें. अपने लक्ष्यों को प्राथमिकताओं दें. दूसरों से उपहार प्राप्त करने का यह अच्छा समय है. लंबे समय से लंबित अदालती मामले आपके पक्ष में सुलझेंगे. जो लोग नौकरी की तलाश कर रहे हैं, उन्हें मौका मिलेगा. पारिवारिक एवं सामाजिक संदर्भ में आप किसी भी गलती के लिए सवालों के घेरे में आएंगे.

कन्या राशि :- नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है. आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं. प्रेमियों के मध्य कुछ मनमुटाव हो सकता है. आप नया वाहन खरीद सकते हैं. खर्च की मात्रा बढ़ने से आर्थिक तंगी का अनुभव हो सकता है. इष्टदेव की आराधना करें. शारीरिक परिश्रम की अधिकता रहेगी. आज पारिवारिक समस्याओं को लेकर भी आप परेशान हो सकते हैं लेकिन ध्यान रखें किसी भी परेशानी का हल करने में सक्षम हैं.

तुला राशि :- दिन आपके लिए अच्छा है. आप परिस्थितियों का फायदा उठाकर अपने काम पूरे कर सकते हैं. कामकाज में भी आपका मन लगेगा.आज आपको अचानक कुछ अच्छे अवसर मिल सकते हैं. आप उनका फायदा उठाने के लिए तैयार रहें. अचानक मन में बदलाव आ सकते हैंजो कि आपके लिए फायदेमंद रहेंगे. जीवनसाथी से संबंधों में अनुकूलता रहेगी. दिन आपके लिए अच्छा है. पार्टनर से सरप्राइज मिलने के योग हैं. आपकी सेहत अच्छी रहेगी.

वृश्चिक राशि :- आप सभी गतिविधियों में चमकेंगे और आज भाग्य आपका साथ देगा. नौकरीपेशा जातकों के लिए कोई विशेष कार्य सफलता प्रदान कर सकता हैं. विदेशी संपर्क वाले लोगों को कुछ अचानक लाभ मिलेगा और यात्रा भी हो सकती है. आय अच्छी रहेगी और स्वरोजगार में लिप्त जातक एक आकर्षक सौदे को अंतिम रूप प्रदान कर सकते हैं. पारिवारिक सदस्यों के मध्य सामंजस्य रहेगा और पारिवारिक उत्सव आपको व्यस्त रखेंगे.

धनु राशि :- आपके खर्चे बजट को बिगाड़ सकते हैं और इसलिए कई योजनाएँ बीच में अटक सकती हैं. आर्थिक निवेश और लेन-देन से बचें, नुकसान होने संभावना है. कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है. प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त कर सकेंगे. आज आपकी राशि में वाहन सुख दिखाई देता है आज खर्च की आशंकाएं आपके साथ हैं इसलिए खर्च करते समय आपको थोड़ा सावधानी बरतनी चाहिए. संबंधो में भावनाओ की प्रधानता रहेगी.

मकर राशि :- आज आपको दिनभर सावधान रहना होगा. कुछ लोग अपने स्वार्थ के कारण आपके ही लिए परेशानी खड़ी करने की कोशिश करेंगे, सावधान रहें. आपके मन में उथल-पुथल हो सकती है. पुरानी बातों में आज आप उलझे हुए रहेंगे. किसी समस्या का समाधान हाथों-हाथ नहींहोगा. कुछ खास काम आज अधूरे रह सकते हैं. काम में आपका मन नहीं लगेगा. बिजनेस में नए एग्रीमेंट अभी न करें तो ही अच्छा है. सेहत के मामले में दिन ठीक-ठाक रहेगा.

कुम्भ राशि :- आपका रचनात्मक कौशल आज चरम पर होगा और आप इसका उपयोग अपने सभी कामों में करेंगे. रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोग अच्छा करेंगे और अच्छा लाभ भी प्राप्त करेंगे. आप बैठकों, प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों और सम्मेलनों में लोकप्रिय रहेंगे. आप अपने घर को ठीक करने की योजना बनाएंगे और कुछ कलाकृतियों की खरीदारी भी करेंगे. आज आपकी सहभागिता बढ़ेगी और आप अपने दोस्तों या परिवार के साथ एक छोटी यात्रा कर सकते हैं.

मीन राशि :- आज कोई भी बड़ा कदम उठाने से पहले आपको उससे जुड़े जोखिम के उपर भी विचार करना चाहिए. कार्य स्थल पर किसी से झगड़े और टकराव से बचने की कोशिश करें. आगे बढ़ने का दौर है. जो काम आपको दिया जाएगा, उसे आप निपटा लेंगे. आप जो भी करेंगे, उसके साथ कुछ एक्स्ट्रा जिम्मेदारी भी रहेगी. प्रेम संबंधों में सावधानी बरतें. आप अपने दिनभर के कामों की एक लिस्ट तैयार कर लें. परिवार की कुछ जिम्मेदारियां जीवनसाथी को सौंप सकते हैं.

दुखद हिंसा

कश्मीर में आतंकी हमलों का नया दौर दुखद ही नहीं, शर्मनाक भी है। बाहरी लोगों और विशेष रूप से बिहारवासियों को जिस तरह से निशाना बनाया गया है, उससे चिंता का दायरा बहुत बढ़ जाता है। मजदूरों और छोटे-मोटे धंधे करने वाले लोगों को मारने से किसका गौरव बढ़ रहा है? गरीबों की हत्या को आखिर किस आधार पर जायज ठहराया जा सकता है? कौन सा मजहब या कौन से राज्य की संस्कृति ऐसी हत्याओं का पक्ष ले सकती है? एक संदिग्ध संगठन ने प्रवासी मजदूरों पर हुए ताजा हमलों की जिम्मेदारी ली है और जो बहाना बनाया गया है, वह निंदनीय व हास्यास्पद है। इंसानियत पर धब्बा साबित हुए आतंकी चाहते हैं कि प्रवासी कश्मीर छोड़ जाएं, मानो कश्मीर उनकी व्यक्तिगत जायदाद हो? यह भी कहा गया है कि चूंकि बिहार में मुस्लिमों की हत्या हुई है, उसी का बदला लिया जा रहा है। बिहार या इतने बड़े देश में कहीं भी मुस्लिमों को निशाना बनाने जैसी कोई घटना नहीं है, इक्का-दुक्का हिंसक घटनाएं जो सामान्य रूप से होती आई हैं, उनमें पुलिस यथोचित कार्रवाई कर रही है। यह नहीं कहा जा सकता कि कश्मीर से बाहर देश में कहीं भी धार्मिक आधार पर विद्वेष की हवा चल रही हो। फिर भी अगर मजहब ही हत्या का आधार है, तो फिर सहारनपुर के सगीर अहमद को क्यों मारा गया? अपनी कुत्सित सुविधा के अनुसार, कभी बाहरी लोगों को, तो कभी गैर-मुस्लिमों को निशाना बनाना हर लिहाज से नाकाबिले बर्दाश्त है।

इन वारदात को अंजाम देकर आखिर कहां मुंह छिपाएंगे आतंकी? उन्हें ठिकाने लगाए बिना भारत में न्यायप्रियता स्थापित नहीं हो सकती। उनके कुतर्कों का जवाब सजा से ही देना चाहिए। कश्मीर में इस महीने मारे गए सभी 11 नागरिकों को न्याय मिलना चाहिए। अब सदी बदल चुकी है, आतंकवाद को भारत में कतई कामयाबी नहीं मिलने वाली। जो लोग हिम्मत करके कश्मीर पहुंचे हैं, जो लोग वहां अर्थव्यवस्था को बल प्रदान कर रहे हैं, उनके साथ नाइंसाफी दरअसल कश्मीर के साथ नाइंसाफी है। कश्मीर के लोगों को स्वयं ऐसी हिंसा का विरोध करना चाहिए। मानवीय और तार्किक आधार पर सोचना चाहिए। कश्मीर के दुश्मन हैं वे लोग, जो बाहरी या मजहबी आधार पर हिंसा कर रहे हैं। उनका चेहरा आज से तीस साल पहले छिप गया था, लेकिन अब नहीं छिपना चाहिए। भारत में हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह ऐसी हिंसा या सांप्रदायिकता के खिलाफ सावधान रहे। जो लोग कश्मीर में अमन चाहते हैं, उनके लिए यह परीक्षा की घड़ी है। यह अच्छी बात है कि बिहार सरकार अब कश्मीर में मारे जा रहे बिहारवासियों के परिजनों के साथ खड़ी हो गई है। हर राज्य को अपने नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान के प्रति सचेत रहना ही चाहिए। अगर बिहारवासी को कहीं सताया जा रहा है, तो इसकी चिंता बिहार के लोगों के साथ-साथ सरकार को भी होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड के लोगों का इस देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान है, इनके हित में देश में नई सजगता आनी चाहिए। कश्मीर में जो मजदूर मारे गए, उन्हें बिहार सरकार ही अकेले मुआवजा क्यों दे, क्या केंद्र सरकार को भी आगे नहीं आना चाहिए? कश्मीर में पूरी राजनीतिक बिरादरी को एकजुट होकर आगे आना होगा, ताकि हिंसा के नए दौर को समय रहते समाप्त किया जा सके और कश्मीरियत के दामन पर और दाग न लगे।

नेपाल में उठ रही हिंदी की मांग

मधेसी समुदाय का अपने सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों से रोटी और बेटी का रिश्ता है। वे लोग पहाड़ी मूल के लोगों की बजाय सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों की तरह दिखते, रहते, खाते-पीते और बोलते हैं। इनमें अवधी, भोजपुरी, थारू, बज्जिका, अंगिका, मैथिली, सतार, मगही, राजवंशी और मैथिलीभाषी शामिल हैं। नेपाल की जनकपुर उपमहानगर पालिका ने अपने अधीन प्राथमिक विद्यालय में मैथिली भाषा की पढ़ाई का फैसला लिया है। जनकपुर से महज तीस किलोमीटर दूर भारतीय सीमा में पहले से ही मैथिली की पढ़ाई हो रही है। भारत में मैथिली भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषा है। चूंकि जनकपुर के आसपास मैथिलीभाषियों की अच्छी-खासी संख्या है। लिहाजा जनकपुर उपमहानगर पालिका के इस निर्णय का मैथिलभाषी समुदाय में स्वागत होना लाजमी है। लेकिन नेपाल का ही एक वर्ग इस फैसले के विरोध में उतर आया है। दिलचस्प यह है कि उसे मैथिली से कोई बुनियादी विरोध नहीं है, बल्कि वह चाहता है कि मधेस इलाकों में हिंदी की विधिवत पढ़ाईहोनी चाहिए। हिंदी समर्थक इस वर्ग का तर्क है कि इस कदम से नेपाल में बोली जाने वाली भारतीय मूल की भाषाओं के बीच एकता का संदेश जाएगा और यह एकता मधेस समुदाय की राजनीतिक ताकत को बढ़ावा देगी। लेकिन मधेस समाज के लोग अपनी-अपनी भाषाओं की अगर पढ़ाई पर जोर देने लगेंगे तो इससे मधेस समाज में बिखराव आएगा और उनकी एकता में दरार बढ़ेगी। इसका सीधा फायदा संख्या के लिहाज से मधेस समुदाय की तुलना में छोटा खस आर्य मूल के नेपाली समुदाय का नेपाल की राजनीति में वर्चस्व बना रह सकता है।

नेपाल में भाषा को लेकर उठे इन सवालों पर विचार से पहले मधेस समुदाय के बारे में मोटे तौर पर कुछ बातें समझनाआवश्यक है। नेपाल में पहाड़ी मूल के अलावा तराई में जो लोग रहते हैं, उन्हें मधेस या मधेसी कहा जाता है। मधेस समुदाय की व्यापकता उत्तर प्रदेश की सीमा से लेकर बिहार होते हुए पश्चिम बंगाल की सीमा तक नेपाली हिस्से में है। नेपाल की कुल जनसंख्या तीन करोड़ है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 53 प्रतिशत यानी लगभग एक करोड़ साठ लाख लोग मधेसी है। नेपाल में बड़ी जनसंख्या होने के बावजूद यहां की शासन व्यवस्था में पहाड़ी मूल के लोगों का ही वर्चस्व रहा है, जिनकी जनसंख्या करीब एक करोड़ चालीस लाख है। मधेसी समुदाय का अपने सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों से रोटी और बेटी का रिश्ता है। वे लोग पहाड़ी मूल के लोगों की बजाय सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों की तरह दिखते, रहते, खाते-पीते और बोलते हैं। इनमें अवधी, भोजपुरी, थारू, बज्जिका, अंगिका, मैथिली, सतार, मगही, राजवंशी और मैथिलीभाषी शामिल हैं। नेपाल की राष्ट्रीय मुक्ति पार्टी के नेता रह चुके रमन पांडेय इन दिनों हिंदी के लिए स्वतंत्र रूप से अभियान चला रहे हैं। उनका तर्क है कि मैथिली की पढ़ाई से उन्हें एतराज नहीं है। लेकिन इससे मधेस समुदाय की आपसी एकता में दरार पड़ेगी। उनका कहना है कि नेपाल का पहाड़ी शासक समुदाय चाहता है कि मधेस समाज की एकता बाधित हो। यह उसके हित में है, क्योंकि मधेस जनसंख्या अगर बंटी होगी तो पहाड़ी मूल के लोगचुनावों में जीतते रहेंगे और कम संख्या के बावजूद वे देश पर शासन करते रहेंगे।

नेपाल में 133 भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन यहां मोटे तौर पर नेपाली और अंग्रेजी माध्यम से ही पढ़ाई होती है। नेपाल में हिंदी की पढ़ाई की मांग करने वाले वर्ग का तर्क है कि अगर हिंदी को शासकीय मान्यता मिलती है और उसकी पढ़ाई होती है तो वह नेपाल की सभी 133 भाषाओं के आपसी संपर्क का सबसे बड़ा जरिया होगी। यह मांग कुछ वैसे ही है, जैसे भारत में आपसी संपर्क भाषा के लिए हिंदी को अपनाने का विचार केशवचंद्र सेन, गुजराती कवि नर्मदा शंकर उपाध्याय, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी और बिनोबा भावे सदृश हस्तियों ने दिया था। विनोबा और पुरूषोत्तम दास टंडन ने तो देवनागरी लिपि को दूसरी भाषाओं द्वारा अपनाए जाने और उसके विस्तार की जोरदार पैरवी की थी। रमन पांडेय जैसे लोग भी नेपाल में हिंदी को कुछ उसी तरह आगे लाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि अगर हिंदी को मान्यता मिली तो नेपाल की स्थानीय भाषाओं के बीच मजबूत कड़ी बनकर उभरेगी। वैसे भी मधेस समुदाय जब दूसरे भाषा-भाषी से बात करता है तो वह हिंदी का ही सहारा लेता है। इससे नेपाली एकता की भावना को तो मजबूती मिलेगी ही, भारतीय सीमा पार रिश्तों को निभाने में नेपाली लोगों मदद मिलेगी। हिंदी समर्थकों का यह भी तर्क है कि मधेस समुदाय की आपसी एकता को भी हिंदी के ही जरिए मजबूती मिल सकेगी। मधेस आबादी नेपाल के बाइस जिलों में फैली हुई है। रमन पांडेय जैसे लोगों का तर्क है कि बाइस जिलों के लोगों को एक माला में जोड़ने में हिंदी ही कामयाब हो सकती है। रमन पांडेय का कहना है कि नेपाली भाषा बेहद छोटे समुदाय खस आर्य की भाषा है। जिनकी संख्या एक करोड़ भी नहीं है। लेकिन वह पूरे देश की एक मात्र भाषा बनी हुई है। इसमें दो राय नहीं कि नेपाल के तराई यानी मधेस और भारत से सटे इलाकों में हिंदी का प्रभाव गहरा और व्यापक है। नेपाल और भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत साझा है। नेपालमें भी हिंदी का व्यापक स्तर पर प्रयोग होता है। इतना ही नहीं, मधेस समुदाय के आपसी संपर्क का भी जरिया हिंदी ही है। हिंदी पहाड़ी यानी खस समुदाय के लिए भी मधेस समुदाय से जुड़ने का जरिया है। अगर हिंदी को मान्यता मिलती है तो संपर्क भाषा हिंदी को नई ताकत मिलेगी।

पर्यावरण संबंधी समस्या को भयावह रूप प्रदान कर रहा है प्लास्टिक कचरा

पर्यावरण के लिए प्लास्टिक पूरी दुनिया में बेहद खतरनाक साबित हो रहा है। इसीलिए इसका उपयोग सीमित करने और कई प्रकार के प्लास्टिक पर प्रतिबंध की मांग उठती रही है। भारत में भी ऐसी ही मांग निरन्तर होती रही है और समय-समय पर इसके लिए अदालतों द्वारा सख्त निर्देश भी जारी किए जाते रहे हैं किन्तु इन निदेशों की पालना कराने में सख्ती का अभाव सदैव स्पष्ट परिलक्षित होता रहा है। यही कारण है कि लाख प्रयासों के बावजूद प्लास्टिक के उपयोग को कम करने में सफलता नहीं मिल पा रही है। इसका अनुमान इन आंकड़ों से भी लगाया जा सकता है कि भारत में 1990 में पॉलीथीन की जो खपत करीब बीस हजार टन थी, वह अगले डेढ़ दशकों में ही कई गुना बढ़कर तीन लाख टन से भी ज्यादा हो गई। 10 अगस्त 2017 को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के तत्कालीन चेयरपर्सन स्वतंत्र कुमार की अगुवाई वाली बेंच ने अपने एक अहम फैसले में दिल्ली में 50 माइक्रोन से कम मोटाई वाली नॉन बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक की थैलियों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाते हुए सरकार को एक सप्ताह के भीतर ऐसे प्लास्टिक के सारे भंडार को जब्त करने का आदेश देते हुए कहा था कि दिल्ली में अगर किसी व्यक्ति के पास से प्रतिबंधित प्लास्टिक बरामद होते हैं तो उसे पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में 5 हजार रुपये की राशि भरनी होगी।

देश के बीस से भी अधिक राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों में प्रतिबंधित प्लास्टिक को लेकर इसी तरह के नियम लागू हैं लेकिन विड़म्बना ही है कि सख्ती के अभाव में इतना समय बीत जाने के बाद भी दिल्ली तथा देश के अन्य तमाम राज्यों में पॉलीथीन का उपयोग बदस्तूर जारी है। ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ल पुस्तक के अनुसार अगर देश में प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग में कमी नहीं आ रही है तो इसका सीधा और स्पष्ट अर्थ यही है कि इनके उत्पादन, बिक्री और उपयोग को लेकर संबंधित विभागों का रवैया बेहद गैर-जिम्मेदाराना और लापरवाही भरा रहा है। अक्सर देखा जाता है कि हमारी छोटी-बड़ी लापरवाहियों और कचरा प्रबंधन प्रणालियों की खामियों की वजह से पॉलीथीन या अन्य प्लास्टिक कचरा नालियों में भरा रहता है, जो नालियां, ड्रेनेज और सीवरेज सिस्टम को ठप्प कर देता है। यही कचरा अब नदियों के बहाव को अवरुद्ध करने में भी सहायक बनने लगा है, जो अब थोड़ी-सी ज्यादा बारिश होते ही जगह-जगह बाढ़ जैसी परिस्थितियां उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ल में मैंने विस्तार से बताया है कि किस प्रकार 1988 और 1998 में बांग्लादेश में आई भयानक बाढ़ का कारण यही प्लास्टिक ही था क्योंकि नालियों या नालों में प्लास्टिक जमा हो जाने से वहां के नाले जाम हो गए थे और इसीलिए इससे सबक लेते हुए बांग्लादेश में 2002 से प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया गया। आयरलैंड में प्लास्टिक थैलियों के इस्तेमाल पर 90 फीसदी टैक्स लगा दिया गया, जिसके चलते इनका इस्तेमाल बहुत कम हो गया। आस्ट्रेलिया में सरकार की अपील से ही वहां इन थैलियों के इस्तेमाल में 90 फीसदी कमी आई। अफ्रीका महाद्वीप के देश रवांडा में प्लास्टिक बैग बनाने, खरीदने और इस्तेमाल करने पर जुमार्ने का प्रावधान है। फ्रांस ने 2002 में प्लास्टिक पर पाबंदी लगाने का अभियान शुरू किया और 2010 में इसे पूरे देश में पूरी तरह से लागू कर दिया गया। न्यूयॉर्क शहर में रिसाइकल नहीं हो सकने वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा है। चीन, मलेशिया, वियतनाम, थाईलैंड, इटली इत्यादि देशों ने प्लास्टिक कचरे के आयात पर कई प्रकार के प्रतिबंध लगाए हैं।

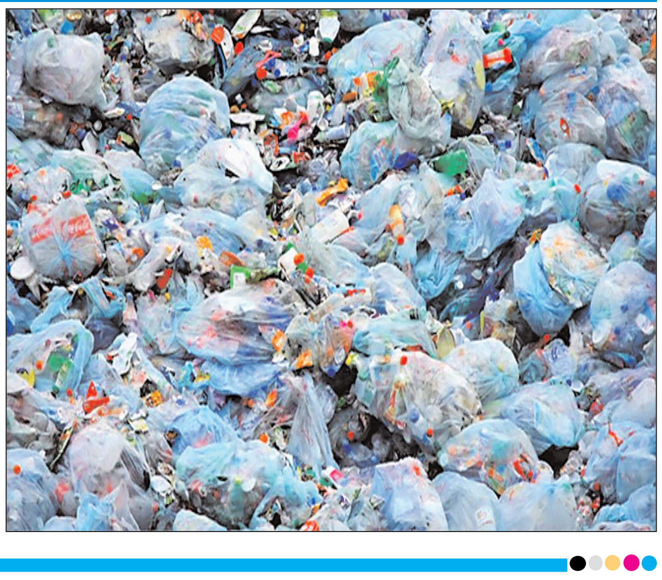

वोटिंग से पहले घर-घर जाकर पर्ची बाटेंगे बीएलओ , मतदान कर्मियों को दी जाएगी ट्रेनिंग

एजेंसी

बांकीपुर: बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने पूरी ताकत झोंक दी है. इस बार सिर्फ चुनाव कराने पर ही नहीं, बल्कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को मतदान केंद्र तक पहुंचाने पर भी खास जोर दिया जा रहा है. यही वजह है कि घर-घर मतदाता जागरूकता अभियान शुरू किया जा रहा है, ताकि कोई भी मतदाता अपने अधिकार का इस्तेमाल करने से न चूके.

बीएलओ को मिली ये जिम्मेदारी

इस अभियान के तहत बूथ लेवल अधिकारी यानी बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता पर्ची बांटेंगे. साथ ही लोगों को मतदान का महत्व समझाएंगे और मतदान वाले दिन जरूर वोट डालने की अपील करेंगे. खासतौर पर उन शहरी बूथों पर विशेष अभियान चलाया जाएगा, जहां पिछले चुनावों में मतदान प्रतिशत कम रहा था.

जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई प्लानिंग

स्वीप (सिस्टेमैटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन) अभियान के तहत शहर के प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक जगहों पर बैनर और पोस्टर लगाए जाएंगे. इसके अलावा मतदाता जागरूकता रैली, जागरूकता रथ, कॉलेजों में कार्यक्रम, मतदान की शपथ, रंगोली कंपटीशन, सोशल मीडिया समेत अन्य तरह के अभियान के जरिए लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया जाएगा.

मतदान कर्मियों को दी जाएगी ट्रेनिंग

अधिकारियों का मानना है कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब हर पात्र मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेगा. चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए मतदान कर्मियों के लिए ट्रेनिंग की भी शुरूआत हो गई है. 16 से 18 जुलाई तक पहले फेज जबकि 23 और 24 जुलाई को दूसरे फेज की ट्रेनिंग दी जाएगी. इसके अलावा ईवीएम कलेक्शन टीम और मतगणना कर्मियों को भी अलग-अलग फेज में ट्रेनिंग दी जाएगी.

21 कोषांग को किया गया एक्टिव

जानकारी के मुताबिक, उपचुनाव की तैयारी संभालने के लिए 21 कोषांग को एक्टिव किए गए हैं. इसमें जिला प्रशासन ने कार्मिक, हेल्पलाइन, विधि-व्यवस्था, मीडिया और एमसीएमसी, स्वीप समेत अन्य शामिल हैं. बांकीपुर विधानसभा को 42 सेक्टर में डिवाइड किया गया है और 422 पोलिंग बूथ बनाए जायेंगे. यहां पर वोटर्स के लिए सभी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी.

हार नहीं मानेंगे.. मुक्त होगा तिब्बत', महाबोधि मंदिर के बाहर तिब्बती समुदाय के लोगों का प्रदर्शन

एजेंसी

गया: बिहार के बोधगया में अंतर्राष्ट्रीय धरोहर महाबोधि मंदिर के बाहर तिब्बती लोगों खासकर महिलाओं ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया. इस दौरान भावुक गुहार लगाते हुए तिब्बत के मुद्दे पर भारत की ओर से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की. शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान तिब्बत की आजादी और चीन के विरोध से जुड़े पोस्टर और तख्तियां तिब्बतियन लोगों ने ले रखे थे.

महाबोधि मंदिर के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन: मंगलवार की संध्या को विश्व धरोहर महाबोधि मंदिर के बाहर तिब्बतियन लोगों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया. इसमें काफी संख्या में तिब्बती महिलाएं भी शामिल हुई. तिब्बती महिलाएं भावुक गुहार लगाती भी दिखी. पोस्टर और तख्तियों के साथ इस प्रदर्शन में शामिल हुई महिलाओं की आंखें छलक रही थी. इन महिलाओं के हाथों में जो पोस्टर और तख्तियां थे, उसमें तिब्बत का समर्थन और चीन का विरोध की तस्वीरें थी.

'चीन कर रहा तिब्बत में लोगों का दमन': महाबोधि मंदिर के बाहर प्रदर्शन में शामिल तिब्बतियन लोगों ने कहा कि चीन काफी समय से तिब्बत में मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहा है. वहां के लोगों का चीन दमन कर रहा है. तिब्बतियन के साथ कई तरह की प्रताड़नाएं और परेशानियां उत्पन्न कर रहा है.प्रदर्शनकारी तिब्बती लोगों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे को गंभीरता से उठाने की अपील की. वहीं, भारत सरकार से भी समर्थन की अपील की है. प्रदर्शनकारियों ने कहा कि भारत सरकार तिब्बत के मुद्दे को लेकर सक्रियता दिखाए और अपनी प्रभावी भूमिका निभाए. तिब्बतियन प्रदर्शन कर रहे तिब्बतियन का कहना था कि तिब्बत की पूर्ण आजादी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आवाज उठानी चाहिए.

दुष्कर्म के प्रयास मामले में आरोपी दोषमुक्त, 13 साल बाद पटना हाईकोर्ट का फैसला

एजेंसी

पटना: पटना हाईकोर्ट ने बांका जिले के अमरपुर में वर्ष 2008 में दर्ज हुए दुष्कर्म के प्रयास के एक मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी को बरी कर दिया है. जस्टिस पूर्णेंदु सिंह की एकल पीठ ने निचली अदालत द्वारा वर्ष 2013 में आरोपी को दी गई तीन साल की सश्रम कारावास की सजा को रद्द करते हुए कहा कि यह अपराध लज्जा भंग करने के बराबर है.

दुष्कर्म मामले में पटना HC का बड़ा फैसला: कोर्ट ने अपने फैसले में पुलिस और अभियोजन पक्ष की घोर लापरवाहियों को उजागर किया, जिसके कारण आरोपी को संदेह का लाभ देकर बरी करना पड़ा. साथ ही अदालत ने जमा की गई जुमार्ना राशि को भी वापस करने का निर्देश दिया है. मामला बांका जिले के अमरपुर थाना कांड संख्या 14/2008 से जुड़ा है. आरोप के अनुसार, 19 जनवरी 2008 को पीड़िता अपने पिता के साथ अमरपुर स्थित 'छाया स्टूडियो' में फोटो खिंचाने गई थी. आरोप था कि स्टूडियो के मालिक हिमांशु कुमार पाठक उर्फ मिथिया पाठक ने पीड़िता को अंदर कमरे में ले जाकर फोटो खींची और उसके पिता को बाहर कंप्यूटर स्क्रीन पर फोटो देखने भेज दिया.

पीड़िता के साथ जबरदस्ती, दुष्कर्म के प्रयास का आरोप: इसके बाद आरोपी ने अंदर से दरवाजा बंद कर पीड़िता के साथ जबरदस्ती करने और दुष्कर्म का प्रयास किया. पीड़िता के शोर मचाने पर जब पिता ने दरवाजा धक्का दिया, तो आरोपी वहां से भाग निकला. इस मामले में बांका अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने आरोपी को आईपीसी की धारा 376/511 और 342 के तहत दोषी पाते हुए सजा सुनाई थी. इसके खिलाफ आरोपी ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी.

जांच अधिकारी से पूछताछ नहीं की गई: हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि अभियोजन पक्ष ने जांच और मुकदमे की पैरवी में बुनियादी कानूनी प्रक्रियाओं की पूरी तरह अनदेखी की. कोर्ट में चार्जशीट (आरोप पत्र) दाखिल करने वाले जांच अधिकारी से भी पूछताछ नहीं की गई. मामले में केवल एक औपचारिक पुलिसकर्मी को पेश किया गया, जिसने केवल केस डायरी में एक नोट दर्ज किया था. साथ ही दुष्कर्म के प्रयास जैसे गंभीर आरोपों की पुष्टि के लिए किसी भी चिकित्सा अधिकारी की गवाही नहीं कराई गई. कोर्ट रिकॉर्ड पर कोई भी चिकित्सकीय साक्ष्य उपलब्ध नहीं था.

एक गवाह पलटा: अभियोजन पक्ष कुल पांच गवाहों को ही कोर्ट में ला सका. इनमें से एक स्थानीय स्वतंत्र गवाह मुकर गया. वहीं पीड़िता की मां घटना की प्रत्यक्षदर्शी नहीं थीं, बल्कि केवल सुनी-सुनाई बातों की गवाह थीं. अभियोजन पक्ष का मामला केवल पीड़िता और उसके पिता के बयानों पर ही टिका रह गया, जिन्हें स्वतंत्र साक्ष्यों का समर्थन नहीं मिला. जस्टिस पूर्णेंदु सिंह ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि दुष्कर्म से जुड़े मामलों में यद्यपि पीड़िता की एकल गवाही को आधार माना जा सकता है, लेकिन वह गवाही पूरी तरह विश्वसनीय और त्रुटिहीन होनी चाहिए.

रिकॉर्ड में कोई मेडिकल सबूत नहीं था: इस मामले में स्वतंत्र गवाहों, वास्तविक जांच अधिकारी और मेडिकल डॉक्टर की अनुपस्थिति ने मामले को बेहद कमजोर कर दिया है. दुष्कर्म के प्रयास के आरोपों को साबित करने वाल्ल रहा है. कोर्ट ने आरोपी हिमांशु कुमार पाठक को सभी आरोपों से बरी करते हुए उसकी जमानत बांड की देनदारी को समाप्त कर दिया और जमा की गई जुमार्ना राशि को भी वापस करने का निर्देश दिया है.

संक्षिप्त खबर

बिहार कैबिनेट की बैठक, युवाओं के लिए नौकरी, नई योजनाओं समेत लिए जा सकते हैं ये फैसले

बिहार: बिहार कैबिनेट की बैठक आज शाम मुख्य सचिवालय स्थित मंत्रिमंडल कक्ष में होगी. इस बैठक में सीएम सम्राट चौधरी, डिप्टी सीएम बिजेंद्र यादव और विजय चौधरी समेत कई विभागों के मंत्री और अधिकारी शामिल होंगे. इस बैठक में कई विभागों से जुड़े मुख्य एजेंडों पर मुहर लग सकती है. बैठक के बाद शाम 6 बजे कैबिनेट ब्रीफिंग होगी.आज की बैठक में बिहार के युवाओं के लिए नई नौकरी को लेकर फैसला लिया जा सकता है. कई विभागों में उनके लिए नई बहाली निकाली जा सकती है. सरकार की तरफ से साल 2030 तक 1 करोड़ युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य तय किया गया है. ऐसे में आज होने वाली कैबिनेट की बैठक में उनसे जुड़ा फैसला लिया जा सकता है.इसके अलावा नई योजनाओं को मंजूरी मिल सकती है. कई विभागों से जुड़ी महिलाओं, विधवा, बुजुर्गों और बिहार के लोगों के हित में नई योजनाओं पर मुहर लग सकती है. साथ ही सामान्य प्रशासन विभाग से जुड़ा फैसला भी लिया जा सकता है. इस बैठक में राज्य में सड़क, फोरलेन, पुल समेत नए निमार्णों को भी मंजूरी मिल सकती है. बिहार में रोड के साथ-साथ रेल और हवाई कनेक्टिविटी पर भी पूरा जोर दिया जा रहा है.इससे पहले 8 जुलाई को कैबिनेट की बैठक हुई थी, जिसमें 22 एजेंडों पर मुहर लगी थी. इसमें ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और शहरी विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल थे. खासकर बिहार में तेज और आधुनिक परिवहन व्यवस्था की दिशा में कदम उठाया गया था. पटना से चार प्रमुख शहरों के बीच रैपिड रेल चलाने की मंजूरी दी गई थी. जानकारी के मुताबिक, पटना से मुजफ्फरपुर (हाजीपुर और सोनपुर होते हुए), पटना से बेगूसराय, पटना से आरा और पटना से गया जी के बीच रैपिड रेल चलाई जाएगी. सम्राट कैबिनेट में इन रूटों के लिए DPR तैयार करने की मंजूरी दे दी थी. राज्य में रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (RRTS) के तहत चार कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे.

कस्तूरबा स्कूल के खाने में छिपकली, छात्राओं की बिगड़ी तबीयत, जांच शुरू

बिहार: पूर्वी चंपारण जिले के संग्रामपुर प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में मंगलवार रात छात्राओं को परोसे गए भोजन में कथित तौर पर छिपकली मिलने के बाद कई बच्चियों की तबीयत खराब हो गई. खाना खाने के कुछ देर बाद उन्हें पेट दर्द, उल्टी और घबराहट की शिकायत होने लगी.विद्यालय प्रशासन ने तुरंत बीमार छात्राओं को संग्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया. डॉक्टरों के मुताबिक, सभी छात्राओं की हालत फिलहाल स्थिर है. हालांकि छह छात्राओं को एहतियात के तौर पर अस्पताल में निगरानी में रखा गया है. जबकि बाकी छात्राओं को इलाज के बाद घर भेज दिया गया.जानकारी के अनुसार, रात का भोजन परोसते समय खाने में छिपकली दिखाई दी. इसके बाद खाना परोसना बंद कर दिया गया. हालांकि तब तक कई छात्राएं भोजन कर चुकी थीं. खाना खाने के कुछ समय बाद कई बच्चियों की तबीयत बिगड़ने लगी. इसके बाद स्वास्थ्य विभाग को घटना की सूचना दी गई.घटना के समय विद्यालय में कुल 73 छात्राएं मौजूद थीं. जबकि विद्यालय में 87 छात्राएं नामांकित हैं. बताया गया कि वार्डन छुट्टी पर थीं. घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन सक्रिय हो गया और मामले की जांच शुरू कर दी है.प्रशासन यह पता लगाने में जुटा है कि भोजन में छिपकली कैसे पहुंची और भोजन बनाने या परोसने के दौरान कहीं लापरवाही तो नहीं हुई. प्रशासन का कहना है कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी. अगर जांच में किसी की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.साथ ही सभी विद्यालयों में खाद्य सुरक्षा के नियमों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश भी दिए जाएंगे. इधर इस घटना के बाद अभिभावकों में चिंता बढ़ गई है. उन्होंने आवासीय विद्यालयों में भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई की नियमित जांच कराने की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों.

भरत तिवारी एनकाउंटर केस : एसी सी का सुनवाई से इनकार, पटना हाईकोर्ट जाने की दी सलाह

बिहार : भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर केस में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करने से इनकार कर दिया है. जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की पीठ ने याचिकाकर्ता को पहले पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर करने को कहा है. सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट में उपलब्ध कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करने के बाद ही जरूरत पड़ने पर शीर्ष अदालत का रुख किया जा सकता है. अदालत ने कहा कि पटना हाईकोर्ट इस मामले की सुनवाई के लिए उचित मंच है.अगर हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद कोई महत्वपूर्ण कानूनी मुद्दा बचता है, तो आगे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जा सकता है. दरअसल भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में प्रिया मिश्रा की ओर से अधिवक्ता नरेंद्र मिश्रा ने याचिका दाखिल की थी. इसमें भरत भूषण तिवारी की मौत की जांच एक स्वतंत्र समिति से कराने की मांग की गई थी. समिति की निगरानी किसी सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट जज की अध्यक्षता में कराने की मांग की गई थी. याचिका में कथित एनकाउंटर में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और घटना के समय मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की जांच की भी मांग की गई थी.इस मामले में सुप्रीम कोर्ट पहले भी एक याचिका पर सुनवाई से इनकार कर चुका है. पिछले सप्ताह अधिवक्ता विशाल तिवारी की ओर से दायर याचिका में कथित एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए सीबीआई जांच की मांग की गई थी. उस समय भी अदालत ने याचिकाकर्ता को पहले पटना हाईकोर्ट जाने की सलाह दी थी. सुप्रीम कोर्ट के लगातार दो बार हस्तक्षेप से इनकार के बाद अब याचिकाकताओं की अगली कार्रवाई पटना हाईकोर्ट में होने की संभावना है. हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद ही यह तय होगा कि मामले की जांच किस दिशा में आगे बढ़ेगी.

बिहार में अगले तीन घंटे सावधान, इन जिलों में झमाझम बारिश को लेकर आईएमडी का अलर्ट

एजेंसी

पटना: बिहार में मौसम विभाग ने कई जिलों में अगले तीन घंटे में मूसलाधार बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है. राज्य में बीते एक सप्ताह से मानसून सक्रिय है. मंगलवार को कई जिलों में बारिश से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली. कोसी सीमांचल क्षेत्र में बारिश के कारण लोगों के घरों में पानी घुस गया. बुधवार को मौसम विभाग ने राज्य के आधे हिस्से में आंधी-पानी को लेकर पूवार्नुमान जारी किया है.

इन जिलों में अगले तीन घंटे में बारिश: 11:30 बजे सुबह जारी पूवार्नुमान के अनुसार अगले तीन घंटे दरभंगा, पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, मुजफ्फरपुर, शिवहर, समस्तीपुर और सीतामढ़ी में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग ने इन जिलों के लोगों के लिए चेतावनी जारी की है. आईएमडी के अनुसार 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी, वज्रपात के साथ भारी बारिश होगी. खेत में काम करने वाले किसानों को सावधानी बरतने की सलाह दी है.न जिलों में भारी बारिशः मधुबनी, सुपौल, पूर्णिया, कटिहार में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट है तो वहीं अररिया और किशनगंज में मूसलाधार बारिश की संभावना है. मौसम विभाग ने अररिया और किशनगंज में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में 50-60 किमी की रफ्तार से आंधी, मेघ गर्जन और वज्रपात की भी संभावना है.

इन जिलों में येलो अलर्ट: पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर, खगड़िया, समस्तीपुर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सारण, सिवान और गोपालगंज में येलो अलर्ट जारी किया गया है. इन जिलों में आंधी-तूफान के साथ वज्रपात की संभावना है. हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है.आगे कैसा रहेगा मौसमः मौसम विभाग ने राज्य में 18 जुलाई तक कई जिलों में आंधी-पानी को लेकर पूवार्नुमान जारी किया है. 16 जुलाई को अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार, 17 जुलाई को मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज और 18 जुलाई को सुपौल, अररिया और किशनगंज में भारी बारिश का पूवार्नुमान है. इसके साथ ही राज्य के आधे से ज्यादा हिस्सों में मौसम खराब रहने को लेकर येलो अलर्ट है.

बिहार में दारोगा की पिस्टल-मोबाइल छीनकर भागा बदमाश, पुलिस ने एनकाउंटर में दबोचा, 2 अब भी फरार

एजेंसी

खगड़िया: जिले के बेलदौर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई. पुलिस के अनुसार, वाहन जांच के दौरान सब इंस्पेक्टर से सरकारी पिस्टल छीनकर भागने वाले एक आरोपी को जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगी. घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि उसके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए. पुलिस उनकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है.

वाहन जांच के दौरान पुलिस टीम पर हमला : पुलिस के मुताबिक, बेलदौर थाना क्षेत्र में नियमित वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था. इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्ध युवकों को रोकने का प्रयास किया गया. जांच के दौरान तीनों पुलिस टीम से उलझ गए और कथित तौर पर एक सब इंस्पेक्टर के साथ मारपीट कर उनकी सरकारी पिस्टल छीनकर फरार हो गए.

एसपी के निर्देश पर बनी विशेष टीम : घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक भानु प्रताप सिंह के निर्देश पर डीएसपी, DIU और बेलदौर थाना पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई. टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को पकड़ लिया.

कस्टडी से भागने की कोशिश : पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी को लेकर लौटने के दौरान सकरोहर कुर्बन प्रधानमंत्री पथ पर रांकि बासा के समीप उसने पुलिस अभिरक्षा से भागने और टीम पर हमला करने का प्रयास किया. पुलिस ने पहले उसे आत्मसमर्पण की चेतावनी दी. आरोप है कि जब वह नहीं रुका तो आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी. घायल आरोपी को तत्काल अस्पताल भेजा गया

दो फरार साथियों की तलाश तेज: घायल आरोपी की पहचान बेलदौर थाना क्षेत्र के कुर्बान गांव (वार्ड संख्या 4) निवासी लालो सदा के पुत्र अखिलेश कुमार के रूप में हुई है. उसके दो साथी मौके से फरार हो गए. पुलिस संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है.

मौके से दो खोखा बरामद : मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने दो खोखा बरामद किए हैं. घटना के बाद इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है. पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना देने की अपील की है.

35 साल बाद कोर्ट के आदेश पर बजी डुगडुगी, 103 वर्षीय हबीबन खातून को मिली अपनी जमीन

एजेंसी

मोतिहारी : बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के कल्याणपुर प्रखंड के मंगलापुर गांव में बुधवार को एक लंबे समय से चले आ रहे जमीन विवाद का अंत हुआ. करीब 35 वर्षों तक न्यायालय में चली कानूनी प्रक्रिया के बाद 103 वर्षीय हबीबन खातून को उनकी जमीन का विधिवत कब्जा दिलाया गया. न्यायालय के आदेश के अनुपालन में प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच दखल दहानी की कार्रवाई पूरी कराई.

35 साल कोर्ट में लड़ाई फिर मिली जमीन : प्राप्त जानकारी के अनुसार, हबीबन खातून और अन्य पक्षों के बीच करीब 1 कट्ठा 4 धुर भूमि को लेकर वर्ष 1994 से विवाद चल रहा था. मामला न्यायालय में विचाराधीन था. लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने हबीबन खातून के पक्ष में फैसला सुनाते हुए प्रशासन को आदेश का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

प्रशासन की मौजूदगी में कराई गई दखल दहानी : न्यायालय के आदेश के बाद राजस्व विभाग, स्थानीय प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम गांव पहुंची. निर्धारित प्रक्रिया के तहत संबंधित भूमि पर दखल दहानी कराई गई और कब्जा हबीबन खातून को सौंप दिया गया. कार्रवाई के दौरान न्यायालय के आदेश की सार्वजनिक जानकारी देने के लिए गांव में डुगडुगी भी बजवाई गई.

भारी सुरक्षा व्यवस्था रही तैनात : भूमि विवाद को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए थे. मौके पर करीब 300 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी. इसके अलावा मजिस्ट्रेट, राजस्व विभाग के अधिकारी और कल्याणपुर थाना पुलिस पूरी कार्रवाई के दौरान मौजूद रहे. प्रशासन की निगरानी में पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई.

परिवार ने जताई संतुष्टि : जमीन का कब्जा मिलने के बाद हबीबन खातून के परिवार ने न्यायालय और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया. परिजनों ने कहा कि वर्षों तक चले कानूनी संघर्ष के बाद परिवार को आखिरकार उसका अधिकार मिल गया. उनके अनुसार, यह फैसला धैर्य और न्यायिक प्रक्रिया पर विश्वास बनाए रखने का परिणाम है.

चर्चा में खबर : पूर्वी चंपारण का यह मामला केवल भूमि विवाद के निपटारे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से अधिकार प्राप्त करने की एक महत्वपूर्ण मिसाल भी बनकर सामने आया है. करीब 35 वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद 103 वर्षीय महिला को अपनी जमीन का अधिकार मिलना इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है.

स्कूल का रास्ता अवरुद्ध करने को लेकर छात्रों का प्रदर्शन, प्रशासन से की तत्काल हस्तक्षेप की मांग

एजेंसी

गढ़वा: जिस विद्यालय से सैकड़ों बच्चों का भविष्य सवंर रहा है, उसी विद्यालय के बच्चों को सड़क जाम करने पर मजबूर होना पड़ा है. रंका थाना क्षेत्र के चुतरू हाई स्कूल की जमीन पर कब्जा करने की नीयत से दूसरे पक्ष द्वारा हल जोतने और विद्यालय आने-जाने का रास्ता अवरुद्ध करने का मामला सामने आया है. इस घटना से आक्रोशित स्कूली छात्र-छात्राएं सड़कों पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है.प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि विद्यालय परिसर से सटी जमीन को खेत के रूप में जोत दिया गया है, जिससे स्कूल का रास्ता प्रभावित हो गया है. छात्रों ने आरोप लगाया कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो विद्यालय का आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाएगा, जिससे पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ेगा.छात्रा, विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष और एसडीएम का बयान वहीं,

विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नईमुद्दीन अंसारी ने कहा कि कुछ लोगों के द्वारा जबरदस्ती जमीन कब्जा किया जा रहा है. इससे स्कूल का रास्ता अवरुद्ध हो चुका है. अगर प्रशासन इस पर कोई कार्रवाई नहीं करता है तो इस मामले को उपायुक्त के पास लेकर जाएंगे.एसडीएम परवेज आलम ने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. यदि विद्यालय की जमीन या सार्वजनिक रास्ते पर अवैध कब्जे की पुष्टि होती है तो नियमानुसार कब्जा हटाने और दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी.

अमेरिका में जन्मा एआई उसी पर पड़ रहा भारी, 6 माह में छीनी साढ़े चार लाख नौकरियां

नई दिल्ली

अमेरिका से जन्मा एआई अब अमेरिका पर ही भारी पड़ने लगा है। इसकी वजह से लाखों लोग बेरोजगार होने लगे हैं। सामने आए डेटा के मुताबिक, अमेरिका में जनवरी से जून 2026 के बीच 4.43 लाख से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी की गई है। सबसे ज्यादा असर टेक सेक्टर पर पड़ा है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब नौकरियां जाने की सबसे बड़ी वजह बनकर सामने आया है।

अमेरिकी आउटप्लेसमेंट फर्म चैलेंजर, ग्रे एंड क्रिसमस की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2026 की पहली छमाही में अमेरिका की कंपनियों ने अलग-अलग सेक्टरों में 4,43,600 कर्मचारियों की छंटनी की। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 43 प्रतिशत कम है। 2025 में अमेरिकी संघीय कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर हुई छंटनी के कारण रिकॉर्ड स्तर देखने को मिला था।

अमेरिका में जनवरी से जून के बीच 4.43 लाख से ज्यादा की छंटनी

पिछले साल से 66 प्रतिशत ज्याद छंटनियां

रिपोर्ट के अनुसार, इस साल टेक सेक्टर सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। जनवरी से जून के बीच टेक कंपनियों ने 1,23,653 कर्मचारियों की नौकरी खत्म की, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 66 प्रतिशत अधिक है। लगातार तीन महीनों से टेक कंपनियां छंटनी की मुख्य वजह एआई को बता रही हैं। चैलेंजर, ग्रे एंड क्रिसमस के चीफ रेवेन्यू ऑफिसर एंडी चैलेंजर ने कहा कि, अब कंपनियां कर्मचारियों की छंटनी के लिए सबसे ज्यादा एआई का हवाला दे रही हैं और टेक इंडस्ट्री इसमें सबसे आगे है।

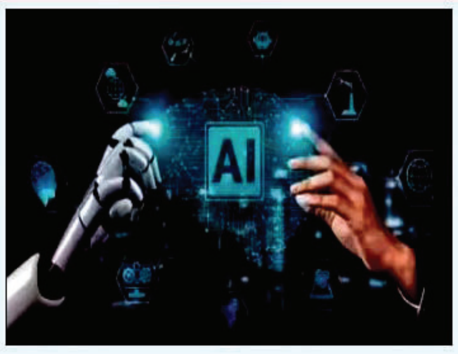

मई 2026 रहा सबसे कठिन महीना

रिपोर्ट के मुताबिक, मई 2026 टेक कर्मचारियों के लिए सबसे कठिन महीना रहा। इस दौरान कुल 97,006 नौकरियां खत्म की गईं, जिनमें से 38,242 केवल टेक सेक्टर की थीं। इसी समय मेटा जैसी बड़ी कंपनियों ने भी एआई को अपनाने और संगठन में बदलाव का हवाला देते हुए हजारों कर्मचारियों की छंटनी की। रिपोर्ट बताती है कि, इस साल हुई कुल छंटनी में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी एआई की रही, जिससे साफ है कि इसका सबसे ज्यादा असर व्हाइट-कॉलर नौकरियों पर पड़ रहा है।

नई भर्तियां काफी कमजोर

कंपनियों का कहना है कि जैसे पहले स्प्रेडशीट और ईमेल ने काम करने का तरीका बदला था, वैसे ही एआई आगे चलकर उत्पादकता बढ़ाएगा, लेकिन फिलहाल इसकी वजह से हजारों लोग नौकरी गंवा रहे हैं। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने भी कर्मचारियों को भेजे संदेश में एआई को हमारे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण तकनीक बताया था। वहीं, छंटनी के बीच नई भर्तियां अब भी कमजोर बनी हुई हैं।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

खाद्य वस्तुओं के दाम चढ़ने से जून में थोक महंगाई बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर

नई दिल्ली

खाद्य व गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी से जून में थोक मुद्रास्फीति बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर पहुंच गई। मई में यह 9.68 प्रतिशत के स्तर पर थी। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) की गणना के लिए आधार वर्ष 2022-23 है। खाद्य वस्तुओं में मुद्रास्फीति जून में बढ़कर 5.49 प्रतिशत हो गई जो मई में 3.60 प्रतिशत थी। गैर-खाद्य वस्तुओं में थोक महंगाई 11.07 प्रतिशत रही जबकि खनिज श्रेणी में यह 9.45 प्रतिशत दर्ज की गई।

- डब्ल्यूपीआई की गणना के लिए आधार वर्ष 2022-23 है

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि थोक मुद्रास्फीति के जून, 2026 के आंकड़े पर खनिज तेल (जिसमें पेट्रोलियम उत्पाद शामिल हैं), खाद्य वस्तुएं, विनिर्मित मूल धातु तथा विनिर्मित रसायन एवं रासायनिक उत्पादों की कीमतों का असर दिखा।

खास बातें

- खाद्य वस्तुओं में मुद्रास्फीति जून में बढ़कर 5 .49 फीसदी थी
- गैर-खाद्य वस्तुओं में थोक महंगाई 11.07 प्रतिशत रही

महंगाई अपने उच्चतम स्तर के करीब

बार्कलेज ने कहा, '' हालांकि, पश्चिम एशिया में तनाव फिर बढ़ने से युद्धविराम समझौता एक बार फिर खतरे में पड़ गया है। ऐसे में हम थोक महंगाई और उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) के आगामी आंकड़ों पर करीबी नजर रखे हुए हैं। हमारा मानना है कि मुद्रास्फीति के ये आंकड़े अब अपने उच्चतम स्तर के करीब हैं और आने वाले कुछ महीनों में इनमें नरमी आने की उम्मीद है।''

वैश्विक स्तर पर जिंस व कच्चे तेल में कुछ नरमी रही

बार्कलेज ने बयान में कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद जून में वैश्विक स्तर पर जिंस और कच्चे तेल की कीमतों में कुछ नरमी आई। इसका असर ईंधन एवं बिजली श्रेणी की थोक महंगाई में कमी के रूप में दिखाई दिया।

प्राथमिक वस्तुओं की कीमतों में तेजी रही

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च की निदेशक मेघा अरोड़ा ने कहा कि जून में कुल थोक मुद्रास्फीति में वृद्धि की मुख्य वजह प्राथमिक वस्तुओं की कीमतों में तेजी रही, जिसने ईंधन श्रेणी की मुद्रास्फीति में आई नरमी के असर को बेअसर कर दिया।

थोक महंगाई के नरम पड़ने के आसार

बोफा ग्लोबल रिसर्च में भारत और आसियान आर्थिक अनुसंधान के प्रमुख राहुल बजोरिया ने कहा कि 2026 की तीसरी तिमाही में थोक मुद्रास्फीति के नरम पड़ने के आसार हैं। खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति भी जून में बढ़कर 17 महीने के उच्चस्तर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जबकि इससे पिछले महीने यह 3.93 प्रतिशत थी।

आरबीआई खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तय करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है। सरकार ने दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ कुल मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत पर बनाए रखने का दायित्व सौंपा है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के अपने अनुमान को पिछले महीने 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया था।

अदाणी प्रॉपर्टीज ने लगाई छलांग चौथे स्थान पर पहुंची : रिपोर्ट

2026 ग्रोहे-हुरुन इंडिया रियल एस्टेट 150' रिपोर्ट जारी

मुंबई

उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके परिवार की रियल एस्टेट संपत्ति में 72 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि हुई है। यह वृद्धि ऐसे साल में हुई है जो इस क्षेत्र के लिए अच्छा नहीं रहा और जिसमें ज्यादातर कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट देखी गई। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह कहा गया है।

- रियल एस्टेट संपत्ति में 72 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि

अहमदाबाद स्थित अदाणी समूह की कंपनी अदाणी प्रॉपर्टीज का उल्लेख करते हुए '2026 ग्रोहे-हुरुन इंडिया रियल एस्टेट 150' रिपोर्ट में कहा गया, ''भारत के सबसे धनाढ्य व्यक्ति, गौतम अदाणी, देश का सबसे बड़ा रियल एस्टेट कारोबार खड़ा कर सकते हैं।'' अदाणी समूह कई साल से रियल एस्टेट कारोबार में है और कई शहरों में इसकी परियोजनाएं चल रही हैं। यह मुंबई में धारावी झुग्गी बस्ती इलाके का पुनर्विकास कर रहा है। इसमें महाराष्ट्र सरकार की एक छोटी भागीदारी है। इसके अलावा, मोतीलाल नगर जैसी अन्य बड़ी परियोजना पर भी काम जारी है।

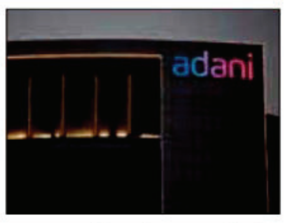

सूची में डीएलएफ सबसे ऊपर

यह सूची एक ऐसे साल की कहानी बताती है जिसमें तेजी कम हुई। नए आने वालों का प्रदर्शन दिखाता है कि क्षेत्र की रफ्तार किस तरफ बढ़ी है। इस सूची में डीएलएफ 1.46 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ सबसे ऊपर है। उसके बाद लोढ़ा डेवलपर्स का स्थान है जिसका मूल्यांकन 93,700 करोड़ रुपये है।

टाटा ग्रुप का होटल उद्यम तीसरे स्थान पर

टाटा ग्रुप का होटल उद्यम आईएचसीएल 93,300 करोड़ रुपये के मूल्य के साथ तीसरे स्थान पर है और गौतम अदाणी चौथे स्थान पर हैं। रितेश अग्रवाल की कंपनी 'प्रिज्म' या 'ओयो' शीर्ष-10 में शामिल होकर पांचवें नंबर पर आ गई है। इसका मूल्यांकन दोगुना से अधिक होकर 67,200 करोड़ रुपये हो गया है।

सोने में 700 रुपए की गिरावट और चांदी 8,900 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमत 700 रुपये गिरकर 1.46 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई, जबकि कमजोर मांग के कारण घरेलू सराफा बाजार में चांदी 8,900 रुपये प्रति किलो टूट गई। घरेलू सराफा बाजार में मांग कमजोर रहने से कीमती धातुओं पर दबाव बना रहा।

- सोना गिरकर 1.46 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया
- चांदी लुढ़ककर 2,26,100 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई

अखिल भारतीय सराफा संघ ने कहा कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 700 रुपये कमजोर होकर 1,46,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर समेत) पर आ गया। यह पिछले कारोबारी सत्र में 1,47,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सोने के मुकाबले चांदी में और भी तेज गिरावट दर्ज की गई। इसकी कीमत 8,900 रुपये लुढ़ककर 2,26,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई। इससे पहले सोमवार को चांदी 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। सर्राफा कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में कीमतें अपेक्षाकृत मजबूत रहने के बावजूद आभूषण विक्रेताओं और औद्योगिक उपभोक्ताओं की सुस्त मांग के चलते बाजार पर दबाव बना रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना मामूली बढ़त के साथ 4,020.13 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी करीब एक प्रतिशत बढ़कर 58.06 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से बाजार प्रभावित

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के जिंस विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, ''सोमवार की तेज गिरावट के बाद सराफा बाजार में सुधार की कोशिश देखी गई, लेकिन कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, महंगाई की चिंताओं और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त मौद्रिक रुख की आशंकाओं के कारण तेजी सीमित रही।''

एंथ्रोपिक के प्लान 'क्लॉड प्रो' की कीमत 2000 रुपए प्रति माह

नई दिल्ली

वैश्विक कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी एंथ्रोपिक ने भारत में अपने एआई सहायक 'क्लॉड' के लिए रुपये में कीमतें तय करने की घोषणा की है, जिससे देश के उपयोगकर्ताओं के लिए भुगतान प्रक्रिया आसान हो जाएगी।एंथ्रोपिक के अधिक उपयोग, क्लॉड कोड और कोवर्क तक पहुंच वाले प्लान 'क्लॉड प्रो' की कीमत 2,000 रुपये प्रति माह रखी गई है, जबकि उच्च उपयोग सीमा और व्यस्त समय में प्राथमिकता पहुंच वाला 'मैक्स' प्लान 11,999 रुपये प्रति माह पर उपलब्ध है। भारतीय मुद्रा में तय यह मूल्य कंपनी की वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर दिख रहा है और फिलहाल कार्ड भुगतान का विकल्प भी दिया गया है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के मुताबिक, एंथ्रोपिक भारत में नए उपभोक्ताओं को जोड़ने के लिए क्लॉड प्रो, मैक्स और टीम प्लान की कीमतें स्थानीय मुद्रा में तय करने का परीक्षण कर रही है।

- एंथ्रोपिक ने भारत में क्लॉड के लिए रुपए में कीमतें तय की

सरकार ने सेवा सूचकांक किया जारी

नई दिल्ली

सरकार ने मंगलवार को पहला उप-क्षेत्रवार आधारित सेवा उत्पादन परीक्षण सूचकांक जारी किया। इससे पता चलता है कि अप्रैल, 2026 में संगठित सेवा क्षेत्र के 19 में से 14 उप-क्षेत्रों में दहाई अंक में वृद्धि हुई है। इन उप-क्षेत्रों में थोक व्यापार, खुदरा, आवास और भोजन, सड़क परिवहन, हवाई परिवहन, दूरसंचार और बैंक शामिल हैं। ये सेवा क्षेत्र का लगभग 60 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। परीक्षण के तौर पर जारी सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) का आधार वर्ष 2024-25 है। इसके अनुसार, रेलवे और हवाई परिवहन को छोड़कर, सभी श्रेणी में अप्रैल, 2026 में सालाना आधार पर सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बयान में कहा, ''सेवा उत्पादन सूचकांक भारत की सांख्यिकी प्रणाली को मजबूत करने और सेवा क्षेत्र के माप को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सेवा क्षेत्र का देश की आर्थिक गतिविधियों में हिस्सेदारी आधे से अधिक है।'' अप्रैल में हवाई परिवहन में 13.9 प्रतिशत की गिरावट आई। वहीं रेलवे परिवहन में 0.4 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। सूचकांक के अनुसार, अप्रैल में मजबूत वृद्धि वाले शीर्ष उप-क्षेत्र... आवास और भोजन (37.2 प्रतिशत), खुदरा व्यापार (30.8 प्रतिशत), प्रशासनिक और सहायता सेवाएं (28.7 प्रतिशत) और रियल एस्टेट (27.7 प्रतिशत) हैं।

- अप्रैल में 14 उप-क्षेत्रों में दहाई अंक में वृद्धि

सेवा क्षेत्र में बदलावों का माप मिल सकेगा

सांख्यिकी मंत्रालय ने कहा कि उप-क्षेत्रीय सूचकांक जारी होने से पहली बार भारत के संगठित सेवा क्षेत्र में अल्पकालिक बदलावों का मासिक माप मिल सकेगा। इसमें लगभग 60 प्रतिशत क्षेत्र कवर होगा। अपने आंकड़ा स्रोत यानी जीएसटी और प्रशासनिक आंकड़ों के आधार पर सेवा उत्पादन सूचकांक केवल संगठित क्षेत्र की कंपनियों को ही कवर करेगा।

एचडीएफसी ने 9.6 लाख लोगों को कौशल विकास से बनाया सशक्त

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक ने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल 'परिवर्तन' के तहत कौशल विकास और आजीविका बढ़ाने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से 9.6 लाख लोगों को सशक्त बनाया है। बैंक ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विश्व युवा कौशल दिवस से एक दिन पहले बैंक ने बयान में कहा कि 'एचडीएफसी बैंक परिवर्तन' का कौशल विकास मॉडल औपचारिक प्रमाणन आधारित प्रशिक्षण के साथ-साथ स्थानीय जरूरतों के अनुरूप आजीविका और उद्यमिता से जुड़े कार्यक्रमों पर केंद्रित है। बयान में कहा गया है कि 1.96 लाख से अधिक युवाओं को प्रमाणित कौशल प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

बीमा उत्पादों की बिक्री से बढ़ी सरकारी बैंकों की 'कमाई'

मुंबई

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के बीमा उत्पादों की बिक्री से मिलने वाला कमीशन में वित्त वर्ष 2025-26 में अच्छी वृद्धि देखने को मिली है। अधिकतर बैंकों ने इस कारोबार से प्राप्त आय में वृद्धि दर्ज की। हालांकि, म्यूचुअल फंड वितरण से होने वाली आय का रुख मिला-जुला रहा। कुछ बैंकों की इस मद से आय बढ़ी, जबकि कुछ में गिरावट दर्ज की गई। बैंकों की वार्षिक रिपोर्ट के विश्लेषण से पता चला कि देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने इस क्षेत्र में अपना दबदबा बनाए रखा। वित्त वर्ष 2025-26 में बैंक का बीमा कमीशन 19.26 प्रतिशत बढ़कर 2,795.01 करोड़ रुपये हो गया जो वित्त वर्ष 2024-25 में 2,345.36 करोड़ रुपये था। एसबीआई का म्यूचुअल फंड वितरण से कमीशन 7.05 प्रतिशत बढ़कर 1,617.52 करोड़ रुपये हो गया जो वित्त वर्ष 2024-25 में 1,511.06 करोड़ रुपये था। एसबीआई की बीमा कमीशन से हुई कुल 2,795.01 करोड़ रुपये की आय में से 2,384.63 करोड़ रुपये (करीब 85 प्रतिशत) उसकी जीवन बीमा अनुषंगी एसबीआई लाइफ की पॉलिसियों के वितरण से प्राप्त हुई। इसी तरह, 22,000 से अधिक शाखाओं वाले देश के सबसे बड़े बैंक की म्यूचुअल फंड वितरण से कुल आय में लगभग तीन-चौथाई यानी 1,209.33 करोड़ रुपये का योगदान एसबीआई म्यूचुअल फंड का रहा।

- मिलने वाले कमीशन में अच्छी वृद्धि देखी गई

पीएनबी की दोनों श्रेणियों में आय में गिरावट

म्यूचुअल फंड वितरण से कमीशन 8.41 प्रतिशत बढ़कर 72.84 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ऑफ बड़ौदा का बीमा कमीशन 3.76 प्रतिशत बढ़कर 368.93 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, म्यूचुअल फंड वितरण से कमीशन 0.82 प्रतिशत घटकर 142.52 करोड़ रुपये रह गया। दूसरी ओर, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की दोनों श्रेणियों से आय में गिरावट दर्ज की गई।

इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम बदलाव की तैयारी कर रही

अब 10 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर लाने की तैयारी

नई दिल्ली

इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम रसोई गैस के इस्तेमाल को आसान और सुविधाजनक बनाने के लिए एक बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। सूत्रों ने बताया है कि सरकारी तेल कंपनियां 10 किलो के हल्के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर लाने की तैयारी कर रही हैं। मंजूरी मिलने के बाद ये सिलेंडर गैस एजेंसी और कुछ रिटेल दुकानों पर कमर्शियल रेट पर मिल सकते हैं। मिडिल ईस्ट में युद्ध के दौरान भारत के एलपीजी बाजार में कई बड़े बदलाव देखने को मिले। इस दौरान सरकार ने पीएनजी नेटवर्क का तेजी से विस्तार किया और बड़ी संख्या में लोगों ने एलपीजी की जगह पीएनजी कनेक्शन लिया। सप्लाई बनाए रखने के लिए कई कदम उठाए गए। घरेलू एलपीजी उत्पादन करीब 32 टीएमटी से बढ़ाकर 52 टीएमटी से ज्यादा कर दिया गया, यानी इसमें 60 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। इसी दौरान 5 किलो वाले 'छोटू' एलपीजी सिलेंडर की मांग भी तेजी से बढ़ी। अब इसी कड़ी में 10 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर लाने की तैयारी को एक और बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

- छोटू पांच किलो वाले सिलेंडर की सफलता को देखते हुए उठाया जा रहा कदम

कितनी हो सकती है 10 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत?

तेल कंपनियां 10 किलो के सिलेंडर को कमर्शियल एलपीजी की कीमत पर बेचने की तैयारी कर रही हैं। फिलहाल दिल्ली में 14.2 किलो का घरेलू एलपीजी सिलेंडर 942 रुपए का है। वहीं 19 किलो का कमर्शियल सिलेंडर 2,930 रुपए में मिलता है, जबकि 5 किलो का कमर्शियल सिलेंडर 808.50 रुपए का है। 10 किलो सिलेंडर की कीमत अभी तय नहीं हुई है।

क्या है 10 किलो कमर्शियल सिलेंडर का प्लान?

सूत्रों ने बताया है कि सरकारी तेल कंपनियां इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम 10 किलो के हल्के कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर कमर्शियल ग्राहकों के लिए लाने पर विचार कर रही हैं। अगर इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो ये सिलेंडर कमर्शियल रेट पर गैस एजेंसियों और कुछ रिटेल आउटलेट्स के जरिए बेचे जा सकेंगे।

किन लोगों को सबसे ज्यादा फायदा होगा?

इसका सबसे ज्यादा फायदा छोटे कारोबारियों, चाय और खाने के स्टॉल चलाने वालों, कैफे, फूड कियोस्क, किराएदारों, छात्रों और दूसरे शहरों में काम करने वाले मजदूरों को होगा। जिन लोगों के पास 19 किलो का बड़ा सिलेंडर रखने की जगह नहीं होती या उसे उठाने में दिक्कत होती है, उनके लिए 10 किलो का सिलेंडर ज्यादा आसान रहेगा। फिलहाल कमर्शियल ग्राहकों के लिए 19 किलो, 5 किलो और 2 किलो के एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध हैं। लंबे समय से छोटे कारोबारियों की मांग थी कि 5 किलो और 19 किलो के बीच का भी कोई विकल्प होना चाहिए।

खबर संक्षेप

आदित्य बिड़ला समूह की इकाई स्प्रिंग एनर्जी को खरीदेगी

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी ग्रासिम इंडस्ट्रीज की इकाई आदित्य बिड़ला रिन्यूएबल्स लिमिटेड (एबीआरईएन) ने करीब 1.8 अरब डॉलर (लगभग 17,200 करोड़ रुपये) में शेल ओवरसीज इन्वेस्टमेंट बी वी से स्प्रिंग एनर्जी के अधिग्रहण पर सहमति जताई है। इस सौदे से देश के सबसे बड़े एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा मंचों में से एक के गठन की राह खुलेगी। आदित्य बिड़ला समूह ने सोमवार को एक बयान में कहा कि इस अधिग्रहण से एबीआरईएन की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़कर करीब 9.3 गीगावाट-पीक (जीडब्ल्यूपी) हो जाएगी।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 13 जुलाई तक 16.40 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में 13 जुलाई तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 16.40 प्रतिशत बढ़कर 6.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इसमें कॉरपोरेट कर संग्रह में तेजी का अहम योगदान रहा है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस अवधि में शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 22 प्रतिशत बढ़कर 2.40 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं, गैर-कॉरपोरेट कर (एनसीटी) से राजस्व संग्रह, जिसमें व्यक्तियों, हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) और फर्मों द्वारा चुकाए गए कर शामिल हैं, करीब 12 प्रतिशत बढ़कर 3.84 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

उच्चतम न्यायालय में कोटक एएमसी की अपील खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बाजार नियामक सेबी द्वारा कोटक महिंद्रा एएमसी, कोटक महिंद्रा ट्रस्टी कंपनी और उनके वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई को बरकरार रखते हुए कहा कि प्रतिभूति नियमों का पालन अनिवार्य है, चाहे निवेशकों को लाभ हुआ हो या हानि। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्त और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कोटक एएमसी, कोटक ट्रस्टी और छह अधिकारियों की अपील खारिज कर दी।

रुपया 62 पैसे टूटकर 96.30 प्रति डॉलर पर

मुंबई। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने और भू-राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ने के बीच रुपया मंगलवार को 62 पैसे टूटकर अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 96.30 (अस्थायी) पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि नए सिरे से बढ़े भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे रुपये पर दबाव बना। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.95 प्रति डॉलर पर खुला और 96.30 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

बीएसएनएल का परिचालन राजस्व 10 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बीएसएनएल ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में अपने परिचालन राजस्व में ''बिना ऑडिट'' के लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिए बीएसएनएल की समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए सिंधिया ने कहा कि बीएसएनएल के उद्यमी व्यवसाय खंड और उपभोक्ता 'मोबिलिटी' में वृद्धि देखी गई है, जबकि उपभोक्ता 'फिक्स्ड एक्सेस' खंड लगभग स्थिर रहा है।

21 साल बाद अर्जेंटीना और इंग्लैंड में भिड़ंत

सेमीफाइनल में आज मेस्सी और केन होंगे आमने-सामने

अटलांटा

अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की बहुचर्चित प्रतिद्वंद्विता बुधवार को जब विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में फिर से जीवंत होगी तो सबकी नजर इस पर टिकी रहेगी कि इसमें लियोनेल मेस्सी के पांवों का जादू चलेगा या हैरी केन का करिश्मा। मेस्सी ने अब तक मौजूदा टूर्नामेंट में 8 गोल करके अर्जेंटीना की जीत में अहम भूमिका निभाई है तो केन भी उनसे ज्यादा पीछे नहीं है, जिन्होंने छह गोल दागे हैं। यह दोनों खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहली बार आमने-सामने होंगे क्योंकि दोनों टीम के बीच 2005 के बाद कोई मुकाबला नहीं हुआ है।

अर्जेंटीना को करना पड़ा उतार-चढ़ाव का सामना

मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना की टीम को हाल के मैचों में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा है। ग्रुप चरण में अपने तीनों मैच जीतने वाले अर्जेंटीना का केप वर्दे के खिलाफ मैच अतिरिक्त समय तक खिंचा। इसके बाद उसे मिस्र और स्विट्जरलैंड को हराने में भी संघर्ष करना पड़ा। अर्जेंटीना विश्व कप में 12 मैचों से अजेय है। इंग्लैंड ने भी अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था। उसने अंतिम 16 के मैच में मैक्सिको को 3-2 से हराया और फिर नॉर्वे के खिलाफ क्वार्टर-फाइनल मुकाबले में पिछड़ने के बाद बेलिंगहम के दो शानदार गोल की मदद से 3-2 से जीत हासिल की।

राइट- बैक इंग्लैंड टीम की समस्या

इंग्लैंड की राइट-बैक की समस्या अभी भी बनी हुई है। जेरेल क्वांसा निलंबित हैं और चोटिल रीस जेम्स को शुरुआती लाइनअप में शामिल किए जाने की संभावना बहुत कम है। ऐसे में एजरी कोंसा या जेड स्पेंस को अर्जेंटीना की तरफ से बाएं छोर से होने वाले आक्रमण के खिलाफ मोर्चा संभालना होगा। अर्जेंटीना के सभी खिलाड़ी खेलने के लिए उपलब्ध हैं, जिससे उसके कोच लियोनेल स्कालोनी के लिए शुरुआती एकादश का चयन करना आसान नहीं होगा। उन्हें यह तय करना है कि अपने करिश्माई कप्तान मेस्सी के साथ जूलियन अल्वारेज को खिलाया जाए या लोटारो मार्टिनेज को।

इंग्लैंड के सामने अर्जेंटीना की रक्षापंक्ति की परीक्षा

केन को जूड बेलिंगहम (छह गोल) का भी अच्छा साथ मिला है। इंग्लैंड की टीम के लिए, जहां मेस्सी को रोकना एक चुनौती होगी वहीं केन और बेलिंगहम के सामने अर्जेंटीना की रक्षापंक्ति की कड़ी परीक्षा होगी। बेलिंगहम बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं और अर्जेंटीना को उनसे सतर्क रहना होगा। इन दोनों देशों के बीच वर्षों से चली आ रही प्रतिद्वंद्विता को देखते हुए मैच के दौरान तनाव भी होने की संभावना है। फिर चाहे वह 1966 में खेले गए विश्व कप में अर्जेंटीना के तत्कालीन कप्तान एंटोनियो रैटिन को बाहर भेजने का मामला हो या फुटबॉल के मैदान से इतर 1982 में फॉकलैंड द्वीप समूह पर हुआ संघर्ष, इन दोनों देशों के बीच फुटबॉल के मैदान के अंदर और बाहर तनाव देखने को मिला है।

यादगार है 1986 में माराडोना का 'हैंड ऑफ गॉड' गोल

जब इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच मैच की बात हो तो फिर विश्व कप 1986 में डिएगो माराडोना के 'हैंड ऑफ गॉड' गोल को कैसे भुलाया जा सकता है। उनके इस गोल के दम पर अर्जेंटीना जीत हासिल करने में सफल रहा था। इसके बाद 1998 में डेविड बेकहम को बाहर भेजे जाने और इसके चार साल बाद इस स्टार खिलाड़ी के फ्री किक पर किए गए गोल ने प्रतिद्वंद्विता को चरम पर पहुंचाया। इन दोनों टीम ने अभी तक अजेय रहकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है।

मिडफील्ड में होगा रोमांचक मुकाबला

इस मैच में मिडफील्ड में रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है। इंग्लैंड को अपना पूरा ध्यान मेस्सी पर लगाने से बचना होगा, जो एंजो फर्नांडीज और एलेक्सिस मैक एलिस्टर के साथ मिलकर इंग्लैंड की रक्षात्मक पंक्ति को भेदने और उनके आक्रामक डिफेंस के पीछे मौजूद खाली जगह का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्यूशेल की रणनीति रक्षात्मक चूक को कम करने को प्राथमिकता देनी होगी। डेक्लान राइस और कोबी मैनू की मेस्सी को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

खबर संक्षेप

स्क्वाश पीएसए चैलेंजर से सान्या वत्स बाहर

चेन्नई। भारत की चौथी वरीयता प्राप्त सान्या वत्स एचसीएल स्क्वाश पीएसए चैलेंजर टूर प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में मिस्र की शीर्ष वरीयता प्राप्त रुकाइया ओथमान से हार गई। इंडियन स्क्वाश अकादमी में खेले गए मैच में वत्स को मिस्र की खिलाड़ी से 4-11, 2-11, 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य सेमीफाइनल में कोरिया की ह्वायेओंग ईम ने मिस्र की हाना अलादीन को 11-9, 9-11, 2-11, 11-4, 11-6 से हराया। पुरुष वर्ग का फाइनल मलेशिया के जोआचिम चुआ और मिस्र के अधम रोशडी के बीच खेला जाएगा।

जूडो महासंघ को मिली सशर्त मान्यता

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने भारतीय जूडो महासंघ (जेएफआई) के अंतरिम निकाय को सशर्त मान्यता दे दी है, जिसका चुनाव दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पिछले महीने हुआ था। मंत्रालय ने इसके साथ ही चेतावनी दी कि अगर वह अदालत के निर्देशों का पालन नहीं करेगा तो उसे निलंबित कर दिया जाएगा। जेएफआई का संचालन 2022 से अदालत से नियुक्त प्रशासक कर रहे थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल फरवरी में अपने फैसले में निकाय को वार्षिक आम बैठक बुलाने और इस साल की शुरुआत में लागू किए गए राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने के लिए कहा था।

---

968 दिन का बाद बुमराह का 'कमाल कमबैक', वनडे में चटकाए 150 विकेट

बर्मिंघम

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 968 दिन बाद वनडे क्रिकेट में लौटते ही कमाल कर दिया। पहले 4 ओवर में सिर्फ 8 रन और फिर पांचवें ओवर में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक का विकेट लेते ही उन्होंने दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए।

उन्होंने इस विकेट के साथ वनडे इंटरनेशनल में अपने 150 विकेट पूरे किए। साथ ही वह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज भी बने। जसप्रीत बुमराह ने अपने 90वें मैच और 89वीं पारी में 150वां विकेट लिया और सबसे तेज यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बने। जबकि इंग्लैंड में उनका यह 31वां वनडे विकेट था। रविंद्र जडेजा (30) को पीछे छोड़ते हुए इस मामले में बुमराह नंबर 1 भारतीय गेंदबाज बने। भारत के लिए सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने का रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम है।

सबसे तेज 150 वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

मोहम्मद शमी	: 80वां मैच
कुलदीप यादव	: 88वां मैच
जसप्रीत बुमराह	: 90वां मैच
अजीत अगरकर	: 97वां मैच
जहीर खान	: 103वां मैच

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय

31 विकेट	: जसप्रीत बुमराह*
30 विकेट	: रविंद्र जडेजा
28 विकेट	: भुवनेश्वर कुमार
27 विकेट	: मदन लाल
26 विकेट	: मोहम्मद शमी

77 रन पर ढेर पूरी टीम, 6 ओवर में खत्म हो गया टी20 मुकाबला

बर्मिंघम

टी20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में एक बेहद एकतरफा और हैरान करने वाला मैच देखने को मिला। इस मुकाबले में बेल्जियम ने हंगरी के खिलाफ 10 विकेट से एकतरफा और धमाकेदार जीत दर्ज की। हंगरी की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 77 रनों पर ढेर हो गई, जिसके बाद बेल्जियम ने महज 6 ओवरों में ही बिना कोई विकेट खोए टारगेट हासिल कर लिया।

बेल्जियम ने हंगरी को 10 विकेट से हराया

हंगरी की बैटिंग फेल

मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हंगरी की शुरुआत बेहद खराब रही। बेल्जियम के घातक गेंदबाजी आक्रमण के सामने हंगरी का कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सका। टीम की तरफ से जाहिर सफी मोहम्मद ने सबसे ज्यादा 26 गेंदों में 20 रन बनाए। उनके अलावा मोहम्मद माज भाईजी ने 11 और कप्तान विनोद रविंद्रन ने 10 रनों का योगदान दिया। इन तीनों के अलावा टीम का कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू सका और पूरी टीम 19.3 ओवरों में 77 रन बनाकर पवेलियन लौट गई।

आईटीटीएफ विश्व रैंकिंग : मानव-मानुष बने वर्ल्ड नंबर-2, शीर्ष 10 में तीन भारतीय जोड़ियां

नई दिल्ली

भारतीय टेबल टेनिस ने बड़ी उपलब्धि हासिल की जब नवीनतम आईटीटीएफ विश्व रैंकिंग में भारत की तीन युगल जोड़ियों ने शीर्ष 10 में जगह बनाई। भारतीय युगल जोड़ियों की अगुआई मानव ठक्कर और मानुष शाह कर रहे हैं, जो पुरुष युगल रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज हैं, जो किसी भी युगल वर्ग में किसी भारतीय जोड़ी की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हैं। महिला युगल में दीया चितले और यशस्विनी घोरपडे दुनिया की 10वें नंबर की जोड़ी के रूप में शीर्ष 10 में

जगह बनाने में सफल रहीं। मिश्रित युगल में दीया और मानुष दुनिया की पांचवें नंबर की जोड़ी है। यह पहली बार है जब भारत की तीन जोड़ियों ने विश्व रैंकिंग में एक साथ शीर्ष 10 में जगह बनाई है।

भारत की जोड़ियां दे रही पारंपरिक दिग्गजों को टक्कर

यह उपलब्धि युगल खेलने वाले सबसे मजबूत देशों में भारत की बढ़ती अहमियत को दिखाती है क्योंकि भारत की जोड़ियां लगातार चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और चीनी ताइपे जैसे पारंपरिक दिग्गजों को कड़ी टक्कर दे रही हैं। यह उपलब्धि खेल के लिए एक अहम मोड़ पर भी आई है क्योंकि लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में युगल वर्ग की ओलंपिक कार्यक्रम में वापसी होने वाली है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस स्पर्धा का महत्व बढ़ गया है।

20 से युवा हॉकी फाइव्स एशियाई चैंपियनशिप

***नई दिल्ली।** हॉकी इंडिया ने मस्कट में 20 से 25 जुलाई तक होने वाली पहली युवा हॉकी फाइव्स एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय सब जूनियर पुरुष और महिला टीम की घोषणा की। यह चैंपियनशिप इसलिए भी खास है क्योंकि यह पहली एफआईएच अंडर-18 युवा हॉकी फाइव्स विश्व कप के लिए आधिकारिक एशियाई क्वालीफायर है। इस टूर्नामेंट में एशिया के उभरते हुए बेहतरीन हॉकी खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिसमें दोनों वर्ग में सात-सात टीम मुकाबला करेंगी। पुरुषों के वर्ग में मेजबान ओमान, भारत, पाकिस्तान, ईरान, इराक, सऊदी अरब और बांग्लादेश की टीम चुनौती पेश करेंगी। महिलाओं के वर्ग में भारत, पाकिस्तान, ओमान, चीन, उज्बेकिस्तान, कजाखस्तान और ईरान की टीम खेलेंगी। भारतीय टीम का चयन भोपाल (महिलाओं के लिए) और चंडीगढ़ (पुरुषों के लिए) में चल रहे दो राष्ट्रीय शिविर में 15-15 खिलाड़ियों के समूह से किया गया। दस खिलाड़ियों वाली महिला टीम में गोलकीपिंग की जिम्मेदारी खिली कुमारी और महक परिहार को मिली है।*

लेनोक्स का कहर

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया

प्रोविडेंस

बाएं हाथ के स्पिनर जेडन लेनोक्स ने 19 रन देकर 5 विकेट लिए, जिससे न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ कम स्कोर वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 5 विकेट से जीत हासिल करके श्रृंखला बराबर कर ली।

वेस्टइंडीज का स्कोर एक समय बिना किसी नुकसान के 63 रन था लेकिन आखिर में उसकी टीम 36 ओवर में 138 रन पर आउट हो गई। न्यूजीलैंड के लिए भी टर्न लेती पिच पर छोटे लक्ष्य तक पहुंचना आसान नहीं रहा। उसका स्कोर भी एक समय पांच विकेट पर 96 रन था। उसके बाद टॉम लैथम (नाबाद 37) ने मार्क ब्रैसवेल (नाबाद 24) के साथ 37 रन की अटूट साझेदारी करके न्यूजीलैंड को 104 गेंद शेष रहते लक्ष्य तक पहुंचाया। न्यूजीलैंड ने 32.4 ओवर में पांच विकेट पर 141 रन बनाए। न्यूजीलैंड की यह वनडे में 400वीं जीत थी जिससे उसने पांच मैचों की श्रृंखला को 1-1 से बराबर कर दिया।

लेनोक्स ने किया 31 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू

वेस्टइंडीज ने पहला मैच सात विकेट से जीता था। लेनोक्स ने 31 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद अपने सातवें वनडे में पहली बार पांच विकेट लिए। उन्होंने एक ऐसे पतन की शुरुआत की, जिससे जॉन कैंपबेल (43) और अकीम ऑगस्ट (18) के बीच पहले विकेट की अच्छी साझेदारी के बावजूद वेस्टइंडीज ने 65 रन के अंदर अपने सभी 10 विकेट गंवा दिए। उसके केवल चार बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंचे। इनमें आमिर जांगू भी शामिल थे, जिन्होंने 24 रन बनाए।

जापान ओपनः सिंधू ने मलेशिया की चिंग को हराकर दूसरे दौर में बनाई जगह

सिंधू ने सीधे गेम में मारी बाजी, कोर्ट से हटी स्टार जोड़ी

टोकियो

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के कंधे की समस्या के कारण उन्हें और चिराग शेट्टी को जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में मैच के बीच से हटना पड़ा जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई।

सात्विक और चिराग की विश्व में चौथे नंबर की जोड़ी ने सिंगापुर ओपन जीतकर दो साल से चले आ रहे खिताबी सूखे को खत्म किया था। इसके बाद उन्होंने इंडोनेशिया ओपन में भाग नहीं लिया था। जापान ओपन में उन्होंने डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड से पहला गेम 19-21 से हारने के बाद हटने का फैसला किया।

कपिला और तनीशा की दूसरे दौर में एंट्री

भारत के ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो ने भी अपने मिश्रित युगल मुकाबले में स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और जूली मैकफर्सन को 21-16, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। हालांकि रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे पहले ही दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग से 11-21, 10-21 से हारने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

सिंधू ने बनाए रखा अपना दबदबा

विश्व रैंकिंग में नंबर 10 पर काबिज सिंधू ने अपने सहज खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले दौर में विश्व रैंकिंग में नंबर 37 पर काबिज वोंग को 21-14 21-11 से हराया। सिंधू ने शुरुआत से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा और रैलियों की गति को नियंत्रित करते हुए 7-4 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि वोंग ने संघर्ष जारी रखने की कोशिश की, लेकिन उनकी गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को लगातार आगे बढ़ने का मौका दिया। सिंधू ने इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी रैलियों में सहज दिख रही थीं और उन्होंने अपने स्ट्रोक्स को प्रभावी ढंग से लगाकर अपनी बढ़त को 14-9 तक पहुंचा दिया। उनके बैकहैंड नेट ड्रिबल, ड्रॉप शॉट और हाफ-स्मैश सटीक रहे।

इराक से पूरी तरह हटेंगे अमेरिकी सैनिक : ट्रंप प्रशासन का बड़ा फैसला

एजेंसी

इराक। इराक में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी का अध्याय अब समाप्त होने की ओर है। अमेरिका ने घोषणा की है कि 30 सितंबर तक वह इराक से अपने सभी सैन्य बलों को वापस बुला लेगा। यह निर्णय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इराकी प्रधानमंत्री अली अल-जैदी की व्हाइट हाउस में हुई बैठक के बाद लिया गया है। इस कदम के साथ ही वर्ष 2003 में शुरू हुआ अमेरिका का 23 साल लंबा सैन्य मिशन आधिकारिक तौर पर समाप्त हो जाएगा।

सैन्य जरूरत खत्म, आर्थिक रिश्तों पर ध्यान

राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अब इराक में अमेरिकी सैनिकों की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं और इराक में अमेरिकी तेल कंपनियां बढ़-चढ़कर काम कर रही हैं। ट्रंप ने कहा, हम वहां उनकी मदद करने के लिए थे, लेकिन अब इसकी आवश्यकता नहीं लगती। वहीं, इराकी पीएम अली अल-जैदी ने भी पुष्टि की कि 30 सितंबर तक अमेरिकी सेना इराक से बाहर हो जाएगी, लेकिन अमेरिकी कंपनियां वहां अपना कामकाज जारी रखेंगी।

2024 के समझौते पर अमल

यह वापसी कोई अचानक लिया गया निर्णय नहीं है, बल्कि यह 2024 में हुए द्विपक्षीय समझौते का हिस्सा है। जो बाइडन प्रशासन के दौरान तय हुई इस रणनीति के तहत पहले ही काफी सैनिक इराक से लौट चुके हैं। वर्तमान में वहां मौजूद कुछ सैन्य सलाहकार और सपोर्ट स्टाफ भी निर्धारित समय सीमा तक देश छोड़ देंगे।

मिशन का सफर: 2003 से 2025 तक

वर्ष 2003 में शुरू हुआ अमेरिकी सैन्य अभियान कई उतार-चढ़ावों से भरा रहा है। इसकी शुरूआत 'शॉक एंड ऑव' बमबारी के साथ हुई थी, जिसका उद्देश्य सद्दाम हुसैन की सरकार को सत्ता से बेदखल करना था। उस समय सामूहिक विनाश के हथियारों के दावे किए गए थे, जो बाद में निराधार निकले। साल 2007 तक इराक में अमेरिकी सैनिकों की संख्या बढ़कर 1,70,000 के चरम पर पहुंच गई थी, जिसके बाद ओबामा प्रशासन ने चरणबद्ध तरीके से सैनिकों की वापसी शुरू की और 2011 में अंतिम लड़ाकू सैनिक इराक से लौट आए। हालांकि, 2014 में इस्लामिक स्टेट के उदय ने स्थिति को फिर से बदल दिया। आतंकवादी संगठन द्वारा इराक और सीरिया के बड़े हिस्सों पर कब्जा करने के बाद, इराकी सरकार के आग्रह पर अमेरिका और गठबंधन सेनाओं को फिर से इराक में उतरना पड़ा। इस बार का मिशन इराकी सेना को पुनर्गठित करना और आतंकवाद विरोधी अभियानों में उन्हें प्रशिक्षित करना था। वर्ष 2021 में आधिकारिक तौर पर लड़ाकू अभियानों को समाप्त कर दिया गया, लेकिन इसके बाद भी करीब 2,500 अमेरिकी सैन्यकर्मी मुख्य रूप से सलाह और प्रशिक्षण के लिए इराक में तैनात रहे, जो अब 30 सितंबर 2025 तक पूरी तरह वापस लौट आएंगे।

अमेरिकी विधेयक में संशोधन, रूसी तेल खरीद पर 500 नहीं, अब 100 फीसदी टैरिफ, भारत-चीन को राहत

एजेंसी

वाशिंगटन। खबर है कि वर सीनेट ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक में संशोधन किया है. जानकारी सामने आयी है कि रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने मंगलवार को एक कानूनी बिल पेश किया. इसमें रूसी तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर पूर्व के मसौदे के अनुसार प्रस्तावित अधिकतम 500फीसदी टैरिफ को घटाकर 100 फीसदी किया गया है. इतना ही नहीं, संशोधित विधेयक डोनाल्ड ट्रंप को प्रतिबंधों को हटाने (माफ करने) की शक्ति भी प्रदान करता है. अगर अमेरिकी राष्ट्रपति को लगे कि ऐसा करना अमेरिका के राष्ट्रीय हित में है. रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका की ओर से रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक में बदलाव का नया प्रस्ताव भारत और चीन के लिए राहत लेकर आया है खबरों के अनुसार अमेरिकी सीनेट में पेश संशोधित विधेयक भारत-चीन के साथ रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले पांच टॉप खरीदारों पर लागू होगा. बता दें कि यह विधेयक मूल रूप से दिवंगत रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेटिक सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने पेश किया था. इस बिल को दोनों दलों रिपब्लिकन और डेमोक्रेट का समर्थन प्राप्त है. रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार संशोधित विधेयक के 26 सह-प्रायोजक हैं. बिस के कांग्रेस में आगे बढ़ने के साथ-साथ और अधिक समर्थन मिलने की उम्मीद है. इसके पारित होने की संभावना मूल प्रस्ताव की तुलना में कहीं अधिक है. जानकारी के अनुसार इस साल (2026) की शुरूआत में ट्रंप ने रूसी तेल की खरीद को लेकर एक प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिसमें 500फीसदी तक टैरिफ लगाने का प्रावधान शामिल था. इसे सैंक्शनिंग रशिया एक्ट ऑफ 2025 कहा गया था.

भारत-ब्रिटेन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट आज से लागू, व्हिस्की, ब्यूटी प्रोडक्ट्स से लेकर कार तक सब कुछ होगा सस्ता

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत और यूनाइटेड किंगडम के आर्थिक और व्यावसायिक इतिहास में आज का दिन एक मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। दोनों महाशक्तियों के बीच लंबे समय से चली आ रही बातचीत और वाताओं के बाद आखिरकार बहुप्रतीक्षित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट बुधवार से आधिकारिक रूप से प्रभावी हो गया है। इस महा-डील के धरातल पर उतरने के साथ ही भारत और ब्रिटेन के बीच होने वाले आयात-निर्यात पर भारी टैरिफ कटौती देखने को मिलेगी। इस ऐतिहासिक समझौते के प्रभावी होने का सबसे सीधा और बड़ा फायदा आम उपभोक्ताओं और शौकीनों को मिलने वाला है, क्योंकि ब्रिटेन से आने वाली वर्ल्ड क्लास स्कॉच-व्हिस्की, प्रीमियम ब्यूटी प्रोडक्ट्स और दुनिया की सबसे महंगी व प्रतिष्ठित लग्जरी कारों की कीमतों में भारी गिरावट आने जा रही है।

110 फीसदी तक घट जाएंगे स्कॉच-व्हिस्की के दाम

विदेश व्यापार महानिदेशालय द्वारा इस एफटीए को लेकर जारी किए गए आधिकारिक नोटिफिकेशन के अनुसार, इस समझौते से सबसे बड़ा मुनाफा ब्रिटेन के स्कॉच व्हिस्की बिजनेस को होने वाला है। वर्तमान व्यवस्था की बात करें तो भारत में आयात होने वाली विदेशी स्कॉच व्हिस्की पर करीब 150 फीसदी का भारी-भरकम टैरिफ लगाया जाता रहा है, जिसके कारण भारतीय बाजारों में इसकी कीमत बहुत ज्यादा होती थी। लेकिन अब इस ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के लागू होने के बाद इस भारी ड्यूटी को कई किस्तों में कट करके अंतिम रूप से महज 40 फीसदी तक लाया जाएगा। इसका सीधा व्यावहारिक मतलब यह हुआ कि आने वाले दिनों में भारत के भीतर स्कॉच-व्हिस्की के दाम लगभग 110 फीसदी तक कम हो जाएंगे, जो इस इंडस्ट्री के लिए एक बहुत बड़ी रिलैक्सिंग डील है।

रोल्स रॉयस, जगुआर, लैंड रोवर और डिफेंडर जैसी कारें होंगी बजट में; ऑटोमोबाइल पर टैरिफ 100 प्रतिशत से घटकर हुआ 10 प्रतिशत

लग्जरी और एसयूवी कारों के शौकीनों के लिए भी यह समझौता किसी बड़े सपने के सच होने जैसा है। एफटीए में तय की गई विशेष कोटा व्यवस्था के तहत अब ऑटोमोबाइल सेक्टर पर लगने वाले टैरिफ को 100 फीसदी से सीधे घटाकर सिर्फ 10 फीसदी कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप ब्रिटेन से भारत इम्पोर्ट होने वाली लैंड रोवर, जगुआर, रोल्स रॉयस, एस्टन मार्टिन और डिफेंडर जैसी आलीशान कारें बेहद सस्ती और आकर्षक कीमतों पर मिल सकेंगी। नए नियमों के मुताबिक, पहले साल 20,000 कारों को कम ड्यूटी पर इम्पोर्ट करने की अनुमति दी गई है, जिसमें 3000cc से अधिक क्षमता वाली पेट्रोल और 2500CC से अधिक वाली डीजल की 10,000 कारें शामिल होंगी, जिन पर कस्टम ड्यूटी 110% से घटाकर 30% कर दी गई है। वहीं 1500 से 3000CC तक की 5,000 कारों पर इम्पोर्ट ड्यूटी 66% से घटाकर 50% की गई है, जिसे आगामी 15 वर्षों में घटाकर मात्र 10% पर लाया जाएगा। इसके अलावा महिलाओं के कॉस्मेटिक्स और ब्यूटी प्रोडक्ट्स पर लगने वाले 22% तक के टैरिफ को भी या तो तत्काल प्रभाव से या फिर अधिकतम 10 वर्षों की अवधि के भीतर पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। यह फ्री ट्रेड एग्रीमेंट केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि भारतीय निर्यातकों और ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था के लिए भी एक बड़ा 'विन-विन सिचुएशन' लेकर आया है। इस समझौते के तहत भारत से ब्रिटेन भेजे जाने वाले 99 फीसदी से अधिक सामानों को यूके के बाजारों में '0%' यानी पूरी तरह ड्यूटी फ्री पहुंच मिलेगी, जिसमें मुख्य रूप से भारत के बने टेक्सटाइल गारमेंट, जूते-चप्पल और कई तरह के ऑर्गैनिक फूड प्रोडक्ट्स शामिल हैं।

उधम सिंह नगर में अवैध शस्त्रों के खिलाफ बड़ा एक्शन, 94 संदिग्ध लाइसेंस जब्त, 119 हथियार जमा

एजेंसी

रुद्रपुर। उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले में फर्जी शस्त्र लाइसेंस के खिलाफ पुलिस का बड़ा अभियान जारी है. बाहरी राज्यों से कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर बनवाए गए संदिग्ध शस्त्र लाइसेंसों की जांच में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. अब तक 94 संदिग्ध शस्त्र लाइसेंस अपने कब्जे में लेकर उनसे जुड़े 119 लाइसेंसी हथियार थानों में जमा कराए गए हैं. पुलिस का कहना है कि इन सभी लाइसेंसों का संबंधित राज्यों में जाकर सत्यापन कराया जाएगा. यदि जांच में लाइसेंस फर्जी पाए गए, तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

फर्जी लाइसेंस के शक में 119 हथियार पुलिस ने जमा कराए

उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले में फर्जी शस्त्र लाइसेंसों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 94 संदिग्ध शस्त्र लाइसेंस अपने कब्जे में ले लिए हैं. इन लाइसेंसों से जुड़े 119 लाइसेंसी हथियार भी संबंधित धारकों से लेकर विभिन्न थानों में जमा करा दिए गए हैं. पुलिस अब इन सभी लाइसेंसों की वैधता की जांच के लिए संबंधित राज्यों के जिलों में जाकर दस्तावेजों का सत्यापन करेगी.

बाहरी राज्यों से लाइसेंस स्थानांतरित कराकर उत्तराखंड में हो रहा प्रयोग

पुलिस लाइन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय गणपति ने बताया कि पुलिस और एसटीएफ को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि कुछ लोगों ने कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, मेघालय, बिहार समेत कई अन्य राज्यों से फर्जी शस्त्र लाइसेंस बनवाए. बाद में उन्हें उत्तराखंड में स्थानांतरित कराकर वैध हथियारों की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है. इस सूचना के आधार पर व्यापक जांच अभियान शुरू किया गया. जांच के दौरान वर्ष 2001 से वर्ष 2026 तक जारी किए गए शस्त्र लाइसेंसों का रिकॉर्ड खंगाला गया.

सोनम वांगचुक की गिरती सेहत पर हाई कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार को भेजा नोटिस, मांगा जवाब

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 17 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे विख्यात शिक्षा सुधारक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की सेहत लगातार बिगड़ती जा रही है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर कल तक जवाब मांगा है। दिल्ली के ऐतिहासिक जंतर-मंतर पर पिछले 17 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे देश के जाने-माने शिक्षा सुधारक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की स्थिति बेहद नाजुक हो गई है। लगातार उपवास के कारण उनकी तेजी से बिगड़ती सेहत को देखते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को एक बड़ा और सख्त कदम उठाया है। अदालत ने इस मामले पर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार को तत्काल प्रभाव से एक नोटिस जारी किया है। हाई कोर्ट ने दोनों सरकारों को बेहद कड़े निर्देश देते हुए कल, बृहस्पतिवार तक इस पूरे मामले पर अपना विस्तृत जवाब दाखिल करने को कहा है, जिसके बाद अदालत आगे की कानूनी और चिकित्सकीय कार्यवाही पर अपना अंतिम फैसला सुनाएगी।

17 दिनों में 8.5 किलो घटा वजन, बीपी पहुंचा 109/70

सोनम वांगचुक की गिरती सेहत को लेकर यह महत्वपूर्ण जनहित याचिका सामाजिक कार्यकर्ता और वकील राकेश कुमार सैनी की ओर से अदालत में दाखिल की गई है। याचिका में डॉक्टरों के हवाले से दावा किया गया है कि लगातार भूख हड़ताल की वजह से वांगचुक का शरीर बेहद कमजोर हो चुका है और पिछले 17 दिनों के भीतर उनका वजन लगभग 8.5 किलोग्राम तक कम हो गया है। वर्तमान में उनका ब्लड प्रेशर गिरकर 109/70 तक पहुंच चुका है। याचिकाकर्ता ने दलील दी है कि यदि समय रहते उन्हें उचित इलाज नहीं मिला, तो उनके जीवन को गंभीर और अपूरणीय खतरा हो सकता है। याचिका में कोर्ट से मांग की गई है कि वांगचुक को तुरंत किसी बड़े सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया जाए और उनकी जान बचाने के लिए जरूरत पड़ने पर 'फोर्स-फीडिंग' के जरिए उन्हें विटामिन और अन्य जरूरी पोषक तत्व दिए जाएं। उल्लेखनीय है कि सोनम वांगचुक का यह अनिश्चितकालीन अनशन 'कॉकरोच जनता पार्टी' के आधिकारिक बैनर तले पिछले 28 जून से लगातार दिल्ली के जंतर-मंतर पर जारी है।

हंगामा करने से बड़ा नेता नहीं बनते, अध्ययन और संवाद से बनती है पहचान : ओम बिरला

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान विधानसभा के 75 वर्ष पूरे होने पर आयोजित अमृत महोत्सव के उद्घाटन समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसदीय मयार्दाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों पर जोर देते हुए कहा कि वेल में आकर हंगामा करने से कोई बड़ा नेता नहीं बनता. सदन में दिए गए सार्थक भाषण और तर्कपूर्ण बहस ही जनप्रतिनिधि की वास्तविक पहचान बनते हैं. राजस्थान विधानसभा लोकतांत्रिक संस्कारों, संवाद और सहमति की सबसे बड़ी पाठशाला रही है. विधायक जितना अधिक अध्ययन करेंगे, सुनेंगे और विषयों की गहराई समझेंगे, उतना ही प्रभावी ढंग से जनता की आवाज सदन में उठा सकेंगे. सदन में दिए गए भाषण वर्षों तक पढ़े और याद किए जाते हैं, इसलिए जनप्रतिनिधियों को मर्यादित और तथ्यपरक बहस की परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए.

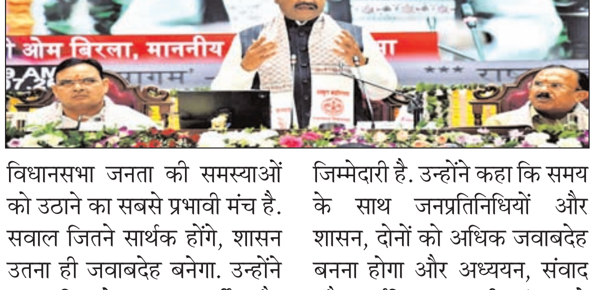

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सरकार की सकारात्मक आलोचना लोकतंत्र को मजबूत करती है और विधानसभा जनता की समस्याओं को उठाने का सबसे प्रभावी मंच है. सवाल जितने सार्थक होंगे, शासन उतना ही जवाबदेह बनेगा. उन्होंने कहा कि बेहतर, पारदर्शी और उत्तरदायी शासन की नींव मजबूत विधायी संस्थाओं से ही पड़ती है. अपने विधायक जीवन के अनुभव साझा करते हुए बिरला ने कहा कि 2003 में विधायक बनने के बाद उन्होंने वरिष्ठ नेताओं को सुनकर संसदीय कार्यप्रणाली सीखी. उन्होंने विधानसभा को अपनी पहली पाठशाला बताते हुए कहा कि यहीं से उन्हें लोकतांत्रिक संस्कार और संसदीय मयार्दाओं का ज्ञान मिला. उन्होंने अध्यक्ष पद की गरिमा बनाए रखने पर भी जोर देते हुए कहा कि हर परिस्थिति में संयम, सहजता और निष्पक्षता बनाए रखना पीठासीन अधिकारी की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है. उन्होंने कहा कि समय के साथ जनप्रतिनिधियों और शासन, दोनों को अधिक जवाबदेह बनना होगा और अध्ययन, संवाद और मर्यादित बहस की परंपरा को आगे बढ़ाकर लोकतंत्र को और मजबूत करना होगा.

अमृत महोत्सव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान विधानसभा का गौरवशाली इतिहास हम सभी के लिए गर्व का विषय है. 1952 से अब तक पूर्व और वर्तमान सभी जनप्रतिनिधियों ने राज्य के विकास की मजबूत नींव रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है. लोकतंत्र हमारी अटूट आस्था और जनतंत्र की आकांक्षाओं का उत्सव है. राजस्थान की 8 करोड़ जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हर जनप्रतिनिधि का दायित्व है.

ममता बनर्जी को तगड़ा झटका, मदन मित्रा ने छोड़ा साथ, बागी खेमे में शामिल

कोलकाता। बुधवार को तृणमूल के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मदन मित्रा के बागी खेमे में शामिल होने के बाद, बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वफादारों का दायरा और सिमट गया। फि रहाद हकीम, ज्योतिप्रिय मल्लिक और चंद्रिमा भट्टाचार्य के बाद अब मदन मित्रा ने भी ममता का साथ छोड़ना बड़ा झटका है। 21 जुलाई के कार्यक्रम को लेकर चल रही खींचतान के बीच, उन्होंने आज विधानसभा का दौरा किया और तृणमूल के बागी गुट में शामिल हो गए। ममता ने पहले उन्हें पार्टी में एक अहम पद पर नियुक्त किया था। वे तृणमूल की राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य थे और उन्हें राज्य महासचिव भी नियुक्त किया गया था। हालाँकि, कमारहाटी के विधायक ने आज सभी पदों से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। वे आज सुबह खुद गाड़ी चलाकर विधानसभा पहुँचे और उसके बाद रीताब्रता बनर्जी, संदीपन साहा और अक्रुज्जमान के साथ बैठक की। रीताब्रता बनर्जी के बगल में बैठकर उन्होंने ममता का साथ छोड़ने का फैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि पार्टी की मौजूदा दुर्दशा के लिए सिर्फ. एक व्यक्ति—अभिषेक बनर्जी—ज़िम्मेदार हैं। बुधवार को तृणमूल के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मदन मित्रा के बागी खेमे में शामिल होने के बाद, बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वफादारों का दायरा और सिमट गया।

महाराष्ट्र की राजनीति ने करवट बदली, शरद पवार की एनसीपी डिलिमिटेशन बिल पर मोदी सरकार के साथ

एजेंसी

मुंबई। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार के एक फेसले से पूरा विपक्ष सकते में है. खबर है कि यदि मोदी सरकार मानसून सत्र में 131वां संविधान (संशोधन) विधेयक (डिलिमिटेशन बिल) लाती है तो एनसीपी उसका समर्थन करेगी. श्री पवार का फैसला राजनीतिक गलियारों में अति महत्वपूर्ण करार दिया जा रहा है. यह इसलिए क्योंकि एनसीपी (एसपी) विपक्षी खेमे से जुड़ी प्रमुख पार्टियों में शामिल है. आज बुधवार को एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने कहा कि उनकी पार्टी केंद्र सरकार के प्रस्तावित परिसीमन बिल का समर्थन करेगी. हालांकि उन्होंने यह शर्त भी रखी कि केंद्र सभी राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी का प्रावधान करे. दरअसल संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है. इससे पहले सरकार ने 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है. खबर है कि केंद्र की मोदी सरकार मॉनसून सत्र में 131वां संविधान (संशोधन) विधेयक दोबारा लाने की तैयारी कर रही है. इस कारण विपक्षी दलों में हलचल मची हुई है. हालांकि अभी तक एनसीपी (एसपी) का इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है. लेकिन सूत्रों के अनुसार पार्टी परिसीमन बिल के पक्ष में वोट करने या समर्थन करने करने जा रही है. दरअसल परिसीमन बिल((डिलिमिटेशन बिल) लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीमा निर्धारण की प्रक्रिया से संबंधित है. इसके तहत जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमा नये सिरे से निर्धारित होगी. बता दें कि पूर्व में अप्रैल मे संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़ा संवैधानिक संशोधन बिल पेश किया गया था. लेकिन यह पारित नहीं हो पाया था.

संक्षिप्त खबर

सोनम वांगचुक के समर्थन में जंतर-मंतर पहुंचे प्रकाश राज, स्वरा भास्कर व सिंगर काका

नयी दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के चल रहे प्रदर्शन और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अनशन को कई कलाकारों का समर्थन मिला. बॉलीवुड अभिनेता प्रकाश राज, अभिनेत्री स्वरा भास्कर और पंजाबी गायक काका धरनास्थल पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों के साथ एकजुटता जताई. प्रकाश राज और स्वरा भास्कर ने छात्रों की मांगों का समर्थन करते हुए आंदोलन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की. वहीं, पंजाबी सिंगर काका भी प्रदर्शन में शामिल हुए और आंदोलन का समर्थन किया. लद्दाख के प्रसिद्ध इंजीनियर, इनोवेटर और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक 28 जून से जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं. वे लंबे समय से लद्दाख से जुड़े मुद्दों और छात्रों की मांगों को लेकर आवाज उठा रहे हैं. सोनम वांगचुक आइस स्तूप जैसी अभिनव तकनीक विकसित करने के लिए दुनिया भर में पहचान रखते हैं. उन्हें रेमन मैगसेसे पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है. इसके अलावा, आमिर खान की फिल्म '3 इडियट्स' में फुनसुख वांगडू के किरदार की प्रेरणा भी सोनम वांगचुक के जीवन से ली गई थी.

फीफा वर्ल्ड कप : सेमीफाइनल में स्पेन से हारा फ्रांस, गुस्साए समर्थकों ने पेरिस की सड़कों पर आगजनी की

पेरिस। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में स्पेन के हाथों हुई हार फ्रांस के फुटबॉल प्रेमी पचा नहीं पा रहे है. कल सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन ने फ्रांस पर 2-0 से रौंद दिया और फाइनल में पहुंच गया. हार के बाद गुस्साए समर्थक पेरिस की सड़कों पर उतर आये और आगजनी की. इस कारण शहर में अफरा तफरी का माहौल नजर आया. इसका वीडियो तेजी से वायरल हो गया. वीडियो में दिख रहा है कि सड़कों पर आगजनी हो रही है. लोग इधर उधर भाग रहे हैं. पुलिस ने भीड़को तितर बितर करने के लिए हवा में गोलियां चलाई. अहम बात यह कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मिलिट्री परेड के दौरान लोगों से शांति की अपील की थी,लेकिन फ्रांस का वर्ल्ड कप से बाहर होना लोगों को पचा नहीं. लोगों का गुस्सा बढ़ गया. वे सड़कों पर उतर आये और हंगामा शुरू कर दिया. शहर में आगजनी शुरू हो गयी. स्पेन की टीम की बात करें तो वह इस वर्ल्ड कप इतनी मजबूत साबित हुई है कि अब तक सिर्फ बेल्जियम ही ऐसी टीम है, जो स्पेन के खिलाफ गोल कर पायी है. फ्रांस भी सेमीफाइनल में स्पेन के खिलाफ एक भी गोल नहीं कर पायी. यहां तक कि फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे भी स्पेन के डिफेंड को तोड़ नहीं पाये. हालांकि उनके सामने तीन मौके बने लेकिन वे गोल तक नहीं कर पाये.

देहरादून में राहुल गांधी का छात्रों की गूंज कार्यक्रम, परेड ग्राउंड की अनुमति रद्द होने से रात भर होता रहा हंगामा

देहरादून। राहुल गांधी 17 जुलाई को उत्तराखंड के देहरादून में छात्रों की गूंज कार्यक्रम करने जा रहे हैं. लेकिन जिलाधिकारी द्वारा परेड ग्राउंड में कार्यक्रम की अनुमति रद्द किये जाने से राजनीतिक घमासान मच गया है. खबर है कि कांग्रेस ने रणनीति बदलते हुए कार्यक्रम स्थल बदल दिया है. कार्यक्रम बन्नू स्कूल मैदान में आयोजित किया जायेगा. कांग्रेस के अनुसार यह निर्णय छात्रों और अभिभावकों की सुरक्षा को देखते हुए लिया गया है. अहम खबर यह है कि परेड ग्राउंड में कार्यक्रम की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद मंगलवार देर रात भारी संख्या में कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आये. यह देखते हुए प्रशासन ने भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी. नाराज कांग्रेसी कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए परेड ग्राउंड पहुंचे और गेट खुलवाने की कोशिश की. पुलिस के साथ कार्यकताओं की तीखी बहस हुई. इसके बाद गुस्साए कांग्रेस नेताओं ने धरना दिया और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाये. उत्तराखंड कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा पार्टी को पूर्व में तीन दिन के लिए अनुमति प्रदान की गयी थी, लेकिन सरकार के दबाव में अनुमति वापस ले ली गयी. गोदियाल ने आरोप लगाया कि जिस परेड ग्राउंड को सरकारी कार्यक्रम का हवाला देकर अनुमति नहीं दी गयी है. गोदियाल ने कहा, वहां कोई सरकारी गतिविधि नजर नहीं आयी. आरोप लगाया कि प्रशासन ने यह फैसला राजनीतिक दबाव में लिया है. सरकार राहुल गांधी के कार्यक्रम से घबरा गयी है .कांग्रेस के अनुसार राहुल गांधी का छात्रों की गूंज कार्यक्रम पूर्व निर्धारित तिथि 17 जुलाई को ही आयोजित किया जायेगा. इसका आयोजन अब देहरादून के बन्नू स्कूल मैदान में होगा.

आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने किया राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ पद के लिए आवेदन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कैडर के आईपीएस रहे अमिताभ ठाकुर ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सीइओ पद के लिए पहला आवेदन किया है. ट्रस्ट के मिले चंदे का घोटाला होने की खबरों के बाद वहां सीइओ पद के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया गया है. ताकि राम मंदिर ट्रस्ट में किसी तरह की गड़बड़ी ना हो. अमिताभ ठाकुर की पहचान तेज-तर्रार व ईमानदार अधिकारी के रुप में है. काम के प्रति ईमानदार रहने और भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार बोलने व कार्रवाई करने की वजह से ही उन्हें अपनी नौकरी तक से हटना पड़ा. लेकिन उन्होंने कभी समझौता नहीं किया. राम मंदिर ट्रस्ट के लिए आवेदन करने के बाद अमिताभ ठाकुर ने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि वह विज्ञापन के सभी शर्तों को पूरा करते हैं और इस पद के लिए खुद को सबसे सक्षम उम्मीदवार मानते हैं. उनके पास लंबा प्रशासनिक अनुभव है और वह प्रबंधकीय जिम्मेदारी बेहतर तरीके से निभा सकते हैं. ट्रस्ट के सभी प्रशासनिक, वैधानिक व वित्तीय कामों को बखूबी निभा सकते हैं.

गोलमाल के 20 साल पूरे होने का मनाया जश्न...

मुंबई। मशहूर अभिनेता अजय देवगन ने मंगलवार को अपनी सुपरहिट कॉमेडी फिल्म 'गोलमाल' के 20 साल पूरे होने पर खुशी जताई है। इसी के साथ अजय ने सोशल मीडिया पर फिल्म की पुरानी तस्वीरें भी साझा की हैं। अजय ने 'गोलमाल' के इस सफर को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर कई मोशन वीडियो साझा किए हैं। इसी के साथ अजय ने लिखा कि दो दशक पहले शुरू हुआ यह सफर आज भी लोगों को उतनी ही हंसी और खुशी दे रहा है। उन्होंने फिल्म के किरदारों की कुछ मजेदार तस्वीरें भी साझा की हैं। अजय ने लिखा, 'गोलमाल शुरू किए हुए 20 साल हो गए और इसका मजा आज भी वैसा ही है।'

लाइफ Style

आलिया

तुम्बाड 2 का हिस्सा बनने पर हुईं ट्रोल

तुम्बाड 2 के मेकर्स ने सोशल मीडिया पोस्ट करके बताया कि फिल्म में आलिया भट्ट भी एक अहम किरदार निभाएंगी। फिल्म में आलिया की कास्टिंग सोशल मीडिया यूजर्स को पंसद नहीं आई, इस वजह से एक्ट्रेस को जमकर ट्रोल किया जा रहा है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी के बाद फिल्म 'तुम्बाड 2' से आलिया भट्ट भी जुड़ गई हैं। इस हॉरर-थ्रिलर फिल्म में वह एक अहम किरदार निभाने वाली हैं। फिल्म से जुड़कर आलिया भट्ट भी काफी खुश हैं। लेकिन, पहली फिल्म 'तुम्बाड'को पसंद करने वाले फैंस दूसरे पार्ट में आलिया की कास्टिंग से नाराज नजर आ रहे हैं। वह मेकर्स के डिसीजन को गलत बता रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने आलिया भट्ट को तुम्बाड 2 का हिस्सा बनने पर कई वजहों से ट्रोल किया है। एक यूजर ने लिखा, आलिया से तुंबाड 2 को बचाओ। एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, फिल्म 'तुंबाड' अपनी कहानी कहने के अंदाज, विजन और उन कलाकारों के जबरदस्त काम की वजह से एक कल्ट क्लासिक बन गई, जिन्हें बॉलीवुड के बड़े कैंप्स का सपोर्ट नहीं था। एक फैन के तौर पर यह देखना निराशाजनक है कि इतनी अनोखी फ्रैंचाइजी अब मेनस्ट्रीम स्टार पावर की तरफ झुक रही है। मुझे बस उम्मीद है कि 'तुंबाड 2' अपनी जड़ों से जुड़ी रहेगी और काबिल कलाकारों को चमकने का मौका देगी। एक अन्य यूजर ने भी नाराजगी जताते हुए लिखा, 'प्लीज आलिया को कास्ट मत करो।

हॉलीवुड मसाला

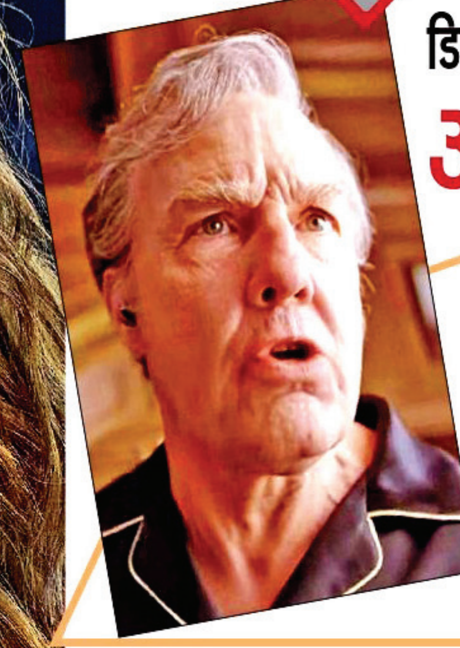

डिगर में दिखे अलग अंदाज में

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड हीरो टॉम क्रूज अपनी आगामी फिल्म 'डिगर' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में टॉम क्रूज काफी अलग अंदाज में दिखे हैं। यह फिल्म 02 अक्टूबर को रिलीज होगी। अभिनेता का एक ऐसा अवतार, जैसे उन्हें पहले कभी पर्दे पर नहीं देखा गया। एक्शन हीरो टॉम क्रूज पर्दे पर आते हैं तो अलग ही रौब नजर आता है, साथ ही उनका लुक भी दमदार होता है। दमदार से यहां मतलब है कि फिटनेस से लेकर फैशन सेंस तक सब कुछ एकदम टिपटॉप।

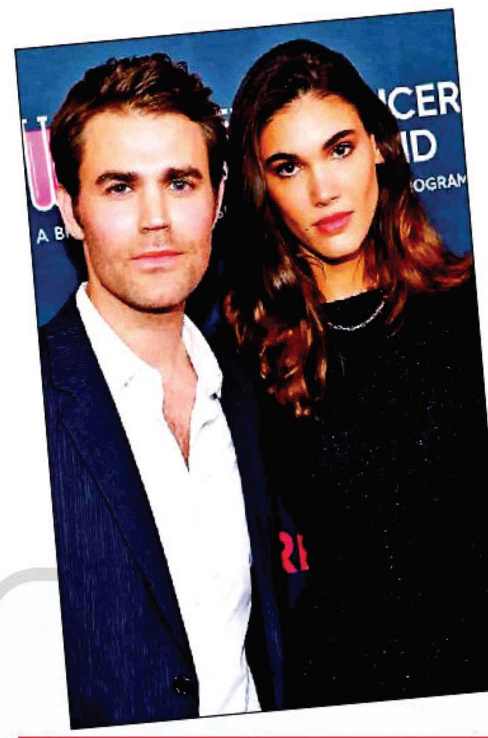

अनुराधा ने लता संग विवाद पर तोड़ी चुप्पी...

नई दिल्ली। बॉलीवुड के बेहतरीन सिंगर्स में से है अनुराधा पौडवाल की एक समय पर स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर से तुलना की जाती थी। इसी तुलना ने एक विवाद को जन्म दिया जिसमें कहा जाता था कि लता मंगेशकर ने अनुराधा को कभी आगे नहीं बढ़ने दिया। अब इस पर अनुराधा ने खुद चुप्पी तोड़ी है। एक बातचीत में उन्होंने कहा है कि वो मेरी गुरु जैसी हैं और गुरु की कोई बराबरी नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं मानती हूं कि गुरु की कोई बराबरी नहीं करता। गुरु को फॉलो किया जाता है, उनकी पूजा की जाती है। दूसरी बात लोगों की सोच ही ऐसी है, क्योंकि वे हमारी तुलना करते हैं, इसीलिए उनको ये सुनने में स्पाइसी लगता है कि उन्होंने मुझे आगे नहीं बढ़ने दिया'। उन्होंने कहा कि उनका आर्ट जिस बुलंदी पर था तो उस बुलंदी के नजदीक तो आना चाहिए ना, तब तो तुलना होगी।

अनुराग ने की मलयालम फिल्म की तारीफ

नई दिल्ली। फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने मलयालम फिल्ममेकर अभिनव सुंदर नायक की फिल्म 'मुकुंदन उन्नी एसोसिएट्स' की तारीफ की है। उन्होंने कुछ दिन पहले ही इसे साल की बेहतरीन फिल्मों में से एक बताया था। अनुराग ने हाल ही में अभिनव के साथ उनके घर पर 2022 की इस मलयालम ब्लैक कॉमेडी फिल्म को देखा और बाद में एक शानदार रिव्यू में इसे जबरदस्त फिल्म बताया। अब अभिनव सुंदर नायक ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग की तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अनुराग कश्यप के घर पर एक दोपहर बिताई, जिसमें फिल्मों, इंडस्ट्री और अपनी हालिया डायरेक्टोरियल फिल्म 'मुकुंदन उन्नी एसोसिएट्स' पर बातचीत हुई। यह दिन मेरे लिए हमेशा यादगार रहेगा।

पॉल ने गर्लफ्रेंड नताली को बनाया जीवनसाथी...

लॉस एंजिल्स। 'द वैम्पायर डायरीज' में स्टीफन साल्वाटोर का किरदार निभाने के लिए मशहूर एक्टर पॉल वेस्ली ने अपनी लंबे समय की पार्टनर नताली कुकेनबर्ग से शादी कर ली है। इस जोड़े ने एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी की, जिसमें सिर्फ एक मिनिस्टर और उनका पालतू कुत्ता, ग्रेग शामिल थे। कुकेनबर्ग ने इंस्टाग्राम पर इस खबर की घोषणा की और समारोह की कई तस्वीरें शेयर कीं। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'मिस्टर एंड मिसेज एंड द बेस्ट बॉय ग्रेग।' इसमें उन्होंने कपल के कुत्ते का जिक्र किया, जो समारोह का हिस्सा था। शादी का कार्यक्रम बेहद निजी था, जिसमें सिर्फ शादी कराने वाले मिनिस्टर और ग्रेग ही मौजूद थे। मेहमानों की लिस्ट छोटी रखने के बावजूद, इस जोड़े ने शादी के लिए क्लासिक वेडिंग लुक चुना।

टीवी मसाला

कुमकुम के 24 साल पूरे, जूही ने साझा किया खास वीडियो

नई दिल्ली। मशहूर टीवी सीरियल 'कुमकुमः एक प्यारा सा बंधन' के प्रसारण को 15 जुलाई को पूरे 24 साल पूरे हो जाएंगे। इस खास मौके पर शो की मुख्य अभिनेत्री जूही परमार ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी और

दर्शकों के प्रति आभार जाहिर किया है। जूही परमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह शो के मशहूर टाइटल ट्रैक पर नाचती नजर आ रही हैं। भावुक होकर उन्होंने लिखा, 'कुछ कहानियां कभी खत्म नहीं होतीं... वे बस लोगों के दिलों में जिंदा रहती हैं।' जूही ने फैंस का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, '15 जुलाई को जब 'कुमकुम' के 24 खूबसूरत साल पूरे हो रहे हैं, तो मेरा दिल आभार से भरा हुआ है। यह सचमुच अद्भुत है कि

रणवीर प्रलय की शूटिंग के बीच लेंगे पैटरनिटी लीव ...

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह अपने करियर और निजी जिंदगी के सबसे खूबसूरत दौर से गुजर रहे हैं। इस साल आई उनकी फिल्म धुरंधर ने ग्लोबल स्तर पर तक छाप छोड़ी है। इंडियन बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़कर नए रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। अब आने वाले समय में रणवीर अपनी दूसरी बड़ी फिल्म प्रलय की शूटिंग में बिजी होने वाले हैं। इस के अलावा एक दोबारा से पापा बनने के बाद एक्टर एक लंबी पैटरनिटी लीव पर जा सकते हैं। रणवीर सिंह अपने करियर की बड़ी फिल्म प्रलय को लेकर लंबे समय से सुर्खियों में बने हुए हैं। अब इस फिल्म को लेकर ताजा अपडेट सामने आ गई है। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट की मानें रणवीर अगले महीने यानी अगस्त 2026 से फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। लेकिन वो ये शूटिंग अगले दो महीनों तक ही करेंगे। इसके बाद पत्नी दीपिका पादुकोण की दूसरी डिलीवरी होनी है। ऐसे में एक्टर दीवाली के आस पास फिल्म प्रलय और अन्य प्रोजेक्ट्स से ब्रेक लेकर पैटरनिटी लीव लेंगे। इस दौरान रणवीर अपनी बेटी दुआ और पत्नी दीपिका के साथ क्वालिटी टाइम बिताएंगे और नए सदस्य का स्वागत करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया

रणवीर पैटरनिटी लीव के बाद साल 2027 में ही प्रलय का काम फिर से शुरू करेंगे। रणवीर सिंह अपने करियर और निजी जिंदगी के सबसे खूबसूरत दौर से गुजर रहे हैं। साल 2024 में बेटी दुआ के जन्म के बाद साल 2025 और 2026 में धुरंधर और धुरंधर 2 के धमाके ने इंडस्ट्री हिला दी। अब आने वाले दिनों में रणवीर प्रलय में लीड किरदार में नजर आएंगे। रिपोर्ट की मानें तो रणवीर स्टारर प्रलय एक 300 करोड़ के बजट वाली फिल्म होने वाली है।

कर्ण से लेकर अश्वत्थामा तक, कल्कि 2 में खुलेंगे अनसुने रहस्य, महाभारत से कनेक्शन पर अश्विन की दो टूक

नई दिल्ली। साल 2024 में फिल्म कल्कि 2898 एडी को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। माइथोलॉजिकल साइंस फिक्शन जॉनर वाली इस मूवी ने काफी लोकप्रियता हासिल की। प्रभास , अमिताभ बच्चन और कमल हासन जैसे दिग्गज कलाकारों से सजी कल्कि का निर्देशन नाग अश्विन ने किया। लंबे समय से कल्कि 2 की चर्चा चल रही है। अब नाग ने अपनी इस मोस्ट अवेटेड फिल्म को लेकर खुलकर बात की है और बताया है कि कर्ण और अश्वत्थामा जैसे किरदारों को लेकर पार्ट में क्या खास देखने को मिलेगा। जब फिल्म कल्कि के पार्ट-1 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया तब से लेकर अब तक महाभारत से इसको जोड़े जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस मामले पर हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान नाग अश्विन ने अपनी दो टूक राय रखी है और कहा है- महाभारत के संदर्भों के उन सभी पहलुओं को कल्कि 2 में खासतौर पर स्पष्ट किया जाएगा, जिन पर अभी सवाल उठ रहे हैं। पार्ट 2 का इंतजार कीजिए। पहले आप लोग पार्ट 2 को आने तो दो, इसके बाद ही पता चल पाएगा कि हमने क्लाइमैक्स में क्या और क्यों दिखाया गया। कृपया महाभारत को ध्यान से पढ़िए, मुझे हमारे

इतिहास का अत्यंत सम्मान है और मैं जानता हूं कि मैं क्या कर रहा हूं। बता दें कि कल्कि 2898 एडी के क्लाइमैक्स में भैरव (प्रभास) के कर्ण का पुनर्जन्म होने का खुलासा होता है, जिसके बाद वह अश्वत्थामा (अमिताभ बच्चन) के साथ मिलकर धर्म की रक्षा करता नजर आता है। हालांकि, असली महाभारत का सार इससे थोड़ा विपरीत माना जाता है।

कल्कि 2 की शूटिंग जारी

इतना ही नहीं नाग अश्विन ने इस बात का भी खुलासा किया है कि कल्कि 2 में पहले से और ज्यादा बड़े एक्शन सीक्वेंस और मिथकीय ब्रह्मांड का विस्तार दर्शाया जाएगा। बता दें कि फिल्म हैदराबाद में फिलहाल फिल्म की शूटिंग जारी है।

कौन करेगा दीपिका को रिप्लेस

कल्कि 2898 एडी में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने सुमति का अहम किरदार अदा किया था। अब जब वह कल्कि 2 का हिस्सा नहीं हैं तो इस मामले को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही है कि वह कौन सी अभिनेत्री होगी, जो कल्कि पार्ट 2 में दीपिका को रिप्लेस करेगी। इसको लेकर आलिया भट्ट और साई पल्लवी जैसी अभिनेत्रियों के नाम भी सामने आए हैं, जिस पर अब नाग अश्विन ने तस्वीर साफ करते हुए कहा है- कल्कि 2 में सुमति के किरदार को कौन निभाएगा, इसकी घोषणा हमें करनी है। अभी जो कुछ भी चल रहा है, वह केवल अटकलें हैं। इतना तय है कि सुमति का किरदार कहानी का बेहद अहम हिस्सा रहेगा। नाग के इस बयान से साफ हो गया कि भैरव, सुप्रीम यास्किन (कमल हासन) और अश्वत्थामा के अलावा कल्कि 2 में कल्कि के किरदार को भी वरीयता दी जाएगी।

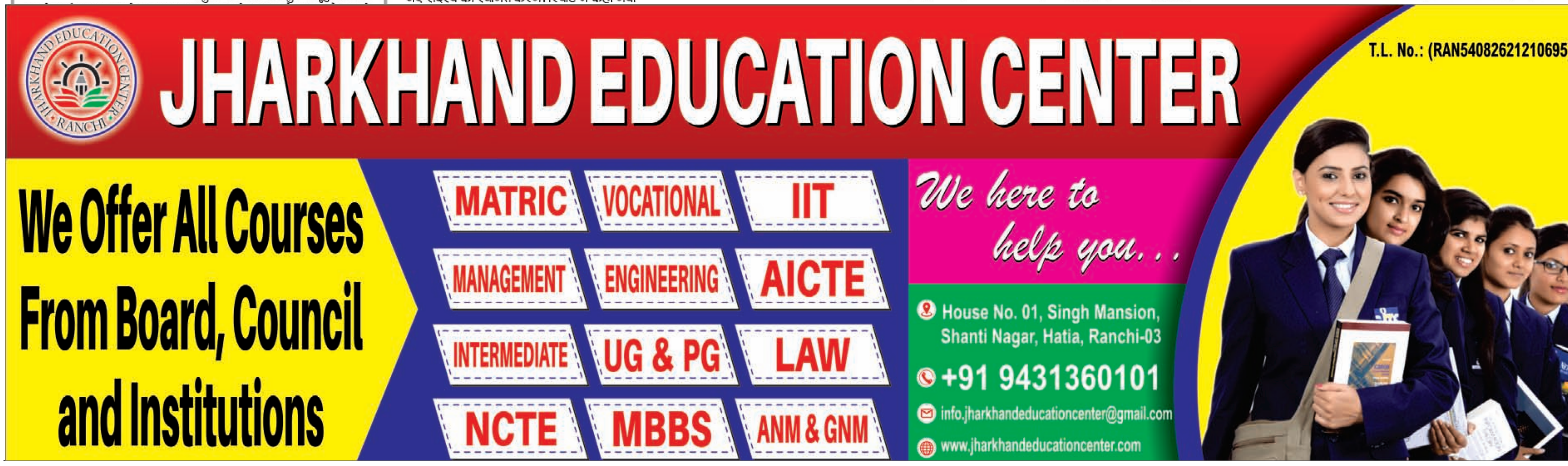

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रत्नेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.